● उत्तर प्रदेश ● बिहार ● झारखंड से प्रकाशित | www.ajhindidaily.com | रांची, शनिवार १७ अक्तूबर २०२६ | नगर संस्करण १२ पृष्ठ मूल्य ३ रुपये

शारदीय नवरात्र

सप्तमं कालरात्रि

नवरात्र की सप्तमी तिथि को भगवती कालरात्रि दुर्गा की पूजा आराधना का विधान है। देखने में अत्यंत भयानक भगवती कालरात्रि सदैव शुभ फल देनेवाली हैं। कालरात्रि की एकनिष्ठ साधना करनेवाले साधक अपने मन को सहस्त्रार में स्थिर कर साधना करते हैं। दुष्टों का विनाश करनेवाली भगवती कालरात्रि मन, कर्म और वचन से पवित्र रहकर आराधना करने वाले भक्तों को सभी प्रकार के भय से मुक्त कर देती हैं। इनकी आराधना के लिए यम नियम का पालन करना आवश्यक बताया गया है। इन्हें पुष्पांजलि समर्पित करने का मंत्र है–

एकवेणी जपाकर्णपूरा
नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी
तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लसल्लोह
लताकष्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा
कालरात्रिर्भयंकारी।।

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते॥

राजधानी के रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा पंडाल में प्रतिष्ठापित माता रानी की भव्य प्रतिमा। छाया : राजकुमार

सीजेपी का 'लहरा दो तिरंगा' मार्च विफल

मार्च करने से पहले ही सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके व नेहा बोरा हिरासत में

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से पहले शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दिपके व अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में ले लिया। दिपके अपने निवास से निकलकर पैदल जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से तीखी बहस हुई। पुलिस ने कार्रवाई को एहतियाती बताते हुए कहा कि उन्हें वहां जाने की अनुमति नहीं है। पुलिस द्वारा रोके जाने पर दिपके ने सवाल किया कि जब वह अकेले जा रहे हैं और कोई कानून नहीं तोड़ रहे, तो उन्हें हिरासत में क्यों लिया जा रहा है। इस पर पुलिसकर्मियों ने एहतियाती कार्रवाई का हवाला दिया। दिपके ने कहा कि वह वहां नहीं जा रहे हैं और पुलिस उन्हें बता दे कि कहां जाना है। सीजेपी के अनुसार, दीपके राष्ट्रीय ध्वज लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने जा रहे थे। उनके साथ न कोई भीड़ थी और न ही कोई प्रदर्शन हो रहा था। सीजेपी ने दावा किया कि पार्टी ने पहले ही कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से बड़ी भीड़ जुटाने के बजाय छोटे समूहों में आने, तिरंगे के साथ तस्वीर खिंचवाने और बिना नारेबाजी या हंगामे के लौट जाने की अपील की थी। इसके बावजूद पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर आवा. जाही पर रोक लगाई और दीपके को हिरासत में ले लिया।

पुलिस के साथ हुई तीखी बहस

दिपके ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अब देश की राजधानी में राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलना भी अपराध हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि तिरंगा हाथ में लेना अपराध है, तो उन्हें जेल भेज दिया जाए। सीजेपी ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे नागरिकों की लोकतांत्रिक भावनाओं और अधिकारों को दबाने का प्रयास बताया। पार्टी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से तिरंगा लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना कानून–व्यवस्था के लिए खतरा नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 'लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम के संबंध *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में राहुल ने दुष्यंत गौतम को राज्यपाल पद पर नियुक्ति रोकने की राष्ट्रपति से लगायी गुहार

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एक औपचारिक पत्र लिखकर सिक्किम के राज्यपाल के रूप में दुष्यंत गौतम की नियुक्ति पर कड़ा विरोध जताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट और दो पन्नों के आधिकारिक पत्र को साझा करते हुए राहुल गांधी ने मांग की है कि जब तक अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी एंगल की सीबीआई जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक गौतम को पदभार संभालने की अनुमति न दी जाए। राष्ट्रपति को संबोधित *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

रुबियो के मुंबई दौरे पर राहुल का तंज, बोले– आखिर ये चल क्या रहा है

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की आगामी भारत यात्रा के दौरान मुंबई में राजनीतिक नेतृत्व की बजाय भारत सरकार के अधिकारियों से होने वाली असामान्य मुलाकात को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया है और कहा है कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी इससे उलझन में हैं कि आखिर ये क्या हो रहा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

दिवंगत मां के श्राद्धकर्म को पारंपरिक रीति-रिवाज से निभा रहे सीएम हेमंत सोरेन, दशकर्म आज

गोला (रामगढ), 16 अक्टूबर। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन के श्राद्ध संस्कार के नौवें दिन भी पारंपरिक रीति–रिवाजों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करते नजर आए। इस दौरान दातून, पानी और भोजन परोसने से जुड़ी रस्में निभाई गईं। मिट्टी के चूल्हे पर पारंपरिक बर्तनों में भोजन तैयार करने से लेकर अन्य संस्कारों तक परिवार के सदस्य पूरी श्रद्धा के साथ अपनी जिम्मेदारियां *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

अमित शाह ने पंजाब में नशे और संगठित अपराध को लेकर मान सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केंद्रीय गृहमंत्रीअमित शाह ने पंजाब में नशे के कारोबार, गिरोहबाजी और संगठित अपराध के बढ़ते खतरे को लेकर शुक्रवार को भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा और राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि पंजाब आज नशे, गिरोहबाजी और संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। उन्होंने सवाल किया कि मान सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आखिर पंजाब की जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा। गृहमंत्री ने दिरबा में एक पिता के दबाव में जहर खा लेने *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सख्त नियमों की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए सख्त नियम बनाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी। यह याचिका एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल और उसके निदेशक ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की है। याचिका में कहा गया है कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाना राज्य सरकार और केंद्र सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया के कारण बच्चे कई तरह की मान. सिक और शारीरिक दिक्कतों से जूझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों के सोशल *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

झारखंड में संयुक्त चिकित्सकों की प्रमुख मांगें स्वीकार, हड़ताल फिलहाल टली

रांची, 16 अक्टूबर। झारखंड में चिकित्सकों के अधिकार, सेवा शर्तों और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार को लेकर चल रही संयुक्त चिकित्सकों की हडताल फिलहाल टल गई है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), झासा सहित विभिन्न चिकित्सक संगठनों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। सर्वसम्मति से तय हुआ कि अब, फिलहाल चिकित्सक हड़ताल पर नहीं जाएंगे। छठ के बाद अन्य मुद्दों पर फिर से मुद्दों पर अहम बैठक होगी। अजय सिंह नेविज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि बैठक में चिकित्सा संस्थानों के पंजीकरण कानून में संशोधन का प्रस्ताव अगले दो माह में मंत्रिमंडल की स्वीकृति के लिए भेजने पर सहमति बनी। इसके लिए विभागीय समन्वय समिति गठित की जाएगी। अस्पतालों में न्यूनतम बिस्तरों की अनिवार्यता के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 30 और शहरी क्षेत्रों में 40 बिस्तरों की व्यवस्था पर सहमति बनी। चिकित्सकों की समयबद्ध पदोन्नति के लिए केंद्र और *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

यौन शोषण के आरोपी कोडरमा के सिविल सर्जन निलंबित

कोडरमा, 16 अक्टूबर। यौन शोषण के आरोपी डॉक्टर अनिल कुमार सिविल सर्जन कोडरमा को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के पत्रांक 719(3) दिनांक 16/10/2026 के आदेशानुसार निलंबित कर दिया गया। निलंबन की अनुशंसा उपायुक्त कोडरमा के पत्रांक 506 दिनांक 12 ध10ध2026 के तहत की गई है कोडरमा महिला थाना कांड संख्या 26/2026 दिनांक 11/10/2026 की मामले में डॉक्टर अनिल कुमार सिविल सर्जन कोडरमा को पुलिस द्वारा दिनांक के 11/10/2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था इसी बाबत झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम 9(1)(ग) की आलोक में डॉक्टर अनिल कुमार ,सिविल सर्जन, कोडरमा को उनके न्यायालीय हिरासत की अवधि से निलंबित किया गया है, साथ ही अगले आदेश तक के लिए सिविल सर्जन, कोडरमा का प्रभार(वित्तीय शक्ति सहित) डॉक्टर पदमेश्वर मिश्रा अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा को सौंपा गया है झारखंड सेवा संहिता की नियम– 96 के तहत निलंबन अवधि में डॉक्टर अनिल कुमार को जीवन निर्वाह भत्ता *(शेष पृष्ठ ९ पर)*

पंडालों के पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भव्य पंडाल, आकर्षक विद्युत सज्जा और लेजर लाइट शो बने आकर्षण के केंद्र

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में शारदीय दुर्गा पूजा की भव्यता देखते ही बन रही है। शहर के विभिन्न इलाकों में तैयार किए गए आकर्षक पूजा पंडालों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। चारों ओर मां दुर्गा के जयकारे गूंज रहे हैं और पूरा शहर भक्ति, आस्था तथा उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है। कहीं भव्य मंदिरों की वास्तुकला देखने को मिल रही है, तो कहीं पौराणिक कथाओं और धार्मिक प्रसंगों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। रंग–बिरंगी रोशनी से जगमगाते पूजा पंडालों और सजे–धजे रास्तों ने राजधानी की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। कल गुरुवार को पंचमी के अवसर पर शहर के कई प्रमुख पूजा पंडालों के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके बाद मां दुर्गा के दर्शन के लिए लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। शाम होते ही पूजा पंडालों के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी। परिवार के साथ पहुंचे लोग मां दुर्गा के दर्शन करने के बाद पंडालों की भव्यता का आनंद लेते नजर आए। बच्चों में मेले को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला, वहीं बुजुर्ग और महिलाएं भी पूजा–अर्चना के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। इस वर्ष रांची के दुर्गा पूजा पंडालों में धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता की खूबसूरत झलक देखने को मिल रही है। पंडाल निर्माण में अलग–अलग मंदिरों, धार्मिक स्थलों और पौराणिक विषयों को आधार बनाया गया है।

राजधानी रांची के प्रमुख चौक–चौराहों और मोहल्लों में दुर्गा पूजा को लेकर विशेष उत्साह है। शहर के हृदयस्थल अल्बर्ट एक्का चौक पर चंद्रशेखर आजाद क्लब की ओर से पूजा की तैयारियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। वहीं, अपर बाजार स्थित जिला स्कूल मैदान में श्री रामलला दुर्गा पूजा समिति की ओर से तैयार पंडाल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा पंच मंदिर हरमू, आरआर स्पोर्टिंग क्लब रातू रोड, ओसीसी क्लब बंगला स्कूल और राजस्थान मित्र मंडल के पूजा आयोजनों में भी लोगों की दिलचस्पी देखने को मिल रही है। अरगोड़ा, गाड़ीखाना, रांची रेलवे स्टेशन, कोकर एचबी रोड, बांधगाड़ी, बूटी मोड़ और नेताजी नगर कांटाटोली सहित शहर के कई इलाकों में दुर्गा पूजा की रौनक छाई हुई है। इन क्षेत्रों में पूजा समितियों की ओर से पंडाल निर्माण, आकर्षक सजावट और विद्युत व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। रांची में दुर्गा पूजा के दौरान शाम का नजारा बेहद आकर्षक हो रहा है। जैसे–जैसे अंधेरा गहराता है, पंडालों की विद्युत सज्जा और अधिक खूबसूरत दिखाई देने लगती है। रंग–बिरंगी रोशनी से सजे प्रवेश द्वार, आकर्षक कलाकृतियां और भव्य संरचनाएं श्रद्धालुओं को रुककर देखने के लिए मजबूर कर देती हैं। पंडालों के बाहर लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी है। कई परिवार बच्चों के साथ पूजा पंडाल देखने पहुंच रहे हैं। लोग मां दुर्गा के दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना कर रहे हैं। वहीं, युवा वर्ग आकर्षक पंडालों और रोशनी के बीच तस्वीरें लेने में व्यस्त नजर आ रहा है।

पूजा समितियों की ओर से हर वर्ष श्रद्धालुओं को कुछ नया दिखाने का प्रयास किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में अलग–अलग विषयों पर आधारित पंडाल तैयार किए गए हैं। धार्मिक स्थलों की प्रतिकृतियों और पौराणिक प्रसंगों को पंडालों में स्थान देकर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव देने की कोशिश की गई है।

आकर्षण का केंद्र कोकर एचबी रोड में लेजर लाइट शो

कोकर दुर्गा पूजा समिति, एचबी रोड की ओर से इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए विशेष थीम पर आधारित भव्य पूजा पंडाल तैयार किया गया है। पंडाल के निर्माण और विद्युत सज्जा को आकर्षक बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। समिति की ओर से आयोजित लेजर लाइट शो लोगों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शाम के समय रोशनी के विभिन्न रंगों और लेजर लाइट के प्रभाव से पंडाल का दृश्य और भी आकर्षक हो जाता है। मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु इस विशेष आयोजन को देखने के लिए भी उत्साहित हैं। पूजा पंडाल के आसपास उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। समिति की ओर से तैयार की गई विशेष सजावट दुर्गा पूजा की भव्यता को बढ़ा रही है। पंडाल में आने वाले श्रद्धालु मां के दर्शन के साथ आकर्षक विद्युत सज्जा का

सभी छाया : राजकुमार

बारिश ने बिगाड़ा माहौल, झूला व स्टॉल संचालकों की बढ़ी चिंता

रांची। राजधानी रांची में दुर्गा पूजा की धूम के बीच शुक्रवार सुबह से मौसम में बदलाव देखने को मिला। बारिश के कारण पूजा समितियों और श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में लगे पूजा पंडालों के साथ मेला, झूला, सर्कस और अन्य मनोरंजन स्टॉल के संचालन पर भी असर पड़ने की आशंका है। दुर्गा पूजा के दौरान बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन करने और मेले का आनंद लेने पहुंचते हैं। ऐसे में बारिश से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित होने की चिंता है। वहीं, खुले मैदानों में लगाए गए झूलों, सर्कस और अस्थायी दुकानों के संचालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पूजा समितियों को आशंका है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ कम हो सकती है। इससे मेले में कारोबार करने वाले दुकानदारों और मनोरंजन से जुड़े संचालकों पर भी असर पड़ सकता है। फिलहाल, मौसम में आए बदलाव के बीच पूजा समितियों और मेला संचालकों की नजर बारिश की स्थिति पर बनी हुई है। श्रद्धालु भी मौसम को देखते हुए पूजा पंडालों में जाने की योजना बना रहे हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के 'दिव्य शक्ति' महोत्सव में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की मनोहारी छटा

छाया : अखिलेश

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'दिव्य शक्ति–नारी शक्ति का उत्सव' के अंतर्गत आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रम ने भक्ति, संस्कृति और कलात्मक अभिव्यक्ति का मनो. हारी संगम प्रस्तुत किया। माँ दुर्गा की असीम शक्ति, ज्ञान, साहस और करुणा को समर्पित इस उत्सव के माध्यम से आदिशक्ति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ–साथ प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परि. चत कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात 'माँ दुर्गा आवाहन' की मनोहारी प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों के साथ–साथ अन्य देवी–देवताओं का सजीव चित्रण किया। दुर्गा पूजा के महत्त्व पर आधारित प्रस्तुति, भक्तिमय गीतों और नृत्य ने पूरे वातावरण को श्रद्धा एवं उल्लास से परिपूर्ण कर दिया। 'नवदुर्गा देवी के नौ दिव्य स्वरूप' विषय पर आयोजित वेशभूषा प्रस्तुति में देवी के विभिन्न रूपों और उनके दिव्य गुणों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। वहीं, पारंपरिक 'धुनुची नृत्य' ने कार्यक्रम में बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की मनोहारी झलक प्रस्तुत की। उत्सव के उल्लास को और बढ़ाते हुए प्रतिभागियों एवं शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ डांडिया में भाग लिया। रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधानों से सजे प्रतिभागियों ने आनंद और उमंग के साथ इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन ने उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, त्योहारों के महत्त्व तथा साहस, करुणा, एकता और सम्मान जैसे जीवन–मूल्यों को समझने का अवसर भी प्रदान किया। सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने कहा कि माँ दुर्गा के आदर्श हमें नारी की गरिमा बनाए रखने, उसकी क्षमताओं को पहचानने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उसके योगदान का सम्मान करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन प्रतिभागियों में सृजनात्मकता, संवेदनशीलता तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वर्णरेखा नदी में पानी नदारद, मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन पर संकट

बदबूदार और काले कीचड़युक्त पानी से बढ़ी चिंता, स्टेन रोज क्लब ने नगर निगम से की पहल की मांग

छाया : अखिलेश

रांची। स्वर्णरेखा नदी में जलस्तर लगभग शून्य होने से मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। नदी में पानी की कमी के साथ ही बदबूदार और काले कीचड़युक्त पानी का बहाव भी चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में परंपरागत रूप से प्रतिमा विसर्जन करने वाली पूजा समितियों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। स्टेन रोज क्लब के अध्यक्ष दीपक राणा और प्रवक्ता मंटू लाला ने नदी की स्थिति पर चिंता जताते हुए रांची नगर निगम से जलस्तर बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि नामकुम स्थित स्वर्णरेखा घाट पर आसपास की आठ पूजा समितियों की ओर से मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। लेकिन नदी में पानी नहीं के बराबर होने से विसर्जन की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। मंटू लाला ने बताया कि स्थिति को देखते हुए स्टेन रोज क्लब की ओर से विसर्जन कार्य में सुविधा के लिए हाइड्रा की व्यवस्था की जाएगी, ताकि प्रतिमाओं का विसर्जन सुचारु रूप से कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि रांची नगर निगम पहल करता है, तो क्लब के सदस्य भी इस कार्य में पूरा सहयोग देने को तैयार हैं। क्लब ने नदी की बदहाल स्थिति को देखते हुए प्रशासन से समय रहते उचित व्यवस्था करने की अपील की है।

नगर निगम तत्काल पहल करे : दीपक राणा– स्वर्णरेखा नदी में पानी का स्तर बेहद नीचे चला गया है। यह स्थिति मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए चिंताजनक है। नदी में बदबूदार और काले कीचड़युक्त पानी के कारण भी परेशानी बढ़ गई है। रांची नगर निगम को जलस्तर सुधारने और विसर्जन की समुचित व्यवस्था के लिए तत्काल पहल करनी चाहिए।

स्टेन रोज क्लब के सदस्य विसर्जन के लिए हरसंभव सहयोग को तैयार : मंटू लाला

स्वर्णरेखा घाट पर आसपास की आठ पूजा समितियों की प्रतिमाओं का विसर्जन परंपरागत रूप से होता है। नदी में पानी की कमी को देखते हुए स्टेन रोज क्लब हाइड्रा की व्यवस्था करेगा, ताकि विसर्जन में परेशानी न हो। नगर निगम पहल करे, तो क्लब के सदस्य हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

संगठित महिला ग्रुप के डांडिया उत्सव में थिरकीं महिलायें

छाया : अखिलेश

रांची। संगठित महिला ग्रुप की संस्थापिका आभा तिवारी के नेतृत्व में बुधवार को चुटिया स्थित आंगन पैलेस में डांडिया उत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इसमें 250 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया नृत्य, संगीत और उत्सवी माहौल का जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वास्तिक क्लब की अध्यक्ष नीता शर्मा, शिक्षिका एवं नर्तकी संध्या चौधरी, आशा लता, सपना, शिखा और वंदना मिश्रा द्वारा प्रस्तुत मां दुर्गा की स्तुति से हुई। देवी स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद महिलाओं ने पारंपरिक डांडिया की धुन पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। डांडिया के बहाने आ जा, डम डम डंके पे चोट पड़ी, आज राधा को श्याम याद आ गया एवं दिल जाने जीगर सहित अन्य गानों पर महिलाओं ने नृत्य किया। उत्सव के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आभा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच पर लाना, आपसी मेलजोल बढ़ाना और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को प्रोत्साहित करना था। डांडिया उत्सव ने महिलाओं को मनोरंजन के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी प्रदान किया।

पथ चौड़ीकरण क्षेत्र से अतिक्रमण हटाकर भूमि को कराया गया मुक्त

रांची। रांची नगर निगम की ओर से शहर में पथ चौड़ीकरण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए लगातार अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। अतिक्रमण मुक्तबनाने के लिए शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को मेन रोड ओवरब्रिज के समीप इटली शोरूम और राज मेडिकल हॉल द्वारा पथ चौड़ीकरण के लिए निर्धारित क्षेत्र में संरचना का निर्माण किया गया था। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए संबंधित पक्षों को पहले ही निर्देशदिया गया था। इसके अलावा, स्थल की मापी कराकर अतिक्रमित हिस्से को चिह्नित भी किया गया था। निर्धारित प्रक्रिया के बाद निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए उक्त क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया। रांची नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि, गिफ्ट डीड के तहत निर्धारित जमीन और पथ चौड़ीकरण क्षेत्र पर किसी भी तरह का अवैध अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। शहर में यातायात को सुगम बनाने और सार्वजनिक भूमि को सुरक्षित रखने के लिए अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्थायीकरण मामले में प्रार्थियों को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

रांची। रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (दुमका एवं साहिबगंज डिवीजन) में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर एवं एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के कार्यालय में ड्राइवर पद पर कार्यरत कर्मियों को शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने प्रार्थियों को अंतरिम राहत दी है। उच्च न्यायालय में रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (दुमका एवं साहिबगंज डिवीजन) में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर एवं एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के कार्यालय में ड्राइवर पद पर कार्यरत कर्मियों की ओर से स्थायीकरण की मांग को लेकर रिट याचिका दाखिल की गई थी। आज उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने प्रार्थियों को अंतरिम राहत दी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रार्थी जहां भी काम कर रहे हैं, उन्हें वहां काम करते रहने दिया जाए एवं मासिक मानदेय का भुगतान भी करते रहा जाए। अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है और इसकी अगली सुनवाई 16 दिसंबर निर्धारित की। इस मामले में चंद्रशेखर भंडारी, सुरेश कुर्मानी औरभूषण पासवान ने याचिका दाखिल की है।

108 एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन जारी, 21 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल

आरसीएच कार्यालय के समक्ष धरना–प्रदर्शन, तीन में से केवल एक मांग पर बनी सहमति

छाया : अखिलेश

रांची। झारखंड में 108 एंबुलेंस कर्मचारियों की लंबित मांगों और श्रमिक अधिकारों को लेकर आंदोलन जारी है। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई वार्ता में कर्मचारियों की सभी मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। इसके विरोध में झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ ने 21 अक्टूबर 2026 से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले संघ की ओर से आरसीएच कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना–प्रदर्शन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। संघ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी, प्रदेश महामंत्री सूरज साहू, कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश कुमार और विभिन्न जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए।

वेतन भुगतान के प्रमाण पर उठाए सवाल– वार्ता के दौरान सम्मान फाउंडेशन कंपनी ने जुलाई और अगस्त महीने के वेतन भुगतान से संबंधित प्रमाण प्रस्तुत किए। हालांकि, संघ ने इन प्रमाणों की सत्यता पर सवाल उठाते हुए उन्हें फर्जी बताया और मामले की जांच कराने की मांग की। संघ के अनुसार, जुलाई 2026 से कर्मचारियों का वेतन लंबित है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन– संघ की प्रमुख मांगों में 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन जिला स्तर पर सिविल सर्जन के माध्यम से कराने, बर्खास्त कर्मचारियों की पुनर्बहाली, लंबित वेतन का भुगतान तथा कर्मचारियों को सभी श्रमिक और वैधानिक अधिकार सुनिश्चित करना शामिल है। प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि बैठक में कर्मचारियों की तीन प्रमुख मांगों में से केवल एक पर सहमति बनी है। अन्य मांगों का समाधान नहीं होने के कारण आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 21 अक्टूबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल के फैसले पर संघ कायम है। मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

नामकुम स्टेशन पूजा पंडाल में धार्मिक आस्था के साथ पारिवारिक संस्कार और सामाजिक संदेश की अनूठी पहल

हवा महल के पंडाल में मां–बाप का सम्मान, लालू परिवार और छात्र नेता देवेंद्र महतो की प्रतिमाएं बनीं आकर्षण

छाया : अखिलेश

रांची। दुर्गा पूजा के अवसर पर नामकुम रेलवे स्टेशन के समीप जय माता दी क्लब का पूजा पंडाल इस बार खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राजस्थान के प्रसिद्ध हवा महल की तर्ज पर तैयार किए गए भव्य पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन के साथ श्रद्धालुओं को सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक संदेश भी देखने को मिलेंगे। पंडाल में मां दुर्गा के दोनों ओर क्लब के अध्यक्ष विनोद सिंह ने अपने माता–पिता रामा देवी और कैलाश सिंह की प्रतिमाएं स्थापित कर माता–पिता के सम्मान और संस्कारों का संदेश देने का प्रयास किया है। इसके अलावा परिसर में बनाई गई आठ प्रतिमाएं लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

बच्चे के जन्म से लेकर उसके बड़ा होकर योग्य बनने तक के सफर को दर्शाया गया– मां की ममता से डॉक्टर–इंजीनियर बनने तक का सफर पंडाल परिसर में बनाई गई प्रतिमाओं के माध्यम से एक बच्चे के जन्म से लेकर उसके बड़ा होकर योग्य बनने तक के सफर को दर्शाया गया है। एक प्रतिमा में मां को अपने छोटे बच्चे को दुलारते और उसका पालन–पोषण करते दिखाया गया है। इसके साथ हर माता को ये तस्वीर रखना चाहिए का संदेश दिया गया है। दूसरी प्रतिमा में मां का अपने किशोर बेटे के प्रति प्यार और दुलार दिखाया गया है। आगे की प्रतिमाओं में बच्चे के पढ़–लिखकर डॉक्टर और इंजी. नियर बनने की कल्पना को दर्शाया गया है। इन प्रतिमाओं के जरिए मां के त्याग, प्रेम और बच्चों के भविष्य निर्माण में माता–पिता की भूमिका को रेखांकित किया गया है।

धार्मिक आस्था के साथ पारिवारिक रिश्तों, राजनीतिक चर्चाओं और युवा नेतृत्व को भी जगह दी गयी– लालू परिवार से लेकर युवा आइकॉन तक की झलक जय माता दी क्लब के पंडाल में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार से जुड़ी प्रतिमाएं भी चर्चा का विषय हैं। इनमें उनके दोनों पुत्र तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को दर्शाते हुए भाईचारे और एकजुटता का संदेश दिया गया है। प्रतिमा के साथ लिखा गया है, श्तेज–तेजस्वी भाई साथ रहा तो राम युद्ध जीत गया, रावण हार गया। वहीं, लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की प्रतिमाओं के साथ लिखा गया है, श्लालू यादव, राबड़ी देवी नौ दिन आराधना कर दसवें दिन विरोधियों से लड़ेंगे। इसके अलावा छात्र नेता देवेंद्र महतो की प्रतिमा भी बनाई गई है। इसके साथ युवा के लड़ाई लड़ने, युवा आइकॉन का संदेश दिया गया है। इस तरह पंडाल में धार्मिक आस्था के साथ पारिवारिक रिश्तों, राजनीतिक चर्चाओं और युवा नेतृत्व को भी जगह दी गई है।

बिना चंदा भव्य पूजा, गरीब बेटी की शादी में मदद– क्लब के अध्यक्ष विना. द सिंह ने बताया कि वे बिना चंदा लिए भव्य रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि दानपेटी में श्रद्धालुआ. की ओर से जमा होनेवाली राशि किसी गरीब एवं जरूरतमंद परिवार को दी जाएगी ताकि उस परिवार की बेटी की शादी में राशि खर्च की जा सके।

मां भवानी के दरबार में बच्चों ने की उज्ज्वल भविष्य की कामना, भक्ति गीतों पर खेला डांडिया

छाया : अखिलेश

रांची। नवरात्र के पावन अवसर पर पारसनाथ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी एवं शिक्षक नामकुम के हजाम गांव स्थित पूजा पंडाल पहुंचे। यहां सभी ने मां भवानी के दर्शन कर हाथ जोड़कर अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद उपस्थित बच्चों एवं शिक्षकों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक राजू उरांव ने पंडाल के ब्राह्मण को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। पूजा–अर्चना के बाद बच्चों ने अलग–अलग समूह बनाकर मां दुर्गा के भक्ति गीतों पर डांडिया खेला। बच्चे पूरी तन्मयता के साथ मां भवानी की भक्ति में लीन होकर डांडिया नृत्य करते नजर आए। उनके उत्साह और भक्ति से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस आयोजन ने बच्चों में धार्मिक आस्था, सांस्कृ तिक परंपराओं और आपसी एकता की भावना को बढ़ावा दिया। सभी ने मां भवानी से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और सुख–समृद्धि की कामना की।

जमीन और फ्लैट के नाम पर करोड़ों की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

रांची। जमीन और फ्लैट दिलाने के नाम पर 9 करोड़ 94 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला शुक्रवार को सामने आया है। रांची के बीआईटी ओपी में ठगी को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में विक्रम सिंह ने विशाल रंजीत राय और श्रद्धा विशाल राय पर करोड़ों रुपये लेने के बाद जमीन और चार बेडरूम वाले फ्लैट (4बीएचके) की रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप लगाया है। दोनों आरोपित गुजरात के गांधीनगर के रहने वाले हैं। शिकायतकर्ता विक्रम सिंह के मुताबिक, उनके गुजरात मे जमीन औरफ्लैट देने के नाम पर करोड़ों की ठगी की गई है। जमीन और फ्लैट के लिए पांच करोड़ रुपये अलग–अलग कंपनियों के बैंक खातों में जमा किए गए, जबकि 4 करोड़ 94 लाख रुपये नकद दिए गए। रकम वापस मांगने पर कथित तौर पर गाली–गलौच और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता की मुलाकात वर्ष 2022 में सोनल नाम के व्यक्ति से हुई थी। इसके बाद सोनल के पहल पर ही वर्ष 2023 में उसकी मुलाकात विशाल रंजीत राय और उनकी पत्नी श्रद्धा विशाल राय से हुई। शिकायत में दोनों को रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ा बताया गया है। आरोप है कि जमीन और फ्लैट में निवेश के सिलसिले में बातचीत हुई और प्रॉपर्टी दिलाने का भरोसा दिया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गुजरात मे जमीन और फ्लैट के सौदे के लिए आरोपियों के कहने पर अलग–अलग कंपनियों के बैंक खातों में रकम जमा की गई। प्राथमिकी में वीएनएस एक्वा इंडिया प्रा. लिमिटेड के खाते में करीब 60 लाख रुपये, विविश्रा इंडिया एक्ज़िम प्रा. लिमिटेड के खाते में 56 लाख रुपये और श्री जी एसोसिएट के खाते में 80 लाख रुपये जमा हो गये। इसके अलावा अन्य बैंक खातों में 3 करोड़ 4 लाख रुपये दिए जाने का दावा कियागया है। शिकायत के मुताबिक, इन बैंक खातों में किए गए भुगतान की कुल राशि पांच करोड़ रुपये थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि उसने और उसके सहयोगी ने जमीन और फ्लैट मिलने की उम्मीद में यह रकम दी थी।शिकायतकर्ता का आरोप है कि बड़ी रकम देने के बावजूद जमीन और फ्लैट की रजिस्ट्री उसके पक्ष में नहीं कराई गई। प्रॉपर्टी का कब्जा दिलाने की मांग करने पर भी उसे कथित तौर पर टालमटोल का सामना करना पड़ा। इसके बाद उसने अपनी रकम वापस देने की मांग शुरूकी। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि पैसे वापस मांगने पर आरोपितों ने कथित तौर पर गाली–गलौज की और धमकी दी। शिकायतकर्ता ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा संख्या : ईएल/28/खुली/2026–27
कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल (PHE, GHD, BRWD, CPU & SGRL) में रेलवे क्वार्टरों के लिए स्मार्ट मीटर की व्यवस्था। कार्य समापन अवधि 12 माह)कार्य के लिए प्राक्कलित राशि ₹3,78,57,816.29/–, बिड सिक्युरिटी: ₹7,57,200/–, बिड मूल्यांकन प्रणाली : एक पैकेट प्रणाली, ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा का बंद होने की तिथि : दिनांक 10.11.2026 को 11.00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि : दिनांक : 10.11.2026 को 11.30 बजे के बाद। वेबसाईट का विवरण : वेबसाइट ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सा॰)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/1146/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/26–27/28

मनरेगा में 3.11 लाख रुपये की गड़बड़ी करने वाली ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर को हाईकोर्ट से राहत नहीं

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने मनरेगा योजना के तहत ट्यूबवेल निर्माण के लिए स्वीकृत 3.11 लाख रुपये से अधिक की राशि के कथित गबन मामले में आरोपित तत्कालीन ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर सुष्मिता प्रिया उर्फ सुष्मिता गुप्ता को राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने निचली अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें आरोपित की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर निचली अदालत के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। मामला मांडर थाना कांड संख्या 109/2018 से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार, उप विकास आयुक्त कार्यालय के तीन जनवरी 2018 के पत्र के आलोक में कराई गई जांच में पता चला कि मनरेगा योजना के तहत जलेश्वर लोहरा के लिए ट्यूबवेल निर्माण के नाम पर 3,11,244 रुपये स्वीकृत किए गए थे। आरोप है कि बिना निर्धारित कार्य किए संबंधितलोगों ने राशि का गबन कर लिया। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 406 और 409 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद निचली अदालत ने आरोपित के खिलाफ धारा 406, 420 और 409 के तहत संज्ञान लिया। आरोपित की ओर से उच्च न्यायालय में अधिवक्ता ने दलील दी कि सुष्मिता प्रिया मार्च 2010 से सितंबर 2012 तक संविदा पर ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर के पद पर कार्यरत थीं। वित्तीय वर्ष 2010-11 में लाभुक को उसके नाम पर मनरेगा के तहत ट्यूबवेल स्वीकृत किया गया था और उसे मेठ भी नियुक्त किया गया था। बचाव पक्ष के अनुसार, 19 अक्टूबर 2016 को संयुक्त स्थल निरीक्षण के दौरान पता चला कि ट्यूबवेल निर्धारित जमीन के बजाय किसी अन्य व्यक्ति की जमीन पर बनाया गया था। इसके बाद जिम्मेदार व्यक्तियों से राशि की वसूली के लिए कार्यालय आदेश जारी किया गया। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि निर्माण कार्य की निगरानी, स्थल निरीक्षण और समय पर भुगतान सुनिश्र्चित करने की जिम्मेदारी मेठ की थी। वहीं, जमीन का सत्यापन करना जूनियर इंजीनियर और हल्का कर्मचारी का दायित्व था। ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर के रूप में याचिकाकर्ता की निर्माणकार्य में प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। इसलिए उन्हें आपराधिक मुकदमे से मुक्त किया जाना चाहिए। राज्य की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर होने के नाते याचिकाकर्ता परियोजना की पर्यवेक्षण अधिकारी थीं और राशि के गबन के मामले में उनकी जिम्मेदारी भी बनती है। पुलिस जांच में उनके खिलाफ पर्याप्त सामग्री मिली थी, जिसके आधार पर आरोप पत्र दाखिल किया गया। उच्च न्यायालय ने केस डायरी और संयुक्तनिरीक्षण रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद पाया कि 30 दिसंबर 2016 की निरीक्षण रिपोर्ट में याचिकाकर्ता को भी अनियमितता के लिए जिम्मेदार बताया गया है। अदालत ने कहा कि ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर के प्रमुख दायित्वों में चल रही परियोजनाओं का नियमित निरीक्षण और पर्यवेक्षण करना शामिल है। अदालत के अनुसार, याचिकाकर्ता नियमित निगरानी करने में विफल रहीं। उनकी इस निष्क्रियता के कारण 3,11,244 रुपये की राशि के गबन की स्थिति उत्पन्न हुई। मामले में कई गवाहों ने भी याचिकाकर्ता की भूमिका का समर्थन किया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत ने डिस्चार्ज याचिका खारिज करते समय रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री पर विचार किया था। इसमें हस्तक्षेपकरने का कोई आधार नहीं मिला। इसके साथ ही अदालत ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

नि:शुल्क एक्युप्रेशर चिकित्सा केंद्र का शुभारंभ

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन गम्हरिया शाखा की ओर से डॉ लालचंद बगड़िया एक्युप्रेशर संस्थान, रांची के तत्वावधान में गम्हरिया में शुक्रवार को नि:शुल्क एक्युप्रेशर चिकित्सा केंद्र शुरू किया है। सम्मेलन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बतायागया कि केंद्र का उद्घाटन प्रजापति ब्रह्माकुमारी की बहन निर्मलाजी, महिला समिति गम्हरिया की अध्यक्ष रीना धानुका और सचिव मधु जालान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बताया गया कि इससे पहले गम्हरिया शाखा की ओर से 16 से 22 अगस्त 2026 तक एक्युप्रेशर एवं चुंबकीय चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र की शुरुआत की गई है। केंद्र का संचालन फिलहाल सप्ताह में तीन दिन गुरुवार, शनिवार और रविवार को प्रजापति ब्रह्माकुमारी केंद्र में होगा। इसके लिए सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम चार बजे से छह बजे तक का समय निर्धारित किया गया है।संस्थान के अध्यक्ष रामा शंकर बगड़िया ने महिला समिति की अध्यक्ष, सचिव और सभी सदस्याओं के प्रयासों की सराहना की।

टेंडर हार्ट स्कूल में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

नन्हें वैज्ञानिकों ने दिखायी अपनी प्रतिभा

रांची। टेंडर हार्ट स्कूल में डा.एपीजे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनी में 50 से अधिक आधुनिक एवं नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए गए। इन मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विज्ञान के जरिए वर्तमान समस्याओं के समाधान तलाशने और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में अपनी दूरदर्शी सोच प्रदर्शित की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डा.भूपेश कुमार, प्राचार्य, आईएचएम रांची पुनीत चंद्रा, ग्रुप डायरेक्टर, फिजिक्स वाला तथा सुधीर तिवारी, चेयरमैन, टेंडर हार्ट स्कूल उपस्थित रहे। प्रदर्शनी का मूल्यांकन डा. अनूप कुमार सूद, डा. सुजीत बिशि, डा. मोनू कुमार एवं प्रो. ऋचा सिन्हा ने किया। सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्राचार्या उषा किरण झा ने किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक समझ, तकनीकी कौशल और समस्या-समाधान की क्षमता का परिचय देते हुए विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। इनम दैनिक जीवन की चुनौतियों, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, संसाधनों के बेहतर उपयोग त था आधुनिक तकनीक क व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर विशेष ध्यान दिया गया। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली और उनकी उपयोगिता को भी विस्तार से समझाया। विशिष्ट अतिथि डा. भूपेश कुमार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल सिद्धांतों को समझना नहीं, बल्कि उनका उपयोग करके जीवन की समस्याओं का समाधान खोजना है। विद्यालय के चेयरमैन सुधीर तिवारी ने बताया कि विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा, जब हमारे विद्यार्थी ज्ञान के साथ नवाचार, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करेंगे। विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों को अपने विचार प्रस्तुत करने के साथ बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा भी देती है। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक जे. मो. हंती, उप प्राचाया शिवांगी शुक्ला सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं सैकड़ों अभिभावक उपस्थित रहे।

मुड़मा जतरा मेले को देखते हुए 28 अक्टूबर की परीक्षा में बदलाव की मांग

रांची। मांडर में झारखंड का ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेला 28 अक्टूबर को है, और रांची विवि ने 26 अक्टूबर से 6 नवंबर तक स्नातक सेमेस्टर-चार की परीक्षा कराने की घोषणा को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जेसीएम ने विवि प्रशासन से मांग की है कि 28 अक्टूबर को होनेवाले परीक्षा मांडर कॉलेज में प्रभावित हो रहा है। इस दिन परीक्षा होने से मांडर कॉलेज के परीक्षार्थी परीक्षा देने में असमर्थ हो जाएंगे। कहा कि इस ऐतिहासिक मेला में आस-पास के हजारों गांवों के लोग आते हैं, इससे यातायात व्यवस्था काफी व्यस्त रहता है। मोर्चा ने विवि प्रशासन से मांग की है कि इसे देखते हुए 28 अक्टूबर के परीक्षा तिथि को बदल कर दूसरे किसी तिथि में कराया जाए। आरयू के कुलसचिव ने मोर्चा को आश्वस्त किया है कि छात्रों की परेशानियों को देखते हुए मेला के दिन होनेवाली परीक्षा में अवश्य बदलाव होगा। कुलसचिव से मिलने वालों में मोर्चा के अमन तिवारी, अध्यक्ष,असद फेराज टिंकू, सचिव, निवर्तमान रांची विवि शामिल थे।

इंस्पायर विजेता टीम झारखंड का भव्य स्वागत

रांची। इंस्पायर अवॉर्ड मानक में इतिहास रचने वाली टीम झारखंड के रांची लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक सह राज्य नोडल पदाधिकारी नीलम आईलीन टोप्पो ने रांची रेलवे स्टेशन पर प्रतिभागियों को फूल देकर सम्मानित किया। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा के बाद टीम झारखंड के सभी विजेता प्रतिभागियों को रांची में सम्मानित किया जायेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के तत्वावधान में नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन की देखरेख में नयी दिल्ली के भारत मण्डपम में आयोजित 12वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता परीक्षा में रामगढ़ के पूरव जैन ने ओवरऑल रजत पदक जीत कर तहलका मचा दिया है। चतरा के दीपक कुमार भी टॉप 60 वैज्ञानिकों में शामिल है। स्टेशन पर टीम के साथ रांची लौटे सहायक राज्य नोडल पदाधिकारी डा.शाहनवाज कुरैशी, मनु कुमारी, दिनकर स्वराज, अमन अभिषेक आदि उपस्थित थे।

विद्या विकास पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास मनाया गया नवरात्रि महोत्सव

रांची। वीवीपीएस में नवरात्रि का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत मां दुर्गा के महिषासुर मर्दिनी स्वरूप एवं महिषासुर वध की मनमोहक नाट्य प्रस्तुति रही। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया और मां दुर्गा की शक्ति एवं साहस को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों, मनमोहक नृत्य और प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर आकर्षक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक मूल्यों से जुड़ने का सुंदर अवसर प्रदान किया।

मरीज इलाज के लिए त्रस्त, राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था पस्त : भाजपा

108 एंबुलेंस कर्मियों के बकाया व डॉक्टरों की मांगों पर गंभीरता दिखाये सरकार : रमाकांत

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने झारखंड की बहहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार व स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मंत्री रील बनाने में मस्त हैं, मरीज इलाज के लिए त्रस्त है और राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पस्त है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गयी है। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। वहीं मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने की जिम्मदारी सरकार की है। जब एंबुलेंस कर्मचारी बकाया मानदेय के लिए प्रदर्शन कर रहे हों और डॉक्टर अपनी सुरक्षा एवं सेवा संबंधी मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दे रहे हों, तो स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्वास्थ्य मंत्री को बताना चाहिए कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अब तक क्यो ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। आम जनता को समय पर इलाज, अस्पतालों में जरूरी दवाएं , जांच की सुविधा व आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। लेकिन झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की समस्याएं सामने आना चिंता का विषय है। सरकार को केवल घोषणाओं व आश्वासनों तक सीमित रहने के बजाए जमीनी स्तर पर व्यवस्था सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा कि 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों का मामला राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। कहा कि करीब दो हजार ड्राइवर व इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन बकाया मानदेय व अन्य सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें जुलाई से मानदेय नहीं मिला है। राज्य में करीब पांच सौ एंबुलेंस के संचालन से जुड़ा यह विवाद आपातकालीन सेवाओं पर असर डाल सकता है। कर्मचारियों ने 21 अक्तूबर से अनिश्चिकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। यदि कर्मचारी महीनों से मानदेय नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं, तो स्वास्थ्य विभाग ने उनकी समस्याओं के समाधान के क्या किया? एंबुलेंस सेवा आपातकालीन एवं उनकी महत्वपूर्ण सेवा है, यह बाधित हुई तो काफी गंभीर स्थिति उत्पन्न होगी।

कृषि निदेशक ने कृषक पाठशाला को लेकर छह जिले के डीएओ से वीडियो कॉफ्रेसिंग कर कई निर्देश दिये

रांची। राज्य के कृषि निदेशक सह झारखंड राज्य कृषि विकास मिशन के प्रबंध निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026–27 में कृषक पाठशाला के द्वारा प्रजनक बीज से आधार बीज के उत्पादन को लेकर कृषक पाठशाला को आवंटित किए जाने वाले प्रजनक बीजों की मात्रा एवं रकवा के संबंध में जानकारी उपलब्ध करने के लिए गुमला, रांची, पूर्वी सिंहभूम, पलामू, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग के जिला कृषि पदाधिकारी एवं कृषक पाठशाला द्वारा झारखंड राज्य कृषि विकास निगम के पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रजनक बीज से आधार बीच के उत्पादन के सभी पहलुओं पर गहन निरीक्षण नियमित तौर पर करना सुनिश्चत करें ताकि उत्तम प्रभेद के आधार पर बीज का उत्पादन हो सके। क्योंकि जिला स्तर पर बीज परीक्षण पदाधिकारी के पद का प्रभार जिला कृषि पदाधिकारी के पास ही है। उन्होंने कृषक पाठशाला के प्रयोजन प्रबंधक एवं सचिव को यह भी निर्देश दिया कि जिला में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकगण एवं आत्मा कर्मियों के सहयोग से आवश्यक तकनीकी जानकारी प्राप्त करने हुए बीज का उत्पादन कार्य किया जाए। जिला कृषि पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया कि बीज उत्पादन कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण आवश्यकता नुसार कृषक पाठशाला को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कृषक पाठशाला के परियोजना प्रबंधक एवं सचिव को निर्देश दिया कि प्रजनक बीज के आधार पर बीज उत्पादन का कार्य पूरी तत्परता से करेंगे एवं कृत कार्रवाई से अपने जिला के कृषि पदाधिकारी को सममय सूचित करेंगे।

आउटसोर्स व एनएचएम कर्मियों के बकाया मानदेय का भुगतान पूजा से पहले सुनिश्चित करने का निर्देश

सभी छाया : राजकुमार

रांची। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा ने राज्य के सभी जिलों में आउट सोर्स कर्मियों एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मियों के बकाया मानदेय का भुगतान दुर्गा पूजा व अन्य त्योहारों से पहले सुनिश्चित करने का निर्देश दियाा है। इस संबंध में वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गयी, जिसमें विभिन्न जिलों में मानदेय भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गयी। वीसी में एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला व डीआईसी डॉ सिद्दार्थ सान्याल सहित सभी जिलों के सिविल सर्जन वीसी में शामिल हुए। विशेष सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 16 अक्तूबर तक सितंबर माह तक के सभी बकाया मानदेय का तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि त्योहार से पहले सभी कर्मियों के बैंक खातों में राशि पहुंच सके और वे बेहत तरीके से त्योहार मना सके। उन्होंने सहियाओं के मानदेय भुगतान की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी जिलों को स्पष्ट रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया कि सभी सहियाओं को 12 हजार रूपए का मानदेय प्राप्त हुआ है या नहीं। इसके साथ ही उन्होंने भुगतान से संबंधित विवरण व भुगतान पत्रक भी भेजने को कहा, ताकि सहियाओं को मानदेय भुगतान की वास्तविक स्थिति की समीक्षा की जा सके। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया कि मानदेय भुगतान के मामले में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करें व त्योहार से पहले सभी संबंधित कर्मियों के खातों में राशि पहुंचाना सुनिश्चित करें।

दपू रेलवे ने 10,000 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय का आंकड़ा पार किया

कोलकाता/रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2026–27 में 13 अक्टूबर 2026 को माल ढुलाई से 10,000 करोड़ रुपये की आय का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 10 दिन पहले प्राप्त की गई है। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 25 अक्टूबर 2025 को पार किया गया था। यह उपलब्धि दक्षिण पूर्व रेलवे के माल ढुलाई परिचालन और राजस्व में निरंतर वृद्धि को दर्शाती है। माल ढुलाई से होने वाली आय में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.89 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि परिचालन दक्षता बढ़ाने और माल ढुलाई के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए रेलवे के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। 14 अक्टूबर 2026 तक दक्षिण पूर्व रेलवे ने कुल 114.17 मिलियन टन माल की लोडिंग दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 108.03 मिलियन टन था। इस प्रकार माल लोडिंग में 5.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दक्षिण पूर्व रेलवे की यह उपलब्धि माल ढुलाई के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन, परिचालन क्षमता में सुधार और राजस्व वृद्धि की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है।

विकास नगर, रोड नंबर–2, सिंह मोड़ दुर्गापूजा पंडाल में डाक विभाग प्रदान करेगा कई जनोपयोगी सेवाएं

रांची। झारखंड परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल संजीव रंजन के मार्गदर्शन में दुर्गापूजा के अवसर पर आम नागरिकों को डाक विभाग की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर 16 से 20 अक्टूबर 2026 तक आपनजन दुर्गापूजा समिति, विकास नगर, रोड नंबर–2, सिंह मोड़ में विशेष सेवा व्यवस्था की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत नागरिकों को आधार नामांकन, पासपोर्ट संबंधी सेवाआ., डाकघर की बचत योजनाओं, सुकन्या समृद्धि खाते, डाक जीवन बीमा, फिलाटेली, गंगाजल तथा अन्य डाक सेवाओं की जानकारी एवं उपलब्ध सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी। इसका उद्देश्य डाक विभाग की सेवाओं को आम जनता तक पहुँचाना तथा नागरिकों को इन सेवाओं एवं बचत योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। डाक विभाग, आम नागरिकों से अपील करता है कि वे इस विशेष पहल का लाभ उठाएँ और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी प्राप्त करें।

दपू रेलवे ने शालीमार रेलवे स्टेशन पर किया 'स्वच्छ मन, स्वच्छ शरीर, स्वच्छ घर कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता/रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे ने अपने कर्मचारियों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य एवं कल्याण सेवाआ. को सुलभ बनाने के उद्देश्य से शालीमार रेलवे स्टेशन पर एक अनूठी पहल के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 15 अक्टूबर 2026 को किया गया। यह पहल स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छ मन, स्वच्छ शरीर, स्वच्छ घर' की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से संविदा कर्मचारियों और स्टेशन कुलियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिन्हें अक्सर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और निवारक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के सीमित अवसर मिलते हैं। कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जांच, स्वस्थ जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वच्छता, तनाव से राहत पाने की तकनीकों तथा स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल 89 कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें 65 रेलवे कर्मचारी और 24 गैर–रेलवे कर्मचारी शामिल थे। जांच में 11 लोगों में मधुमेह, 3 लोगों में उच्च रक्तचाप तथा 2 लोगों में हीमोग्लोबिन का स्तर 10 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम पाया गया। कार्यक्रम में आयोजित संवादात्मक सत्रों के माध्यम से योग, विश्राम तकनीक, संतुलित एवं स्वस्थ खानपान, जीवनशैली में सुधार, आहार संबंधी भ्रांतियों, तनाव प्रबंधन तथा बाल शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। एसजेएबी, संतरागाछी इकाई द्वारा कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रदर्शन और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 58 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आम लोगों की सुविधा के लिए स्थानीय भाषा में प्राथमिक उपचार पर एक पुस्तक का भी प्रकाशन किया गया।

लोहरदगा जिला राजद के संगठन प्रभारी बनाये गये मनोज पांडेय

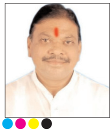

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद के विधायक संजय सिंह यादव द्वारा प्रदेश में राष्ट्रीय जनता दल के संगठन को और मजबूत करने के लिए जिला के संगठन प्रभारीयों की नियुक्ति कर दिए है। राजद के प्रदेश महासचिव सह लोहरदगा जिला के संगठन प्रभारी मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव द्वारा नियुक्त की गई जिला प्रभारी को आदेश दिया गया है कि अपने–अपने जिला में संगठन को और बेहतर बनाने के लिए जिला अध्यक्ष, सभी प्रकोष्ठों के वरिष्ठ साथियों एवं स्थानीय प्रदेश पदाधिकारी एवं सम्मानित राजद के सक्रिय साथियों के साथ बैठक कर एक रणनीति के तहत संगठन को मजबूत बनाने के लिए बैठक आयोजित करें।

मुख्यमंत्री के पैतृक गांव नेमरा में उमड़ रहा मुलाकात करने वालों का हुजूम

सीएम ने एक-एक कर सुनीं लोगों की समस्याएं, त्वरित निदान के दिये निर्देश

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मातृशोक के इस गहरे और भावुक क्षण में भी पूरी संवेदनशीलता के साथ जनहित से जुड़े अपने कर्तव्यों का निर्वहन निरंतर कर रहे हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री के पैतृक गांव नेमरा में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी फरियाद और समस्याएं लेकर पहुंचे। गहरा व्यक्तिगत दुःख होने के बावजूद मुख्यमंत्री ने एक जनसेवक की अपनी जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखा और लोगों के बीच पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वयं एक–एक कर वहां उपस्थित सभी लोगों से मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना और बेहद आत्मीयता से उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने दुःख की इस घड़ी में भी यह अहसास कराया कि वे हर परिस्थिति में राज्य की जनता के साथ खड़े हैं। जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुनने के बाद मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी मामलों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निदान सुनिश्चित किया जाए। किसी भी फरियादी को निराश न लौटना पड़े, यह सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री के लिए राज्य की जनता ही उनका सबसे बड़ा परिवार है।

मुख्यमंत्री से सांसद, विधायक ने मुलाकात की जशपुर राजपरिवार के सदस्यों ने भी मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की

मुख्यमंत्री श्री सोरेन से उनके पैतृक गांव नेमरा में संसद विजय हांसदा, सांसद राज्य सभा नलिन सोरेन, विधायक सरयू राय, विधायक अनंत प्रताप देव एवं विधायक अमित महतो ने मुलाकात की। इस दौरान सभी ने मुख्यमंत्री की माता दिवंगत रूपी सोरेन की चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा मुख्यमंत्री एवं उनके परिजनों प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ स्थित जशपुर राजपरिवार के सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान महाराजा सह पूर्व सांसद रणविजय सिंह जूदेव, महारानी अमृता सिंह जूदेव, युवराज यश प्रताप जूदेव और राजकुमार आर्य प्रताप जूदेव ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की। जशपुर राजपरिवार ने मुख्यमंत्री की माता दिवंगत रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। महाराजा परिवार ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सीएम से मिला चेंबर का शिष्टमंडल, शोक संवेदनाएं व्यक्त की

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को नेमरा पहुंचकर मुख्यमंत्रीहेमंत सोरेन की पूज्य माताजी स्व. श्रीमती रूपी सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। चेंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की तथा इस दुःख की घड़ी में उनके एवं उनके शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट की। प्रतिनिधिमंडल में चेंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल, उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव अमित शर्मा, सह सचिव पूजा ढाढा और कोषाध्यक्ष नवजोत अलंग शामिल थे।

मौसम ने अचानक करवट ली, झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

पंडाल घूमने निकले श्रद्धालुओं भींगे, लेकिन उत्साह चरम पर

सभी छाया : राजकुमार

रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ली और शहर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश ने शहर की उमस को खत्म कर मौसम को काफी सुहाना बना दिया है। हालांकि, दुर्गा पूजा के इस उत्सवी माहौल में अचानक हुई इस बारिश ने शाम के समय सपरिवार पंडाल घूमने निकलने वाले श्रद्धालुओं की चिंता थोड़ी बढ़ा दी है, लेकिन उनका उत्साह बरकरार है। मौसम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान गुमला जिले के घाघरा में 20.1 एमएम बारिश दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा के जगन्नाथपुर में 34.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि लातेहार में न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान रांची में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री, जमशेदपुर में 32.1 डिग्री और बोकारो में 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने लोगों को राहत वाली खबर दी है। उनके मुताबिक, रांची में मौसम बदलने की मुख्य वजह स्थानीय स्तर पर विकसित हुआ लोकल थंडरस्टॉर्म है। इसका असर कांके से लेकर शहर के कुछ इलाकों तक देखने को मिला है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने के कारण स्थानीय स्तर पर वाष्पीकरण बढ़ा है। इससे बादलों का निर्माण हुआ और कुछ इलाकों में बारिश की स्थिति बनी। इस तरह के मौसमी बदलाव स्थानीय स्तर पर होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस बदलाव को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है और बारिश का यह सिलसिला कुछ देर में थम जाएगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक, स्थानीय स्तर पर हुए इस बदलाव से आने वाले दिनों में दुर्गा पूजा के उत्साह पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। शनिवार को भी आसमान में बादलों की आवाजाही देखने को मिल सकती है। मौसम वैज्ञानिक ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह भी दी है। उनके मुताबिक स्थानीय स्तर पर गरज–चमक वाले बादल बनने की स्थिति में वज्रपात की आशंका बनी रहती है। ऐसे में लोगों को पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों और खेतों में जाने से बचना चाहिए। बारिश या गरज–चमक के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहना जरूरी है।

नशे में भटके युवाओं को सही रास्ते पर लाना समाज की नैतिक जिम्मेदारी : मिनोचा

रांची। महानगर दुर्गा पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संजय मिनोचा ने शुक्रवार को कहा कि नशे के कारण समाज से भटके युवाओं को सही रास्ते पर लान बेहद जरूरी है। मिनोचा सर्वधर्म सद्भावना समिति के तत्वावधान में कांटाटोली स्थित वाईएमसीए सभागार में कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को सही रास्ते पर लाना समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही नशामुक्त समाज की कल्पना की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समिति के अध्यक्ष मोहम्मद इसलाम ने की। उन्होंने दुर्गापूजा के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और नशामुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। इस अवसर पर सह संयोजक विनोद कुमार यादव, समाजसेवी सागर कुमार, मोहम्मद इश्तेयाक, परवेज आलम, नौशाद आलम, आजाद अली एडवोकेट, नुसरत परवीन सहित समिति के अन्य पदाधिकारी लोग मौजूद थे।

मतदाता सूची को सर्च योग्य प्रारूप में उपलब्ध कराने का फैसला स्वागतयोग्य : अख्तर अली

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अख्तर अली ने मतदाता सूची की सर्च योग्य पीडीएफ उपलब्ध कराने के फैसले को जनता और विपक्ष की आवाज की जीत बताते हुए चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से माफी मांगने और हलफनामा देने की शर्त रखने के बाद तीसरा कोई रास्ता नहीं है कहने वालों को अब समझना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता की आवाज से बड़ा कोई अहंकार नहीं होता। अख्तर अली ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग का अहंकार अब जनता के सवालों के सामने टूटता नजर आ रहा है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर लगातार उठ रहे सवालों का जवाब दबाव बनाने से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और तथ्यों से देना होगा। मतदाता सूची को सर्च योग्य प्रारूप में उपलब्ध कराने का फैसला स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि जब पारदर्शिता संभव थी, तो इसे पहले क्यों नहीं अपनाया गया? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के मुद्दे को देश के सामने उठाकर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई को नई दिशा दी है। कांग्रेस पार्टी अब तक हुए चुनावों में मतदाता सूचियों से जुड़ी कथित अनियमितताओं, संदिग्ध नामों, डुप्लीकेट प्रविष्टियों और अन्य विसंगतियों की पड़ताल कर उपलब्ध तथ्यों को जनता के सामने लाएगी। इसका उद्देश्य किसी पर बेबुनियाद आरोप लगाना नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

जयंती का आनंद दूसरों की सेवा व देने में संपूर्ण होता है : महाधर्माध्यक्ष विसेंट आईंद

रांची। सुभाष चन्द्र बोस कम्पाउंड स्थित कार्मेल भवन में सिव तेरेस मरिया के 50 वर्षों के समर्पण जीवन का स्वर्ण जयंती मनाया गया। किसी के जीवन में स्वर्ण जयंती का अवसर केवल पचास वर्षों की यात्रा का उत्सव नहीं होता, बल्कि यह सेवा, समर्पण, विश्वास और उपलब्धियों के गौरवमयी इतिहास को स्मरण करने का भी अवसर होता है। इसी भावना के साथ कार्मेल धर्मसंघ की सिव तेरेस मरिया का स्वर्ण जयंती समारोह हर्षोल्लास, आध्यात्मिक उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर रांची काथलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद उपस्थित रहे जिन्होंने धन्यवादी मिस्सा बलिदान अर्पित किया। समारोह का मुख्य आकर्षण महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद द्वारा अर्पित पवित्र मिस्सा बलिदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और सिव तेरेस मरिया के पचास वर्षों की यात्रा के लिए धन्यवाद प्रकट किया। अपने धर्मोपदेश में महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने जयंती के वास्तविक अर्थ और महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि जयंती की परंपरा स्वयं ईश्वर द्वारा स्थापित की गई है। बाइबिल में जयंती का विशेष महत्व है, क्योंकि यह केवल उत्सव मनाने का समय नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में आशा, स्वतंत्रता और नई शुरुआत लाने का अवसर है। मिस्सा बलिदान के अंत में महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने सिव तेरेस मरिया को दूसरों के जीवन को प्रकाशित करते रहने के प्रतीक जलती मोमबत्ती प्रदान किया। पवित्र मिस्सा के पश्चात सिव तेरेस मरिया के सम्मान में एक छोटा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी कला, प्रतिभा और रचनात्मकता का परिचय दिया। सिव तेरेस मरिया के साथ केक भी काटा एवं शॉल ओढ़ा कर सिस्टर को सम्मानित किया। इस अवसर पर संत जेवियर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल फाव निकोलस टेटे, फाव जस्टिन एस जे, फाव बेंजामिन तीडू टी ओ आर, फाव ऑनेस्ट जॉर्ज, फाव असीम मिंज, सिव सुशीला, सिव तेरेस मरिया के रिश्तेदार, अन्य धर्मबहनें एवं छात्रावास के छात्राएं उपस्थित रहे।

लंबित पेंशन मामलों पर नगर आयुक्त सख्त, 10 दिनों के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश

पेंशन के लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए 22 व 23 नवंबर को सभी अंचल कार्यालयों में लगेगा विशेष शिविर

रांची। रांची नगर निगम द्वारा पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन से संबंधित आवेदनों के त्वरित निष्पादन तथा लाभुकों को समयबद्ध राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसके तहत आगामी 22 एवं 23 नवंबर को सभी अंचल कार्यालयों में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्त आवेदनों का यथाशीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने पूर्व से लंबित पारिवारिक पेंशन के मामलों को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिया है कि ऐसे सभी मामलों की समीक्षा कर 10 दिनों के भीतर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए पात्र लाभुकों को पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। संबंधित पदाधिकारियों को लंबित आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करने, आवश्यक अभिलेखों एवं दस्तावेजों की जांच करने तथा अनावश्यक विलंब को दूर करते हुए मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी को समाप्त करना, लंबित आवेदनों का त्वरित निपटारा करना तथा पात्र लाभुकों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। सभी अंचल कार्यालयों को निर्देशित किया गया है कि विशेष शिविर के आयोजन की समुचित तैयारी करें, प्राप्त आवेदनों का विधिवत संधारण करें तथा प्रत्येक मामले में की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा करें। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र लाभुक को केवल प्रशासनिक विलंब के कारण पेंशन के लाभ से वंचित न रहना पड़े।

युवा दस्ता के मुख्य मंच का उद्घाटन

रांची। युवा दस्ता के मुख्य मंच का उदघाटन शुक्रवार को एडीएम लॉ एंड आर्डर धनंजय कुमार, एसपी निखिल राय एवं मुख्य संरक्षक कुणाल आजमानी के द्वारा किया गया। उदघाटन समारोह में युवा दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा, युवा दस्ता के संरक्षक राहुल सिन्हा चंकी, वरिष्ठ युवा समाजसेवी महेश चंद्र, सागर कुमार, सुजीत दुबे बृजेश सिंह, मिंटू सिंह, गोपाल पारीक मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता युवा दस्ता के अध्यक्ष राजेश गुप्ता छोटू एवं मदन साहू ने की। संचालन पीयूष आनंद ने किया एव धन्यवाद ज्ञापन युवा दस्ता के महामंत्री ज्योति शंकर साहू के द्वारा किया गया। मंच उदघाटन समारोह में आए सभी अतिथियों का भव्य स्वागत चुनड़ी ओढाकर युवा दस्ता के मंटू दुबे, ज्योति शंकर साहू, अरविंद जायसवाल, अखिलेश शर्मा नवनीत पांडेय के द्वारा किया गया। एडीएम लॉ एंड आर्डर धनंजय कुमार ने सभी सदस्यों को प्रशासन के हस्ताक्षर युक्त परिचय पत्र देकर सभी पंडाल में तैनात रहने के लिए रवाना किया। एडीएम लॉ एंड आर्डर श्री कुमार ने सभी कार्यकर्ताओं से दुर्गा पूजा सफल बनाने की अपील की एवं किसी प्रकार की परेशानी होने पर सहयोग करने का आस्वासन दिया।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में निराश्रितों को कराया गया भोजन

जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना : संजय सर्राफ

रांची। परमहंस डा० संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य मे एम.आर.एस.श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के द्वारा संचालित विगत 34 माह से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रह रहे 46 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा मे समर्पित सेवादारों को प्रतिदिन तीनों समय विभिन्न व्यंजनों के साथ अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का विधिवत आश्रम के किचन में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन बनवाकर भोजन खिलाया जा रहा है। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आश्रम के रसोई घर में पूरी स्वच्छता एवं सात्विकता के साथ विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किया जाते हैं। तथा प्रत्येक निराश्रित प्रभुजन को सम्मान पूर्वक, स्नेह और आत्मीयता के साथ भोजन कराया जाता है। इस सेवा में कई लोगों ने सहयोग देते हुए स्वयं भोजन सेवा का दायित्व निभाया, इसके अलावे कई लोगों द्वारा आश्रम में रह रहे निराश्रितो, मंदबुद्धि, दीनबंधुओं के लिए खाद्य सामग्री एवं जरूरत के समान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि मानव प्रभु सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची अराधना है। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक पंकज पोद्दार, कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ,शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

बजरा में असम टी गार्डेन का प्रारूप बना पूजा पंडाल आकर्षण का केंद्र

रांची। मां दुर्गा पूजा समिति बजरा के पूजा पंडाल में बंगाल कलकत्ता के मशहूर मूर्तिकार अमित पाल द्वारा भव्य मां दुर्गे सहित अन्य देवी–देवताओं का जीवन्त प्रतिमा बनाई गई है जो श्रद्धालुओं को अत्यंत आकर्षित कर रही हैं। पूजा पंडाल पहुंच रास्ते में विद्युत तोरण द्वार एवं अदभुत साज सज्जा जगमगा रहा है। छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने बताया कि हजारों श्रद्धालुगण एवं भक्तगण प्रातःकाल और संध्याकाल में मां भवानी के आरती में शामिल हो रहे हैं। हर वर्ष की भांति विशुद्ध घी और हरी सब्जियों से निर्मित महाभोग (खिचड़ी) का महाप्रसाद का वितरण नगर वासियों के बीच बांटी जा रही है। लोहरदगा के आचार्य पंडित सूर्य नारायण पाठक और आचार्य विनीत पाठक की मधुरमय स्तुति भक्तजनों को झुमा रही है। यजमान की भूमिका रणजीत सिंह, राज सिंह एवं सत्यांशु सिंह निभा रहे हैं।

देश की संपत्तियों को बेच रही है केंद्र सरकार : डॉ राजीव

रांची। केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए मीडिया पैनलिस्ट डॉ राजीव नारायण प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 सालों में अभी तक की सबसे बड़ी सरकारी संपत्ति आईडीबीआई बैंक को निजी हाथों में बेच दिया है। आईडीबीआई बैंक की स्थापना 1 जुलाई 1964 को भारत में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने एवं औद्योगिक इकाइयों को दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। केंद्र की भाजपा सरकार ने 62 साल पुराने आईडीबीआई बैंक की बिक्री को मंजूरी दे दी है केंद्र की भाजपा सरकार एवं एलआईसी ने मिलकर बैंक में अपने 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी कनाडा इंक को बेचेगी जिसके पैरंट कंपनी फेयरफैक्स है। यह डील करीब 52,878 करोड़ रुपए मैं होने का प्रस्ताव है। केंद्र की भाजपा सरकार आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह से असफल है, इसलिए सरकारी संपत्तियों को निजीकरण करते जा रही है एवं लोगों को निजीकरण के झूठे फायदे समझा रही है। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार अपनी आर्थिक विफलताओं को छुपाने के लिए निजीकरण के अलग–अलग तर्क प्रस्तुत कर रही है परंतु भारत देश के लोग यह समझ चुके हैं कि उनका वर्तमान एवं भविष्य अब सुरक्षित हाथों में नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में स्थापित सरकारी कंपनियों को भाजपा सरकार बेचना बंद करें और नरेंद्र मोदी जी चुकी आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह से असफल है, उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

सुभाषित अपने जीवनका अंत कर देनेमें कोई अच्छाई नहीं होती, सुख और आनन्दका रास्ता जीवनसे ही निकलता है। ❑ ओशो

संसदका विशेष सत्र

केन्द्र सरकार अब संसदका विशेष सत्र बुलानेकी तैयारीमें जुट गयी है। ऐसे संकेत मिले हैं कि अक्तूबरके अन्तिम सप्ताहमें यह सत्र बुलाया जा रहा है। संसदका मानसून सत्र १३ अगस्तको सम्पन्न हुआ था लेकिन अबतक सत्रावसान नहीं हुआ है। सत्र बुलानेकी सूचना एक सप्ताह पहले ही देनेकी परम्परा है। लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिलसे सम्बन्धित बिल पेश करनेका अनुमान है। इसके माध्यमसे महिला आरक्षण लागू किया जायगा। संविधान (१३१वां संशोधन) विधेयक, २०२६ में लोकसभाकी सीटें ८५० करनेका प्रस्ताव है। राज्योंसे ८१५ और केन्द्रशासित प्रदेशसे ३५ सीटें हो सकती हैं। इसके साथ ही परिसीमन (संशोधन) विधेयक, २०२६ भी पेश किया जा सकता है। परिसीमनके लिए 'जनसंख्या' की परिभाषामें परिवर्तन किया जायगा। २०११ की जनगणनाको आधार बनाया जायगा। इसके अतिरिक्त केन्द्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, २०२६ भी है। यह विधेयक पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीरके कानूनोंमें संशोधन करता है, ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण बिल लागू हो सके। भाजपाके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन (राजग) के पक्षमें दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है लेकिन राजग अभी इससे दूर है। लोकसभामें २० और राज्यसभामें नौ सांसदोंकी जरूरत है। लोकसभामें ५४३ सांसद हैं। तीन सीटें खाली हैं। इनमें राजगके ३१८ सांसद हैं। बिलको पास करानेके लिए लोकसभामें ३६० वोटकी आवश्यकता है। यदि द्रमुकके २२ सांसद बिलका समर्थन करते हैं तो बिलके समर्थनमें ३४० सांसद हो जायंगे। इसके बाद भी भाजपाको लगभग बीस सांसदोंकी जरूरत है। इसी प्रकार राज्यसभामें २४५ सीटें हैं। तीन खाली हैं। इनमें राजगके १५३ सांसद हैं। बिल पास करानेके लिए १६२ सांसद चाहिए। राजगको छोटी पार्टियोंके नौ सांसदोंकी जरूरत पड़ेगी। मानसून सत्रकी अन्तिम बैठक १३ अगस्तको हुई थी। दोनों सदनोंकी बिना सत्रावसानके यह अबतककी सबसे लम्बी अवधि है। इसके पूर्व १९८९ में दोनों सदन ६३ दिनतक ऐसी ही स्थितिमें रहे। संसदके विशेष सत्र बुलानेकी तैयारीको लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है। विपक्ष इसे हंगामे वाला सत्र बनानेकी तैयारीमें है। विशेष सत्र ऐसे समय हो रहा है जब मतदाता सूचीके विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमारके इस्तीफेकी मांगपर देशभरमें माहौल काफी गर्म है। संसद सत्रमें इस प्रकरणको भी विपक्ष अवश्य उठा सकता है। विपक्ष और भी कई मुद्दे उठानेकी रणनीति बना रहा है। सत्ता पक्षकी ओरसे भी पूरी तैयारी की जा रही है। सत्तापक्ष यदि दो-तिहाई बहुमत जुटानेमें सफल रहता है तभी बिल पास हो पायंगे।

अवैध पटाखोंका कारोबार

उत्तर प्रदेशके वाराणसीमें सारनाथ क्षेत्रके पैगम्बरपुरमें गुरुवारको अवैध रूपसे पटाखा बनानेके दौरान हुए भीषण विस्फोटमें तीन मंजिला मकान पूरी तरह ढह गया। इस हादसेमें पटाखा कारोबारी मकान मालिककी ३८ वर्षीय पत्नी गम्भीर रूपसे झुलस गयी जबकि उसका १३ वर्षीय पुत्र मलबेमें दबनेसे घायल हो गया। दोनोंको मण्डलीय अस्पतालमें भर्ती कराया गया है। यह मकान पटाखा कारोबारी राजू खानकी पुस्तैनी है, जहां वह अपनी मां, पत्नी और एक पुत्र और पुत्रीके साथ रहता था। इस मकानमें कई पुश्तसे पटाखा बनानेका अवैध धंधा चल रहा था जिसकी जानकारी आसपासके लोगोंको बखूबी थी लेकिन पुलिस शायद अनभिज्ञ थी या अनभिज्ञ बनी हुई थी, यह तो जांचका विषय है लेकिन इतना तो तय है कि ऐसा हो नहीं सकता कि किसी थाना क्षेत्रमें अवैध कारोबार पुश्तोंसे हो रहा हो और स्थानीय पुलिसको इसकी खबरतक न हो। मकानमें विस्फोट शाम पांच बजे हुआ लेकिन जबतक लोग कुछ समझ पाते तबतक लगातार दो और धमाके हुए जिससे अफरा-तफरी मच गयी। विस्फोटकी भयंकरताका अनुमान इसीसे लगाया जा सकता है कि इस मकानसे सटे एक घरका अगला हिस्सा ढह गया और सात मकान क्षतिग्रस्त हो गये। हादसेके बाद मकान मालिक घायलोंको छोड़कर फरार हो गया जिसे देर रात सारनाथ पुलिसने सरायमोहना घाटके पाससे मुठभेड़के बाद गिरफ्तार कर लिया। घायलोंको लोगोंने मलबेसे निकालकर अस्पताल पहुंचाया। मलबेमें किसी औरके दबे होनेकी आशंकासे पुलिसने दो घण्टे रेस्क्यू अभियान चलाया। राहतकी बात यह है कि और किसीके दबे होनेकी आशंका निर्मूल साबित हुई। पटाखोंका त्योहार दशहरा और दीपावलीके साथ शादी-विवाहकी तैयारियां भी जोरोंपर है। ऐसेमें अवैध पटाखोंकी निर्माणमें तेजी आयी है। गली-गलीमें अवैध तरीकोंसे पटाखोंका निर्माण हो रहा है। इस तरहकी अवैध पटाखोंका निर्माण उत्तर प्रदेशमें नहीं अन्य राज्योंमें भी हो रहा होगा जिसपर सख्त निगरानी रखनेकी जरूरत है वरना ऐसे और भी हादसोंसे इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस प्रशासनको चुस्त और निगरानी तंत्रको और मजबूत करना होगा, ताकि हादसेकी पुनरावृत्ति रोका जा सके।

लोक संवाद

देशमें बढ़ती महंगी

महोदय,-देशमें थोक महंगी फिर तेजीसे बढ़ी है। सितंबरमें थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगी दर बढ़कर ११.३९ फीसदीपर पहुंच गयी। अगस्तमें यह ९.९२ फीसदी थी। सरकारी आंकड़ोंके मुताबिक, यह २०२२-२३ की नयी श्रृंखलामें अबतकका सबसे ऊंचा स्तर है। खाने-पीनेकी चीजों, ईंधन और कारखानोंमें बनने वाले सामानकी कीमतें बढ़नेसे थोक महंगीमें यह तेजी आयी है। सितंबरमें सभी वस्तुओंका थोक मूल्य सूचकांक भी अगस्तके ११०.८ से बढ़कर ११२.५ हो गया। सितंबरमें खाद्य महंगी दर बढ़कर ८.१४ फीसदीपर पहुंच गयी, जो पिछले २१ महीनेका सबसे ऊंचा स्तर है। अगस्तमें यह ५.६७ फीसदी थी। वहीं, प्राथमिक वस्तुओंकी महंगी दर अगस्तके ७.७६ फीसदीसे बढ़कर सितंबरमें ८.६७ फीसदी हो गयी। यह भी नयी श्रृंखलाका सबसे ऊंचा स्तर है। खनिजोंकी महंगी दर ८.२४ फीसदीसे बढ़कर ९.५१ फीसदी हो गयी। थोक महंगी बढ़नेकी एक बड़ी वजह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैसकी कीमतोंमें तेजी रही। सितंबरमें ईंधन और बिजलीकी महंगी दर बढ़कर २५.८५ फीसदी हो गयी। अगस्तमें यह २२.९३ फीसदी थी। सबसे ज्यादा तेजी कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैसकी कीमतोंमें देखनेको मिली। इनकी महंगी दर अगस्तके ३४.४१ फीसदीसे बढ़कर सितंबरमें ५७.३२ फीसदी हो गयी। इसी तरह कोयले और लिग्नाइटकी महंगी दर १.५७ फीसदीसे बढ़कर ९.३१ फीसदी पहुंच गयी। खनिज तेलकी महंगी दर भी ३८.४८ फीसदीसे बढ़कर ४०.०२ फीसदी हो गयी। सितंबरमें कारखानोंमें बनने वाले सामानकी महंगी दर बढ़कर ९.७६ फीसदी हो गयी, जबकि अगस्तमें यह ८.३७ फीसदी थी। यह भी नयी श्रृंखलाका सबसे ऊंचा स्तर है। थोक महंगी सूचकांकमें इस श्रेणीकी हिस्सेदारी ६३.१ फीसदी है। इसलिए इसकी कीमतोंमें बदलावका कुल थोक महंगीपर बड़ा असर पड़ता है। कपड़े, तैयार परिधान, रसायन, धातुओं और बिजलीके उपकरणोंकी कीमतोंमें वृद्धि दर्ज की गयी। इसके अलावा कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादोंकी महंगी दर बढ़कर चार फीसदी हो गयी। इससे पहले कई महीनोंतक इस श्रेणीमें कीमतोंमें गिरावट दर्ज की जा रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालयने सितंबरके लिए उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े भी जारी किये हैं। यह सूचकांक बताता है कि उत्पादकोंको अपने सामानके लिए मिलने वाली कीमतोंमें कितना बदलाव हुआ है। पीपीआई बढ़कर ११२.५ हो गया। इसके साथ ही पीपीआईपर आधारित महंगी दर अगस्तके ९.८१ फीसदीसे बढ़कर ११.३९ फीसदी पहुंच गयी। सितंबरके आंकड़ोंसे साफ है कि महंगीका दबाव सिर्फ खाने-पीनेकी चीजोंतक सीमित नहीं है। ईंधन, कच्चे माल और कारखानोंमें बनने वाले सामानकी कीमतें भी तेजीसे बढ़ रही हैं। इससे कम्पनियोंकी उत्पादन लागत बढ़ सकती है। यदि कम्पनियां बढ़ी हुई लागतका बोझ ग्राहकोंपर डालती हैं तो आने वाले समयमें खुदरा कीमतोंपर भी दबाव पड़ सकता है। **-शैलजा पाठक, वाया ईमेल।**

भारतीय प्रतिभाओंपर अमेरिकी निर्भरता

ट्रम्प प्रशासनने स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रमके तहत विदेशी कामगारोंके लिए वीजापर रोक लगानेकी घोषणा कर दी। यह ऐसा कदम है, जिसका प्रभाव शीर्ष अमेरिकी प्रौद्योगिकी कम्पनियोंके साथ प्रमुख भारतीय आउटसोर्सिंग कम्पनियोंपर भी पड़ेगा। दलील है कि प्रौद्योगिकी उद्योग श्रम कार्यक्रमका दुरुपयोग करता है।

❑ दिनेश सिंह

हालमें ट्रम्प प्रशासनने स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रमके तहत विदेशी कामगारोंके लिए वीजापर रोक लगानेकी घोषणापर दलील दी है कि प्रौद्योगिकी उद्योग अमेरिकी कामगारोंको कामपर रखनेसे बचनेके लिए रोजगार-आधारित श्रम कार्यक्रमका दुरुपयोग करता है। नये प्रतिबंधोंसे बड़ी संख्यामें भारतीयों सहित सभी विदेशी प्रौद्योगिकी कामगारोंकी नियुक्तिपर प्रतिकूल प्रभाव पड़नेकी सम्भावना है, जिन्होंने ग्रीन कार्ड और अंततः नागरिकता अर्जित करनेके लिए एच१बी वीजाका उपयोग किया था। एकके बाद एक आये अमेरिकी राष्ट्रपतियोंने घरेलू राजनीतिक उद्देश्योंके लिए एच१बी वीजा कोटाको लटकाये रखा। वर्ष २००८ में राष्ट्रपति ओबामाने विदेशोंसे आउटसोर्सिंग करवाने वाली कम्पनियोंके लिए कर छूट समाप्त करनेकी घोषणा की थी। बादमें जो बाइडेनने भी ऐसा ही किया। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कम्पनियोंने सस्ते श्रमकी उपलब्धताका लाभ उठानेपर ज्यादा ध्यान दिया। सन् १९६० के दशक में, उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माणके साथ ऐसा किया, जो उस समय भारी श्रम-साध्य कार्य था। कालांतरमें उन्होंने सॉफ्टवेयर सेवाओं और प्रोग्रामिंगके मामलेमें यही किया। फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर के अध्यक्ष रॉबर्ट नॉयसने विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करनेके उद्देश्यसे १९६० के दशकमें भारत आदि देशोंका दौरा किया।

भारतने इनकार किया तो वे हांगकांग चले गये। नॉयसने कुछ साल बाद इंटेलकी स्थापना की। अन्य अमेरिकी कम्पनियोंने इलेक्ट्रॉनिक्स और इंटीग्रेटेड सर्किट विनिर्माणके लिए सिंगापुर, मलेशिया और ताइवानको चुना, जिससे ये देश अगले दो दशकोंमें प्रौद्योगिकी विनिर्माणके केन्द्र बन गये। भारतने १९७० और १९८० के दशकमें मौका संभालते हुए अमेरिकी ग्राहकोंके लिए सेमीकंडक्टर डिजाइनए सॉफ्टवेयर सेवाओं और प्रोग्रामिंगमें काम करना शुरू किया।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्योगके साथ भारतका जुड़ाव कई पड़ावोंसे गुजरा है। इसकी शुरुआत छोटे पैमानेपर 'बॉडी शॉपिंग' से हुई, जिसमें भारतीय इंजीनियर अमेरिकी ग्राहकोंके लिए अल्पकालीन अनुबंधके आधारपर काम करते थे। वे काम पूरा होनेके बाद लौट आते थे। अगले चरणमें, यह एक ऑनसाइट मॉडलके रूपमें विकसित हुआ, जिसमें भारतीय कम्पनियोंने अपने उन श्रमिकोंको भेजा, जो दीर्घकालिक परियोजनाओंपर काम करते हुए अमेरिकी कम्पनियोंके कार्यबलका हिस्सा बने। जैसे-जैसे भारतीय कम्पनियोंने अपने ग्राहकोंका विश्वास हासिल किया और संचार प्रणालीके बुनियादी ढांचेमें सुधार हुआ, इस ऑनसाइट कामका कुछ हिस्सा भारतसे ऑफशोर मॉडलके रूपमें निष्पादित होना शुरू हो गया। जल्द ही अमेरिकी कम्पनियोंको अहसास हुआ कि अमेरिकामें भारतीयोंको बुलाकर कामपर रखने और भारतीय कम्पनियोंपर निर्भर रहनेके बजाय, क्यों न वे सीधे खुद भारतीयोंको कामपर रखें और भारतमें परिचालन स्थापित करें। यह और भी किफायती था। वर्ष १९९० के दशकके अंतमें माइक्रोसॉफ्टने शुरुआत की और कई अन्य तकनीकी कम्पनियोंने इसका अनुसरण किया। फिर बैंकों, बीमाकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स कम्पनियों, एयरलाइंस, कानूनी फर्मों, वैश्विक परामर्श और ऑडिटिंग दिग्गजों तथा अन्य कम्पनियोंने भी ऐसा ही किया। आज वे सभी अपने अधिकांश बैकरूम संचालन या व्यावसायिक प्रक्रियाओंको बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, नोएडा आदिमें स्थानांतरित कर चुके हैं।

पिछले दो दशकोंमें इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद विकासकी आउटसोर्सिंगके साथ-साथ आउटसोर्सिंग व्यवसाय और अधिक विविध होता गया। बड़े निगमोंने अपने कुछ मुख्य कार्योंको संभालनेके लिए भारतमें समर्पित इकाइयां स्थापित कीं। यह बदलाव लागत-बचतसे हटकर नवाचार, अनुसंधान और आईपी (बौद्धिक संपदा) निर्माणकी ओर बढ़ रहा था। आज लगभग हर फॉर्च्यून-५०० कम्पनीका बेंगलुरु या हैदराबादमें पूर्ण स्वामित्व वाला वैश्विक क्षमता केन्द्र (जीसीसी) है। वर्ष २०२५ में ऐसे केन्द्रोंकी संख्या २१०० से अधिक थी, जिनमें २३ लाख ६० हजार लोगोंको रोजगार मिला हुआ है। इससे लगभग सौ बिलियन अमेरिकी डालरका कारोबार होता है। प्रत्येक तकनीकी परिवर्तनमें मेनफ्रेमसे लेकर मिनी और माइक्रो कम्प्यूटर, इंटरनेट और डॉटकॉम, वाईटूके, मोबाइल एवं सोशल मीडिया, क्लाउड और बिग डेटातक भारतीय प्रौद्योगिकी कम्पनियोंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब वे एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रोलआउट और विभिन्न क्षेत्रोंमें गहन तकनीकी तैनातीके क्षेत्रमें भी यही कर रही हैं तो प्रौद्योगिकी आउटसोर्सिंगकी प्रक्रिया अमेरिका और भारतमें गहराईसे जुड़ी है और अपरिवर्तनीय है। बड़ी तकनीकी कम्पनियोंको तेजीसे रोलआउट, वैश्विक सहायता, विस्तार और अन्य लाभोंके लिए भारतीय इंजीनियरों और तकनीकी प्रतिभाकी आवश्यकता है। वहीं, भारतीय कम्पनियोंको अपनी आय बनाये रखने, ऑपरेटिंग सिस्टम (विंडोज, ऐप्पल आईओएस, एंड्रॉइड) और विकासके लिए क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चरतक पहुंचके लिए अमेरिकी व्यवसायकी आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षोंमें, भारतीय इंजीनियरोंने अपने फायदे स्पष्ट रूपसे प्रदर्शित किये हैं, जैसे कि बड़ी संख्यामें उनकी उपलब्धता, जो कम्पनियोंको अपना आकार बढ़ानेमें सहायक है, अंग्रेजी भाषाका ज्ञान, विभिन्न कार्य वातावरणोंमें अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधानका दृष्टिकोण। आउटसोर्सिंग व्यवसायके अलावा, सिलिकॉन वैलीका प्रौद्योगिकी पावरहाउस काफी हदतक भारत एवं अन्य आप्रवासियोंकी प्रतिभाओंसे चलाया जाता है। अमेरिकी विश्वविद्यालयोंसे लेकर प्रौद्योगिकी उद्योगतक, प्रतिभाका स्रोत इन्हीं छात्रोंसे भरा हुआ है। सिलिकॉन वैलीमें दर्जनों नवाचार भारतीय मूलके उद्यमियों द्वारा स्थापित या संचालित किये जा रहे हैं। बाजारका तर्क सरल है। तकनीकी व्यवसाय प्रतिभापर निर्भर होते हैं। यदि वीजा प्रतिबंध उन्हें अमेरिकामें भारतीय इंजीनियरोंको नियुक्त करनेकी अनुमति नहीं देंगे तो वे उनमेंसे अधिकको भारतमें नियुक्त करेंगे। लिहाजा भारतसे संचालित होने वाले जीसीसीकी संख्या बढ़ेगी। यदि अमेरिकाके अलावा अन्य बाजारोंमें अवसर पैदा होंगे तो भारतीय कार्यबल उसका लाभ उठायेगा। वे भारतमें रह सकते हैं और जो अमेरिकामें हैं, वे वापस लौट सकते हैं। यदि भारत में उनके लिए चुनौतीपूर्ण और आकर्षक अवसर पैदा होते हैं। सवाल है कि क्या भारतीय कम्पनियां पश्चिमी बाजारोंपर इतनी ही निर्भर बनी रहेंगी। भारतीय कम्पनियोंने शुरुआत सेवा निर्यात और आउटसोर्सिंगसे की थी, क्योंकि प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओंके लिए कोई घरेलू बाजार नहीं था। न ही ऐसा कोई पारिस्थितिकी तंत्र था, जो स्थानीय प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकासमें मददगार हो। पिछले दो दशकोंमें यह बदल गया है। नवाचारके लिए एक बड़ा स्थानीय बाजार और सहायता प्रणालियां हैं, जैसे कि उद्यम पूंजीतक पहुंच। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा और भारतीय बाजार परिपक्व होगा, आउटसोर्सिंगपर निर्भरता और इससे जुड़ी अनिश्चितताएं कम होती जायंगी। इस प्रक्रियामें, वर्षोंसे संचित आउटसोर्सिंग, उत्पाद विकास, आईपी निर्माण और अनुसंधानका अनुभव काम आयेगा। भारत इस संक्रमण कालसे गुजर रहा है।

> **भारतीय कम्पनियोंने शुरुआत सेवा निर्यात और आउटसोर्सिंगसे की थी, क्योंकि प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओंके लिए कोई घरेलू बाजार नहीं था। न ही ऐसा कोई पारिस्थितिकी तंत्र था जो स्थानीय प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकासमें मददगार हो। पिछले दो दशकोंमें बदल गया है। नवाचारके लिए बड़ा स्थानीय बाजार और सहायता प्रणालियां हैं, जैसे उद्यम पूंजीतक पहुंच। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा और भारतीय बाजार परिपक्व होगा, आउटसोर्सिंगपर निर्भरता और इससे जुड़ी अनिश्चितताएं कम होती जायेंगी।**

चिकित्सा क्षेत्रमें बाजारीकरण

भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पिछले चार दशकोंमें बने नैतिक संकटका सामना कर रहा है। इसकी शुरुआत अस्पताल क्षेत्रमें कारपोरेट घरानोंके प्रवेशसे हुई और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, वेंचर कैपिटल एवं निजी निवेशसे इसने रफ्तार पकड़ी।

❑ चंद्रकांत

भारतीय निजी स्वास्थ्य सेवाके विकासने ऐसी व्यवस्थाएं बनायी हैं, जिनमें डाक्टरोंसे अस्पतालों, दवा कम्पनियों और संबंधित हितधारकोंके लिए मुनाफा कमानेकी अपेक्षा की जाती है। उपचार निर्णय, जो कि रोगीकी जरूरतसे निर्धारित होना चाहिए, उसपर व्यावसायिक प्रोत्साहनों और चिकित्साकरणका प्रभाव हावी हो गया है। इस परिवर्तनने डाक्टर-रोगी संबंधको बदल डाला। चिकित्सक अब मात्र स्वतंत्र पेशेवर नहीं रह गया जो रोगीके प्रति जवाबदेह हो। कई डाक्टर नैतिक बने हुए हैं और कई कारपोरेट अस्पताल भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं, तथापि प्रोत्साहन रूपी लालच पेशेवर आजादी कायम रखना मुश्किल कर देता है। मसलन कारपोरेट अस्पतालोंमें डाक्टरोंको वेतन तो मिलता है, लेकिन मालिकोंकी अपेक्षा होती है कि वे अधिकाधिक कमाई कर दिखायें, रोगी संख्या बढ़ायें, जांच, भर्ती और इलाज प्रक्रियाओंमें अधिक मुनाफा बनवायें। भारतमें स्वास्थ्य सेवाके कारपोरेटीकरणपर एक शोधमें उपार्जन लक्ष्य, डाक्टरी सलाहको अस्पताल भर्तीमें परिवर्तित करने या एक-दो दिन वाले इलाजको लम्बा खींचनेको दबाव बनाने और घटती स्वायत्तताको दर्ज किया है। ऐसे रंग-ढंगने अच्छे डाक्टरकी परिभाषा बदल दी है। जो चिकित्सक मरीजोंको नेक डाक्टरी सलाह देते हैं, बीमारीपर सावधानीभरा इंतजार करनेकी सलाह देते हैं या किसी महंगी प्रक्रियासे बचनेकी सलाह देते हैं, वे अधिक टेस्ट और उपचार करवाने वाले डाक्टरकी तुलनामें कम पैसा कमाते हैं। एक बार जब व्यावसायिक उत्पादकता कार्य क्षमताका पैमाना बन जाय तो नेक इरादे वाले डाक्टर भी मरीजोंके हितोंके विपरीत प्रोत्साहनोंके लालचमें फंस सकते हैं। कई चिकित्सकोंका इलाजके दाम तय करने, बिल बनाने या व्यावसायिक रणनीतिपर दखल नगण्य होता है, इसलिए विशेषज्ञता तो है लेकिन घटती स्वायत्तताके साथ।

दवा उत्पादन उद्योगमें भी इसी किस्मकी चिन्ताएं उभरी हैं। कम्पनियां उत्तरोत्तर ऐसी रणनीतियां अपना रही हैं जिनसे बाजारीकरण और नेक चिकित्सा शिक्षाके बीच भेद करना मुश्किल हो रहा है। सम्मेलन, सलाहकार बोर्ड, वक्ता कार्यक्रम और आतिथ्य सत्कार जैसे तरीकोंने इस लकीरको धुंधला कर रखा है। दवा उत्पादकोंके लिए बिक्री संबंधी संहितामें उपहार, यात्रा और आतिथ्य सत्कार जैसी सुविधाओंसे डाक्टरोंको प्रभावित करने संबंधी निर्देश हैं, फिर भी यह गोरखधंधा सूक्ष्म तरीकोंसे काम करता है। अस्पतालकी निजी दवा विक्रेता दुकानें इस इकोसिस्टमका उदाहरण हैं। कई अस्पताल चुनिंदा ब्रांडोंसे भरी आंतरिक फार्मेसियां संचालित करते हैं, डाक्टरोंको वहां रखी दवाएं ही लिखनेको कहा जाता है। इससे मरीजका क्रय चयन सीमित हो जाता है और हॉस्पिटलकी कमाई बढ़ जाती है। पिछले १८ महीनोंमें मोटापा कम करने वाली दवाओंकी बढ़ती मांग इस तनावको दिखाती है। जीएलपी-१ रिसेप्टर एगोनिस्ट और उनसे जुड़ी दवाओंका फायदा सहीमें चुने गये मरीजको हो सकता है। फिर भी, सम्मेलनों और मेडिकल प्रचार शिविरोंके जरिये की जाती इनकी आक्रामक मार्केटिंगपर सोचना जरूरी है। एक मेडिकल विशेषज्ञ ब्रांड एंबेसडर बननेकी बजाय सुबूतोंको समझने और व्याख्या करने वाला हो। उनकी भूमिका केवल यह बताना नहीं है कि दवा क्या कर सकती है, बल्कि यह बताना भी है कि किसे इसकी जरूरत नहीं है, क्या अनिश्चितताएं हैं, क्या-क्या बुरे असर और लागत है, कितने समयतक वास्तवमें इलाजकी जरूरत है और दवाके बिना कौनसे उपचार ढंगका महत्व कायम है। कारपोरेट स्वास्थ्य क्षेत्रमें दवाएं तेजीसे मुख्य भूमिकामें आ रही हैं। ये चिन्ताएं लम्बे समयसे चली आ रही हैं। २०१८ में समीरन नंदी, केशव देशिराजु और संजय नागरालने स्वास्थ्य सेवा रक्षक या भक्षक। भारतमें स्वास्थ्य सेवाओंमें भ्रष्टाचार नामक पुस्तक संपादितकी थी। इसमें हितोंका टकराव, कारपोरेट अस्पतालोंके तौर-तरीके, दवा उत्पादक कम्पनियोंका प्रभाव, मेडिकल नियमन और व्यावसायिक नैतिकताकी जांच की गयी थी। आज भी इसकी प्रासंगिकता चिन्ताजनक है। चिकित्सा जगतने बार-बार इस समस्याकी शिनाख्त तो की, लेकिन सुधार सीमित ही रहा।

कमजोर नियमन मुख्य समस्या है। भारतमें डाक्टरोंके लिए नैतिकता संहिता और दवा उत्पादनकी मार्केटिंगका नियंत्रण करने वाले नियम हैं। रेफरल कमीशन, गलत प्रोत्साहन और व्यापारिक प्रभावोंके नाना तरीकोंपर रोक है। फिर भी, क्रियान्वयन एक समान नहीं और अक्सर कारवाई शिकायतों या घोटालोंके बाद होती है, न कि व्यवस्थित निगरानीके जरिये। जब क्रियान्वन ही अनिश्चित हो तो नैतिक संहिताका कोई खास मतलब नहीं। फिर भी, भारतमें हम दिखावेपर ज्यादा ध्यान देते हैं। २०२२ में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोगने मेडिकल पढ़ाई शुरू करने वाले छात्रोंके लिए नयी चरक शपथकी सिफारिश की। मकसद इसे नये चिकित्सकोंको ऐतिहासिक रूपसे दिलायी जाने वाली हिप्पोक्रेटिक शपथकी जगह लेना था। हालांकि दोनों सेवा एवं मरीजकी भलाईको चिकित्सा पेशेके केन्द्रमें रखती हैं। परन्तु शपथ तब दिखावा बनकर रह जाती है जब युवा डाक्टर ऐसी जगह ट्रेनिंग लेते हों जहां व्यापारिक ध्येय, हितोंका टकराव और गैर-जरूरी दखलका सामान्यीकरण हो चुका है। शपथसे ज्यादा अहम है कि क्या संस्थान चिकित्सकको सिद्धांतोंके अनुसार इलाज करने देते हैं। अन्य घटनाओंने भी इन दबावोंको बढ़ाया। देशमें विशेषज्ञता वाली चिकित्सा शिक्षा तेजीसे बढ़नेके मद्देनजर भारत खुदको मेडिकल टूरिज्मके मुकामके तौरपर रख रहा है। दोनोंके फायदे हैं, लेकिन इनसे अस्पताल नेटवर्ककी आर्थिक ताकत ज्यादा मजबूत हो सकती है। विशेषज्ञता वाले डाक्टर आधारभूत ढांचा, रोग पहचान तंत्र, मरीज प्रवाह और अपनी व्यावसायिक पहचानके लिए संस्थानोंपर निर्भर हो रहे हैं, जिससे क्लिनिक आधारित इलाजसे कमाईकी ताकत घट रही है।

मकसद पुराने दौरको बढ़िया बताकर पेश करना नहीं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रमें सदा ही धन, पदानुक्रम और हितोंका टकराव बना रहा है। न ही कारपोरेट अस्पताल और न ही दवा उत्पादक कम्पनियां अपने आपमें अनैतिक होती हैं। चिन्ता यह है कि स्वास्थ्य सेवाका मतलब अब ज्यादातर दवाएं, टेस्ट, सप्लीमेंट्स, प्रोसीजर और ज्यादा खर्च बन गया है। डाक्टर ऐसी चीजें सही ठहराने लगे हैं जिनकी बहुत ज्यादा जरूरत नहीं और मरीजोंको ऐसे इलाज भुगतने पड़ते हैं। अनिवार्य प्रश्न है कि क्या व्यापारिक लाभ चिकित्सकीय निर्णयोंके अधीन बने रहें या उनपर हावी होते जायं। चिकित्साका वजूद सर्वप्रथम मरीजके हितमें हो। पेशेवर आजादी, सही इलाज और जनताके भरोसेके लिए इस सिद्धांतको बनाये रखना जरूरी है। जब मरीजोंको शक हो जाय कि परीक्षणों, दवाकी पर्ची, इलाज प्रक्रियामें किसी औरके पास भेजने या उपचार क्रियाके पीछे छिपे आर्थिक मकसद हैं तो डाक्टरोंकी नैतिक साख कमजोर होती है और स्वास्थ्य देखभाल व्यापार बन जाता है। भारतीय चिकित्साके सामने संकट सिर्फ इलाजपर खर्चकी मात्राका नहीं, बल्कि इसका है कि चिकित्साका स्वरूप क्यासे क्या बनता जा रहा। भारतको एक ऐसे आधुनिक स्वास्थ्य तंत्रकी जरूरत है जिसमें पूंजी इलाज करनेमें लगे, तकनीक उपचारमें फैसले लेनेमें सहायक हो और संस्थान पेशेवर नैतिकतासे समझौता करनेके बजाय उसकी रक्षा करें। शपथका महत्व तभी होता है जब व्यवस्था उसे निभानेका मौका दे।

आत्मबोध

संस्कार

❑ अनुज आचार्य

संस्कार, संस्कृति और सभ्यता जीवनके तीन महत्वपूर्ण आधार हैं। संस्कार व्यक्तिको भीतरसे गढ़ते हैं, संस्कृति चेतनाको समाजतक पहुंचाती है और सभ्यता सामूहिक जीवनका बाहरी स्वरूप निर्मित करती है। संस्कारका मूल भाव है-मन, वचन और कर्मका परिष्कार। जब बालक अपने माता-पिता और गुरुजनोंका सम्मान करना सीखता है, सत्य बोलनेका प्रयास करता है, जरूरतमंदकी सहायता करता है, प्रकृतिके प्रति संवेदना रखता है और अपने कर्तव्यको ईमानदारीसे निभाता है, तब उसके भीतर संस्कारोंका निर्माण होता है। संस्कारकी सबसे बड़ी परीक्षा उस समय होती है जब व्यक्तिको देखने वाला कोई नहीं होता, फिर भी वह गलत रास्तेपर जानेसे स्वयंको रोक लेता है। यही भीतरकी जागरूकता संस्कारको केवल शिक्षासे अलग करके जीवन-मूल्य बनाती है। संस्कार जब व्यक्तिकी सीमाओंसे निकलकर परिवार, समाज और पीढ़ियोंके जीवनमें प्रवाहित होते हैं, तब संस्कृतिका निर्माण होता है। हमारी भाषा, साहित्य, लोकगीत, संगीत, कला, पर्व-उत्सव, पारिवारिक परम्पराएं, प्रकृतिके प्रति दृष्टिकोण, अतिथि-सत्कार, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चिंतन- ये सभी संस्कृतिके व्यापक स्वरूपको व्यक्त करते हैं। इसलिए संस्कृति किसी समाजकी केवल पहचान नहीं, उसकी सामूहिक चेतना भी है। भारतीय संस्कृतिकी विशेषता रही है कि उसने जीवनको भौतिक उपलब्धियोंके साथ नैतिक और आध्यात्मिक मूल्योंसे जोड़कर देखा। वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः और प्रकृतिके प्रति सम्मान जैसे विचार मनुष्यको केवल अपने हिततक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे व्यापक जीवन-जगतसे जोड़ते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृतिमें धर्मका अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि कर्तव्य, सदाचार और लोकमंगलकी भावनासे भी जुड़ा रहा है। सभ्यताका संबंध मुख्यतः मनुष्यकी बाहरी और संस्थागत प्रगतिसे है। विज्ञान, तकनीक, परिवहन, संचार, भवन, सड़कें प्रशासन और आधुनिक संस्थाएं सभ्यताकी उपलब्धियोंको दर्शाती हैं। सभ्यता जीवनको सुविधाजनक बनाती है, लेकिन संस्कृति यह निर्धारित करती है कि उन सुविधाओंका उपयोग किस मानवीय उद्देश्यके लिए किया जाय। अत्याधुनिक साधन मनुष्यके हाथोंमें हों, लेकिन संवेदना और विवेकका अभाव हो तो विकास अधूरा रह जाता है। इसके विपरीत संस्कार और संस्कृतिसे जुड़ी आधुनिकता मानव कल्याणका प्रभावी माध्यम बन सकती है। संस्कार बीज हैं, संस्कृति उसका विकसित वृक्ष और सभ्यता उस वृक्षकी बाहरी छाया। बीज स्वस्थ होगा तो वृक्ष मजबूत होगा और वृक्ष मजबूत होगा तो उसके फल आने वाली पीढ़ियोंको मिलेंगे। इसलिए संस्कृतिकी रक्षा केवल बड़े आयोजनों और नारोंसे नहीं, बल्कि घर-परिवारके छोटे-छोटे आचरणोंसे होगी।

रुपयेमें गिरावट रोकनेके लिए कड़े कदम

❑ आर.पी. सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गत सप्ताह रुपयेको सहारा देनेके लिए कई उपायोंकी घोषणा की। इसके परिणामस्वरूप डालरके मुकाबले रुपयेमें तेजी आयी। आरबीआई द्वारा घोषित उपायोंमें रुपयेसे जुड़े विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंधोंके रद होनेके बाद उनकी दोबारा बुकिंगपर रोक लगाना शामिल है। यह रोक डिलिवरी वाले और बिना डिलिवरी दोनों तरहके अनुबंधोंपर लागू होगी। इसके अलावा जिन डीलरोंका आर्थिक हित डेरिवेटिवसे नहीं जुड़ा है, उनके लिए उसके जरिये विदेशी मुद्रा लेन-देन करनेकी सीमा दस करोड़ डालरसे घटाकर ५० लाख डालर कर दी गयी है। साथ ही अधिकृत डीलरोंको २० लाख डालरसे अधिकके सांकेतिक मूल्य वाले रुपयेसे जुड़े प्रत्येक विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंधके लिए उसके रुपये मूल्यके २० फीसदीके बराबर राशि आरबीआईके पास नकदके रूपमें रखनी होगी। साथ ही आरबीआईने सार्वजनिक क्षेत्रकी तीन तेल विपणन कम्पनियोंकी विदेशी मुद्रा संबंधी जरूरतोंको पूरा करनेके लिए एक विशेष विंडो खोलनेका फैसला किया है।

उम्मीद है कि डेरिवेटिव कारोबारपर अंकुश लगाने या उसकी लागत बढ़ानेसे सट्टेबाजी कम होगी और रुपयेपर कुछ दबाव घटेगा। हालांकि ये उपाय अधिकसे अधिक अस्थायी समाधान हैं और मूल समस्याका समाधान नहीं करेंगे। वास्तवमें इनसे विदेशी मुद्रा जोखिमसे बचावके लिए हेजिंग करने वाले वास्तविक कारोबारोंको नुकसान पहुंच सकता है। खबरोंके मुताबिक बैंकोंने इस संबंधमें अपनी आपत्तियां भी दर्ज करायी हैं। इसके अलावा तेल विपणन कम्पनियोंकी मांगको हटानेसे विदेशी मुद्रा बाजारपर दबाव कम हो सकता है लेकिन इससे किसी भी तरह उनकी विदेशी मुद्राकी वास्तविक जरूरत कम नहीं होगी। इसलिए मुद्रा बाजारको मिलने वाली राहतके अल्पकालिक ही रहनेकी सम्भावना है।

वास्तवमें रिजर्व बैंक रुपयेको सहारा देनेके लिए मुद्रा बाजारमें बड़े पैमानेपर हस्तक्षेप कर रहा है। रियायती स्वैप व्यवस्थाओंसे, जिनमें विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक), यानी एफसीएनआर (बी) जमाओंसे जुड़ी व्यवस्थाएं भी शामिल हैं, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ानेमें मदद मिली। ४ सितंबरको समाप्त सप्ताहमें यह रिकॉर्ड ७८५.७ अरब डालरके स्तरपर पहुंच गया। यद्यपि इसके बाद इसमें ५१ अरब डालरसे अधिककी गिरावट आ चुकी है। केन्द्रीय बैंककी घोषित नीति है कि यह रुपयेके किसी निश्चित स्तरको लक्ष्य नहीं बनाता और केवल अत्यधिक उतार-चढ़ावको नियंत्रित करनेके लिए हस्तक्षेप करता है। लेकिन ऐसा लगता है कि वह अन्य उद्देश्योंपर भी नजर रख रहा है।

यह रेखांकित करना जरूरी है कि भुगतान संतुलनपर पड़ने वाले दबावसे निबटना केवल केन्द्रीय बैंककी जिम्मेदारी नहीं है। भारतको चालू खाते और पूंजी खाते दोनोंपर दबावका सामना करना पड़ रहा है और यह दबाव ईरान युद्धसे पहले से ही मौजूद है।

पिछले दो वर्षोंमें भारतको भुगतान संतुलनमें घाटेका सामना करना पड़ा, जिसका एक कारण पूंजीका बाहर जाना था। इस वर्ष एफसीएनआर (बी) के तहत मजबूत पूंजी प्रवाहके कारण भुगतान संतुलनमें अधिशेष रहनेकी संभावना है। हालांकि एफसीएनआर (बी) से होने वाला पूंजी प्रवाह भी केवल अल्पकालिक राहत देगा। आरबीआईकी हालिया कारवाईसे संकेत मिलता है कि इससे भी उतनी मदद नहीं मिल रही है जितनी कई लोगोंने उम्मीद की थी। उपाय यही है कि रुपयेको कमजोर होने दिया जाय। हालांकि इससे स्थितिमें बुनियादी सुधार तभी होगा जब भारतीय निर्यातक कमजोर मुद्राका लाभ उठानेमें सक्षम हों। इसके लिए सरकारको शुल्कसे जुड़े सुधारों सहित जरूरी सुधार लागू करने होंगे। इसके अलावा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करनेके लिए अनुकूल परिस्थितियां भी तैयार करनी होंगी। खबरोंके अनुसार सरकार द्विपक्षीय निवेश संधिके ढांचेकी समीक्षा कर रही है लेकिन इस संबंधमें बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। मौजूदा स्थिति व्यापार और निवेश संबंधी सुधारोंको लागू करनेका एक अच्छा अवसर है। ये सुधार बाहरी क्षेत्रमें स्थिरता प्रदान करनेके साथ-साथ मध्यमसे दीर्घावधिमें उच्च आर्थिक वृद्धिको सहारा दे सकते हैं।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन सतर्क, सुरक्षा एवं विधि–व्यवस्था के लिए दिये सख्त निर्देश

पटना। दुर्गा पूजा एवं दशहरा के दौरान शांति, सुरक्षा और विधि–व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने तैयारियों की समीक्षा की और सभी संबंधित पदाधिकारियों को सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। डीएम ने पूजा पंडालों का नियमित निरीक्षण करने, पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा सुरक्षा और जनसुविधाओं से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना लाइसेंस कोई जुलूस नहीं निकलेगा। प्रत्येक जुलूस का मार्ग और तिथि पहले से निर्धारित होनी चाहिए। पूजा पंडालों की मजबूती, प्रवेश एवं निकास की समुचित व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। कार्यपालक अभियंता, विद्युत को सभी पूजा पंडालों में बिजली कनेक्शन और वायरिंग की जांच कराने का निर्देश दिए गए। साथ ही, प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मूर्ति विसर्जन के लिए चिह्नित कृत्रिम तालाबों एवं अन्य निर्धारित स्थलों पर पर्याप्त रोशनी, लाउडस्पीकर और प्रशिक्षित गोताखोरों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। जरूरत के अनुसार एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों की तैनाती भी की जाएगी। खतरनाक घाटों को चिह्नित कर वहां स्पष्ट चेतावनी संकेतक लगाने तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित विसर्जन के प्रति जागरूक करने को कहा गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या– EE/RDSD/Palamau/ F2 - 13/ 2026-27 (2nd Call)

S. No.	Name of Work	Estimated Cost (in Rs.)	Amount of Earnest Money(Rs.)	Cost of Tender Paper(Rs.)	Time Completion of Work
1	3	4	5	6	7
1	पलामू जिला के प्रखंड पाण्डू अन्तर्गत ग्राम दरूआ में पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	2406300	48200	5000	4 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 24.10.2026 (05:00 PM से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 24.10.2026 (अपराह्न 5:00 PM से दिनांक 31.10.2026 को 5:00PM तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 03.11.2026 अपराह्न 4:00 PM बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू

PR.NO.392013 District(26-27):D

मेडिकल कॉलेजों का स्वामित्व सरकार के पास ही रहेगा : सम्राट चौधरी

बिहार में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए पीपीपी मॉडल पर जोर

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में सरकारी स्वामित्व और जनहित से जुड़े प्रावधानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों का स्वामित्व सरकार के पास ही रहेगा तथा इनके निजीकरण या स्वामित्व हस्तांतरण का प्रावधान नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करते हुए सरकारी स्वामित्व, विद्यार्थियों के हितों, मरीजों के अधिकारों और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुरक्षित रखना है। सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल से संबंधित प्रस्तावों में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य किया जाय। प्रस्तावित मॉडल से सरकारी संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग करने और स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश की दक्षता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक–निजी भागीदारी मॉडल के तहत ब्राउन फील्ड मेडिकल कॉलेजों में बिहार के निवेशकों को प्रोत्साहन मिले, हमारा उद्देश्य है कि बिहार के लोगों को लाभ हो। बिहार के चिकित्सक जो इसमें भागीदारी करना चाहते है उन्हें प्राथमिकता मिले। स्टेक होल्डर को पब्लिक इंट्रेस्ट में काम करना होगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के महत्व पर बल दिया। सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए मेडिकल कॉलेजों के विकास एवं संचालन की संभावनाओं पर व्यवस्थित रूप से कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राउनफील्ड मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रस्तावों पर आगे की कार्रवाई करते समय आधारभूत संरचना, संचालन व्यवस्था, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे पहलुओं को महत्व दिया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला मुख्यालय के अस्पतालों को उन्नत एवं मजबूत बनाना है। मरीजों को वहां आधुनिक एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। पटना के राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल को और आधुनिक बनाने के लिए काम करें, देश के बड़े आयुर्वेद संस्थानों से इसे जोड़े। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार राज्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न संभावनाओं का आकलन करते हुए जनहित को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, लातेहार।

प्रेस विज्ञप्ति

Ankit Kumar Shukla, Piska More, Ratu Road, Ranchi, Jharkhand संवेदक के द्वारा PMGSY-III (Road) Batch-I, 2022-23) मद अंतर्गत पैकेज संख्या–JH-P3-22-23-LAT-04 का कार्य कराया जा रहा है, जिसका एकरारनामा सं0 SBD-10/2023-24 है एवं एकरारनामा की राशि 9,72,97,043.01(नौ करोड़ बहत्तर लाख संतानवे हजार तैंतालीस रूपये एक पैसा) एवं अनुपूरक एकरारनामा की राशि 58,82,108.00 (अंठावन लाख बयासी हजार एक सौ आठ) रूपये मात्र है, यानि कुल एकरारनामा की राशि 10,31,79,151.01 (दस करोड़ इकतीस लाख उनासी हजार एक सौ इक्यावन रूपये एक पैसा) मात्र है। एकरारनामा के अनुसार कार्य प्रारंभ करने की तिथि 26.09.2023 एवं कार्य समाप्ति की तिथि 25.09.2024 है, जो कार्य पूर्ण करने का समयावधी पूर्व में ही समाप्त हो चुका है। इस कार्यालय का पत्रांक 152 दिनांक 08.02.2025, पत्रांक 360 दिनांक 05.04.2025, पत्रांक 498 (अनु0) दिनांक 10.05.2025, पत्रांक 1043 दिनांक 01.11.2025, एवं पत्रांक 1072(अनु0) दिनांक 21.09.2026 के द्वारा कार्य पूर्ण करने हेतु लिखित आदेश देने के बाद भी आपके द्वारा अब तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, जो खेद का विशय है।

अतः आपको पुनः आदेश दिया जाता है कि कार्य स्थल पर Tools & Plants एवं Man power को बढ़ाते हुए कार्य को युद्ध स्तर पर प्राक्कलन के विशिश्टियों के अनुरूप एवं गुणवत्ता के साथ यथाशीघ्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें। अन्यथा बाध्य हो कर एकरारनामा के शर्तों के अनुसार एकरारनामा को विखण्डन कर अग्रधन एवं जमानत की राशि को जब्त करते हुए आपके निबंधन को काली सूची में डालने हेतु उच्चाधिकारियों को लिख दी जायेगी।

इसे अतिआवश्यक समझें।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल, लातेहार।

PR 391996 REO(26-27)D

ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी, 10 नाबालिग बच्चियां मुक्त, 16 आरोपी गिरफ्तार

सुपौल। जिले में ऑर्केस्ट्रा के नाम पर नाबालिग बच्चियों के शोषण और उनसे काम कराने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी कर पुलिस ने 10 नाबालिग बालिकाओं को मुक्त कराया। वहीं, इस मामले में संलिप्तता के आरोप में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सुपौल पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से 16 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। पुलिस के अनुसार, जिले में ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर नाबालिग बालिकाओं से काम लिए जाने की सूचना पुलिस अधीक्षक सुपौल को प्राप्त हुई थी।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने मामले का सत्यापन कर उस पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक विशेष अपराध–सह–पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) गौरव गुप्ता के नेतृत्व में एएचटीयू, एसजेपीयू एवं महिला थाना की पुलिस टीम को शामिल कर विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने सूचना का सत्यापन करने के बाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान 10 नाबालिग बालिकाओं को मुक्त कराया गया तथा मामले में संलिप्त 16 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सात पुरुषों के नाम–पते प्रेस विज्ञप्ति में दर्ज हैं, जबकि अन्य नौ महिला आरोपियों का विवरण सामूहिक रूप से दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में महिला थाना में कांड दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। मुक्त कराई गई सभी नाबालिग बालिकाओं की पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन कराया जा रहा है। वहीं, गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस की ओर से जारी सूची के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में छपरा जिले के कई निवासी शामिल हैं। इनमें करजाइन थाना क्षेत्र के मायाटोला वार्ड नंबर–03 निवासी जितेंद्र कुमार, तरवारा थाना क्षेत्र के बैरारी वार्ड नंबर–08 निवासी विवेक कुमार, एकमा थाना क्षेत्र के मुढली वार्ड नंबर–02 निवासी सुभांशु कुमार तथा केरा थाना क्षेत्र के तुजारपुर वार्ड नंबर–04 निवासी इमाम अंसारी शामिल हैं। इसके अलावा सुपौल जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के चंपानगर वार्ड नंबर–01 निवासी सोनू कुमार, सीवान जिले के जामो बाजार थाना क्षेत्र के पलटू हाता वार्ड नंबर–05 निवासी विकास कुमार तथा सुपौल जिले के किशनपुर थाना क्षेत्र के मौजहा निवासी राजेश मेहता उर्फ राजेश जी का नाम भी सूची में शामिल है। शेष नौ महिला आरोपितों के नाम और पते प्रेस विज्ञप्ति में अलग–अलग दर्ज नहीं किए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नाबालिग बालिकाओं को शोषण से बचाने और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मामले में आगे की जानकारी जांच और पुलिस की अगली कार्रवाई के बाद सामने आएगी।

राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर के भाई की गोली मारकर हत्या

मधेपुरा। मधेपुरा में अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक घैलाढ़ थाना क्षेत्र के इनरवा गांव निवासी सुनील यादव के पुत्र प्रिंस यादव है। मृतक प्रिंस यादव राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर के ममेरे भाई थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, प्रिंस यादव अपने घर से मधेपुरा विश्वविद्यालय आ रहे थे। इसी दौरान साहुगढ़ नहर से करीब 200 मीटर पश्चिम अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने से युवक की मौत हो गई। हालांकि, घटना के पीछे की वजह और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही मधेपुरा सदर विधायक प्रो. चंद्रशेखर यादव सदर अस्पताल पहुंचे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपराधियों की पहचान, हत्या के कारण और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

संगम

Date : 16.10.2026

Draw Time	2nd Pr.No.	Draw Time	2nd Pr.No.
09.00 a.m.	56	02.30 p.m.	16
09.30 a.m.	78	03.00 p.m.	73
10.00 a.m.	62	03.30 p.m.	79
10.30 a.m.	15	04.00 p.m	81
11.00 a.m.	58	04.30 p.m.	48
11.30 a.m.	25	05.00 p.m.	23
12.00 noon	19	05.30 p.m.	91
12.30 a.m.	38	06.00 p.m.	77
01.00 p.m.	44	06.30 p.m.	92
01.30 p.m.	29	07.00 p.m.	
02.00 p.m.	38	Contact for result :	

011-4045 1774, 011-4045 1775

चेतक

09.00 a.m.	01	02.30 p.m.	22
09.30 a.m.	59	03.00 p.m.	54
10.00 a.m.	33	03.30 p.m.	62
10.30 a.m.	11	04.00 p.m.	10
11.00 a.m.	79	04.30 p.m.	59
11.30 a.m.	03	05.00 p.m.	98
12.00 noon	12	05.30 p.m.	31
12.30 a.m.	67	06.00 p.m.	53
01.00 p.m.	26	06.30 p.m.	31
01.30 p.m.	31	07.00 p.m.	
02.00 p.m.	13	Contact for result :	

011-40451770, 011-40451771, 011-40451772

सुपर

09.00 a.m.	87	02.30 p.m.	34
09.30 a.m.	80	03.00 p.m.	02
10.00 a.m.	61	03.30 p.m.	87
10.30 a.m.	47	04.00 p.m.	63
11.00 a.m.	08	04.30 p.m.	54
11.30 a.m.	61	05.00 p.m.	13
12.00 noon	59	05.30 p.m.	86
12.30 a.m.	67	06.00 p.m.	56
01.00 p.m.	24	06.30 p.m.	84
01.30 p.m.	97	07.00 p.m.	
02.00 p.m.	54	Contact for result :	

011-4045 1993, 011-4045 1994

www.playindialottery.com
Contact No. : 09 555 999 608

राजरानी कूपन

Name	Time	2nd Pr.No.	Name	Time	2nd Pr.No.
PAHLA DAO	8.30 a.m.	52	MILLENNIUM	2.00 p.m.	54
SUBEHA	9.00 a.m.	98	100	2.30 p.m.	12
KIRAN	9.30 a.m.	63	DIAMOND	3.00 p.m.	79
HINDUSTANI	10.00 a.m.	57	SONA	3.30 p.m.	33
PRABHAT	10.30 a.m.	36	EXPRESS	4.00 p.m.	48
LAJBAB	11.00 a.m.	43	SPECIAL	4.30 p.m.	29
SAMRAT	11.30 a.m.	01	SANDHYA	5.00 p.m.	52
DELUX	12.00 noon	25	CHANDANI	5.30 p.m.	78
AFTERNOON	12.30 a.m.	33	SHAM	6.00 p.m.	27
KING	1.00 p.m.	14	EVENING	6.30 p.m.	61
ROYAL	1.30 p.m.	62			

Cont. for result : 011-40451995
020-27413666, 020-27414666
www.playrajarani.com

राजश्री

Date : 16.10.2026

Time	Pr. No.	Time	Pr.No.
09.00 a.m.	04	02.00 p.m.	83
09.30 a.m.	39	02.30 p.m.	39
10.00 a.m.	28	03.00 p.m.	88
10.30 a.m.	91	03.30 p.m.	12
11.00 a.m.	06	04.00 p.m.	57
11.30 a.m.	21	04.30 p.m.	99
12.00 noon	80	05.00 p.m.	75
12.30 p.m.	06	05.30 p.m.	03
01.00 p.m.	53	06.00 p.m.	68
01.30 p.m.	40	06.30 p.m.	51

Contact for result:
011-40451992, 020-27416009
www.playrajshree.com

ऑनलाइन कैसीनो खेलिए
www.playindiagame.com
Contact No. : 09555999608

-: कार्यालय :-
प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल।
-: आवश्यक सूचना :-

भारतीय वन अधिनियम 1927 (बिहार संशोधन अधिनियम 1989) की धारा–52 के अंतर्गत अधिहरण वादों की सूचना।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लातेहार वन प्रमण्डल, लातेहार अन्तर्गत जप्त वाहनों एवं जप्त वन पदार्थ से संबंधित विभिन्न वादों में सुनवाई निर्धारित की जाती है जो निम्नवत है :–

क्र0 स0	अधिहरण वाद संख्या	वाद प्रारम्भ की तिथि	सुनवाई की तिथि	अभियुक्त का नाम	वाहन का प्रकार / वाहन संख्या	जप्त वन पदार्थ
1	09/2026	26.09.2026	28.10.2026	1. अरविन्द राणा, पिता–रूपचन्द राणा, 2. संतु राणा, पिता–रूपचन्द राणा, 3. जयराम राणा, पिता–स्व0 जगेश्रव राणा 4. महादेव राणा, पिता–सुखारी राणा 5. प्रेम राणा, पिता–स्व0 वीणा राणा 6. प्रवेश राणा, पिता–स्व0 विष्णु राणा 7. दिनेश राणा, पिता–प्रवेश राणा 8. रूपचन्द राणा, पिता–स्व0 जगेश्वर राणा 9. मिना देवी, पति–अरविन्द राणा 10 प्रियंका देवी, पति–संतु राणा सभी ग्राम–गड़गोमा, थाना–बारियातु, जिला–लतेहार।	-	साल बोटा 10 पीस
2	10/2026	12.10.2026	18.11.2026	1. सुरेन्द्र मांझी, पिता–सुखदेव मांझी ग्राम–पिपराकला, थाना–मनिका जिला–लातेहार 2. बसंत बैठा, पिता–श्यामजीत बैठा, ग्राम–रांकीकला, थाना–मनिका, जिला–लातेहार	TATA ACE Gold Reg. No. JH03-AG-0739	साल चौखट 30 पीस

समाचार पत्र के माध्यम से उपर्युक्त अभियुक्तों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि को 11:00 बजे पूर्वाह्न में प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे, अन्यथा यह समझा जायेगा कि आपको इस विषय में कुछ नहीं कहना है तथा एकतरफा सुनवाई करते हुए जप्त वन पदार्थ को सरकार के पक्ष में अधिहरित कर लिया जायेगा।

PR 391938 Forest, Environment and Climate Changes(26-27)D

प्राधिकृत पदाधिकारी
–सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल।

राघोपुर नाव हादसा : सीओ दीपक कुमार पर गिरी गाज, पातेपुर के अंचल अधिकारी को मिला प्रभार

वैशाली। वैशाली जिले के राघोपुर में हुए नाव हादसे के बाद सीओ दीपक कुमार पर गाज गिरी है। मामले में जिला प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए सीओ दीपक कुमार को हटा दिया। वैशाली के जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय ने यह जानकारी दी। आदेश में कहा गया, पोसवाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह के अंचल संबंधी कार्यालयीय कार्यों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राघोपुर अंचल की प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव किया है। प्रभात कुमार, अंचल अधिकारी, पातेपुर को उनके वर्तमान दायित्वों के अतिरिक्त अंचल अधिकारी, राघोपुर का प्रभार सौंपा गया है। उन्हें अविलंब प्रभार ग्रहण कर अंचल से संबंधित सभी कार्यों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आदेश के अनुसार, राघोपुर के अधिसूचित अंचल अधिकारी दीपक कुमार को अगले आदेश तक जिला जन शिकायत कोषांग, वैशाली में प्रतिनियुक्त किया गया है। इसमें कहा गया कि जिला पदाधिकारी की ओर से जारी उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बता दें कि हाल ही में वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र में हुए नाव हादसे में 13 बच्चों की मौत हो गई, जबकि छह लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह के अनुसार, मृतकों में नौ बच्चियां और चार बच्चे शामिल थीं। सभी की उम्र 15 वर्ष से कम थी। बताया गया कि रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला में एक घर पर भोज का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के दूसरी ओर जा रहे थे। इसी दौरान बीच पानी में पहुंचते ही नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। यह भी बताया गया कि संबंधित नाव का पहले भी परिचालन किया जा रहा था। रेस्क्यू के दौरान सभी 13 शव बरामद किए गए। वहीं, छह लोगों को सुरक्षित निकालकर इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती कराया गया। इनमें दो वयस्क पुरुष और चार बच्चियां शामिल हैं।

सूचना

मैं मुनिमा कुमारी, पति–देवनारायण महतो, उम्र–29 निवासी– ग्राम– सदमाकला, पो0+थाना– पेटरवार, जिला– बोकारो, झारखंड में रहती हूँ। न्यायालय कार्यपालक दंडाधिकारी बेरमो तेनुघाट के शपथ पत्र संख्या–7898 दिनांक–12/10/2026 के मुताबिक मेरी पुत्री का वास्तविक नाम तानिया कुमारी है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या–2022 : 20–04611–000257 दिनांक–11/02/2022 में अंकित है, लेकिन मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या– 6771 2861 5005 में उसका नाम तानिया मेहता अंकित है जो गलत है। तानिया कुमारी और तानिया मेहता एक ही लड़की का नाम है, जो मेरी पुत्री है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

डी0एम0एफ0टी0 मद से चतरा जिलान्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदको से द्वि (Two) लिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या :–RDD/SD/CHATRA/35/2026-27

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाणविपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
1	हण्टरगंज	औरू	औरू	निमियाटांड़ राजेन्द्र यादव के घर से बरवाटांड़ भुईयां टोली होते हुए डटमी सिमाना तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	99,77,000.00	1,99,600.00	10000	6 माह	द्वि (Two)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–17.10.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–17.10.2026 से दिनांक–26.10.2026 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –28.10.2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं०–9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,चतरा

PR 391952 Rural Development(26-27).D

गबन मामले में जेल में बंद डीपीओ को मिली बड़ी राहत

भागलपुर। जिला शिक्षा विभाग में हुए बहुचर्चित 98.12 लाख रुपये के सरकारी राशि गबन मामले में जेल की सलाखों के पीछे बंद डीपीओ शशि रंजन चौधरी को अदालत से बड़ी राहत मिली है। निगरानी की विशेष अदालत ने सुनवाई करते हुए आरोपी डीपीओ को एक माह की प्रोविजनल बेल मंजूर कर दी है। अदालत ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केस के जांच अधिकारी को कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अधिकारी एक माह की निर्धारित अवधि के भीतर मामले से जुड़ी केस डायरी और मामले से संबंधित साक्ष्यों को लेकर अदालत में हाजिर हों। इस जांच रिपोर्ट और सबूतों की गहन समीक्षा करने के बाद ही अदालत आरोपित की नियमित जमानत याचिका पर आगे का निर्णय लेगी। उल्लेखनीय है कि यह पूरा घोटाला शिक्षा विभाग में एक फर्जी शिक्षिका के नाम पर अवैध भुगतान से जुड़ा है।

कार्यालय
कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार
(E-mail ID- nrep-lat@jharkhandmail.gov.in)

सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि PR 386586 NREP (26-27) D द्वारा प्रकाशित अल्पकालिन निविदा आमंत्रण, सूचना संख्या – 17 / 2026 - 27 / EE / NREP / LATEHAR के क्रमांक संख्या 02 में अंकित ग्रुप संख्या 42 / 2026 – 27 को अपरिहार्य कारण से रद्द किया किया जाता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
एन0आर0ई0पी0,
लातेहार

PR 391936 NREP (26-27) D"

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्याः 29-MCW-Welder Helper-26-27, धनबाद, दिनांक : 16.10.2026

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम : PEH, PTRU, BRWD एवं OBRA में सभी प्रकार के गैस कटिंग एवं वेल्डिंग कार्यों के लिए वेल्डर एवं हेल्पर की आउटसोर्सिंग, 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए। संविदा की अवधि : 03 वर्ष (36 माह)। कार्य – स्थान : पाथरडीह (PEH), पतरातू (PTRU), बरवाडीह (BRWD), और ओबरा (OBRA), अनुमानित बोली मूल्यः₹18,15,92,242.56 (रुपये अठारह करोड़ पन्द्रह लाख बानवे हजार दो सौ बयालीस और पैसे छप्पन मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य : ₹10,000/–(रुपये दस हजार मात्र), बयाना राशि (निविदा सुचना के तदनुसार) : 10,58,000/– (रुपये दस लाख अट्ठावन हजार मात्र), ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय : तारीख 23.10.2026 से 06.11.2026 को 11:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय : 06.11.2026 को 11:30 बजे। बेब साईट विवरण : http://www.ireps.gov.in (ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी)।

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/1147/डीएचएन/यां./टी/26–27/36

झारखंड के सुप्रसिद्ध ज्योतिष अशोक स्वामी

की भविष्य वाणियां पूर्व में सत्य हुई थी। नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री बनना। नौकरी- व्यापार- विवाह-मुकदमा-डीप्रेशन-समस्त समस्याओं का समाधान हेतु सम्पर्क करें। न्यू मार्केट- रातु रोड पुराना बस स्टैण्ड, रांची। समय 10 से 3 बजे अपर बाजार गौशाला चौक, रांची। समय 4 से 7 बजे तक। फोन-9334436190, 8789946183

वर्गीकृत विज्ञापन तथा वर्गीकृत सजावटी विज्ञापन बुकिंग हेतु सम्पर्क करें- फोन-9102994324 मोबाइल नं॰ 8340658459

झारखंड में पहली बार नेशनल फॉरेस्ट्री कांग्रेस का आयोजन, जुटेंगे देशभर के वैज्ञानिक व नीति निर्माता

रांची। झारखंड में पहली बार नेशनल फॉरेस्ट्री कांग्रेस 2026 का आयोजन 10 से 12 दिसंबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन का उद्देश्य वानिकी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना है। झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने शुक्रवार को वन भवन में पत्रकार वार्ता में बताया कि झारखंड वन विभाग भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून और इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट प्रोडक्टिविटी, लालगुटवा के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक कुमार ने कहा कि फॉरेस्ट्री यानी वानिकी केवल पेड़ों और जंगलों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका संबंध जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन, वन्यजीव संरक्षण और लोगों की आजीविका से भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस में 12 प्रमुख थीम पर चर्चा की जाएगी। इनमें जल विज्ञान, वन्यजीव, आजीविका, वन शासन और जलवायु परिवर्तन समेत वानिकी से जुड़े कईमहत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। उन्होंने बतायाकि इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे शोध और अनुभवों के आधार पर पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान तलाशना है। आयोजन के दौरान अलग-अलग विषयों पर समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिन वैज्ञानिकों और शोधार्थियों के शोध सार स्वीकार किए जाएंगे, उन्हें अपने शोध प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए मौखिक प्रस्तुति और पोस्टर प्रस्तुति की व्यवस्था रहेगी। पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से भी प्रतिभागी अपने शोध, निष्कर्ष और विचार विशेषज्ञों के सामने रख सकेंगे। उन्होंने बताया कि नेशनल फॉरेस्ट्री कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य वानिकी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को एक साझा मंच पर लाकर ठोस सुझाव और समाधान विकसित करना है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच सतत वन प्रबंधन को बढ़ावा देना भी इसकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। आयोजकों को उम्मीद है कि इस आयोजन से वैज्ञानिक शोध, नीतिगत विचारों और जमीनी अनुभवों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण और जलवायु सुनिश्र्चित करने की दिशा में मदद मिलेगी।

जतरा आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक : मंत्री

रांची। मांडर में 40 पड़हा मुड़मा जतरा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की शामिल हुए। बैठक में आगामी 27 और 28 अक्टूबर कोआयोजित होने वाले इस जतरा के आयोजन, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात और स्वच्छता व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। साथ ही कई मुद्दों पर रणनीति बनाई गई। इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि 40 पड़हा मुड़मा जतरा आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उरांव और मुंडा समुदाय के सामाजिक-सांस्कृतिक मिलन स्थल के रूप में इसकी विशिष्ट पहचान है। राजकीय जतरा का दर्जा प्राप्त इस आयोजन में देशभर से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन, जतरा समिति और स्थानीय लोगों के समन्वय से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्र्चित की जाएंगी।

खलारी बाजारटांड़ में जेएमटी ई–रिक्शा शोरूम का उद्घाटन

खलारी। खलारी बाजारटांड़ में श्री रामचंद्र एंड संस के जेएमटी ई–रिक्शा शोरूम का उद्घाटन जेएलकेएम नेता तौहीद क्रांतिकारी और समाजसेवी फारूक नवाब ने किया। इस अवसर पर प्रोपराइटर अनिल अग्रवाल ने बताया कि पूरे झारखंड के लिए जेएमटी ई–रिक्शा की डीलरशिप उनके पास है। ई–रिक्शा की विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि ई–रिक्शा एक बार चार्ज करने पर 120 किलोमीटर तक चल सकता है। इसकी बैटरी पर तीन साल की गारंटी दी जा रही है। शोरूम में नौ सीटर ई–रिक्शा के साथ एक टन वजन क्षमता वाला लोडर रिक्शा भी उपलब्ध है। ग्राहकों के लिए फाइनेंस की सुविधा दी गई है। साथ ही, दुर्गा पूजा के अवसर पर विशेष उपहार भी दिए जा रहे हैं। जेएलकेएम नेता तौहीद क्रांतिकारी ने कहा कि खलारी में जेएमटी ई–रिक्शा का शोरूम खुलना क्षेत्र के लिए अच्छी पहल है। इससे स्थानीय लोगा. को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और ग्राहकों को आसानी से ई–रिक्शा उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर बंसी अग्रवाल, महादेव अग्रवाल, द्वारका अग्रवाल, रामनाथ सिंह, उदय सिंह, संजीव सिंह, शैलेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह और रघुनाथ गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बच्चियों ने मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की वेशभूषा धारण कर शानदार अभिनय किया

बुढ़मू। डीएवी पब्लिक स्कूल बुढ़मू में दुर्गा पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए निबंध लेखन, चित्रकला और हस्तशिल्प जैसी कई प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुति रही। बच्चियों ने माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की वेशभूषा धारण कर शानदार अभिनय किया। त्रिशूल और अस्त्र–शस्त्र लिए महिषासुर मर्दिनी के रूप में सजी इन बालिकाओं के प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की जीत और असीम नारी शक्ति का प्रतीक है। साथ ही बच्चियों ने जिस आत्मविश्वास के साथ माँ दुर्गा के रूपों को मंच पर प्रस्तुत किया है, वह बताता है कि हमारी बेटियां समाज का सशक्त आधार हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ–साथ अपनी समृद्ध संस्कृति और संस्कारों से जोड़े रखना है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अंततः प्रसाद वितरण के साथ ही इस भक्तिमय आयोजन का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ।

नेहरू गर्ल्स हॉकी में झारखंड की बेटियों का जलवा, मध्य प्रदेश को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं

रांची। शिवाजी स्टेडियम दिल्ली में आयोजित 32वें चरणजीत राय नेहरू गर्ल्स हॉकी टूर्नामेंट में, झारखंड टीम ने मध्य प्रदेश को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। यह जानकारी शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से जारी बयान में दी गई। परिषद ने अपने बयान में बताया गया कि झारखंड की सीएम एक्सीलेंट गर्ल्स स्कूल, सिमडेगा की खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम की ओर से सानिया तिर्की ने 21वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद रेजिना कुल्लू ने 40वें मिनट और महिमा कुल्लू ने 55वें मिनट में गोल दागकरझारखंड की जीत सुनिश्र्चित की। मध्य प्रदेश विमेन हॉकी अकादमी, ग्वालियर की टीम एक गोल ही कर सकी। शानदार प्रदर्शन के लिए झारखंड की रेजिना कुल्लू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें शाहाबाद हॉकी टीम की कोच गुरमेल कौर ने फ्लैश हॉकी की ओर से सम्मानित किया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग और राज्य खेल कोषांग के सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता नौ से 19 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जा रही है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के मार्गदर्शन में राज्य की टीम प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है। टीम के सहयोगी दल में कोच अभिषेक साहू, आरती बड़ाईक, मैनेजर एमा बारा और फिजियोथेरेपिस्ट निशु डुङ्गी सहित अन्य लोग शामिल हैं।

मुख्यमंत्री से नेमरा में मिलीं रानी कुमारी

श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर दिवंगत रूपी सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची। नारी शक्ति सेना गुलाबी गैंग की अध्यक्ष रानी कुमारी ने नेमरा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। साथ ही, स्वर्गीय रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान रानी कुमारी ने श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और सनातन मूल्यों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मां के नाम से गीता भेंट करना उनके लिए भावनात्मक रूप से विशेष रहा। उन्होंने इस माध्यम से मां के प्रति सम्मान और श्रद्धा का संदेश दिया।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा की दो दिवसीय प्रदर्शनी 26 व 27 को

रांची। मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा की तरफ से दो दिवसीय श्रीजन स्पाकेल प्रदर्शनी 26 व 27 अक्तूबर को अग्रसेन भवन में लगाया जाएगा। पोस्टर विमोचन शाखा सदस्यों द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष नेहा सरावगी, सचिव रीता मोदी, कोषाध्यक्ष निधि सराफ, श्वेता सरावगी, राशि सरावगी नम्रता बागला शालू सिंघानिया आकृति सिंघानिया करिश्मा बागला प्रीति अग्रवाल सौम्या जैन व अनामिका केडिया आदि उपस्थित थी।

विजेता टीम पतरातू को खस्सी व 31 हजार रुपए व उपविजेता को 21 हजार देकर सम्मानित किया गया

बुढ़मू। स्वर्गीय लाल अजय नाथ शाहदेव फुटबॉल टूर्नामेंट उरुगुट्टू का फाइनल मैच उरगुटूट मैदान मे संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप मे पूर्व जिप सदस्य सह आजसू पार्टी रांची जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी उपस्थित हुए. मुख्य अतिथि हकीम अंसारी ने फुटबॉल को किक मारकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया गया. मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे ठाकुरगाव थाना प्रभारी शुभम कुमार, लाल नीलमणि नाथ शाहदेव उपस्थित हुए। फाइनल मैच नन्दू बर्दश बरियातू बनाम एलेवन स्टार क्लब पतरातू के बीच खेला गया. जिसमें एक गोल से पतरातू की टीम विजय रही. मौके पर अतिथियो के हाथो विजेता टीम को एक ट्रॉफी एवं खस्सी और 31 हजार रुपए नगद, उपविजेता को ट्राफी एवं खस्सी और 21हजार रूपये नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया. वहीं टूर्नामेंट मे तृतीय एवं चतुर्थ पुरस्कार के रूप मे ट्रॉफी एवं खस्सी और 5–5 हजार रूपये नगद पुरस्कार दे कर टीमों को सम्मानित किया गया. मौके पर मुख्य अथिति पूर्व जिप सदस्य हकीम अंसारी ने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों पर इस तरह के आयोजन होने पर क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का एक अच्छा मंच मिलता है. साथ ही कहा कि मेरा हमेशा से कोशिश रही है कि, ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को एक अच्छा मंच दे कर उन्हें प्रोत्साहित कर आगे तक ले जाने में सहयोग करू. टूर्नामेंट को सफल बनाने में आजसू पार्टी के कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, कमेटी के अध्यक्ष लाल मृत्युंजय नाथ शाहदेव, सचिव जुलकर नैन, कोषाध्यक्ष मनरूदीन अंसारी, राजू नायक, आजाद अंसारी, खुर्शीद अंसारी, मनोज महतो, फारूक राजा, प्रेम प्रकाश सिंह, साहिल अंसारी, आकिब अंसारी, कमरूल होदा, जिलानी अंसारी, नजीर अंसारी, रणविजय नाथ शाहदेव, मणिनाथ महतो, सुरेश महतो का सराहनीय योगदान रहा।

राज्यपाल ने बूटी मोड़ व हरमू रोड में पूजा पंडालों का किया उद्घाटन

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को रांची के बूटी मोड़ स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया तथा सभी राज्यवासियों को नवरात्रि व दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी पर बनी रहे तथा झारखंड निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो। इस बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को हरमू रोड स्थित पिंजरा पोल (गौशाला) परिसर में कल्पना लोक, दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल ने सभी राज्यवासियों को नवरात्रि व दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा के प्रतीक हैं। यह पर्व हमें शिक्त, भिक्त, सदाचार तथा नारी शिक्त के सम्मान का संदेश देते हैं। उन्होंने मां दुर्गा से समस्त राज्यवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की।

खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने छह लाभार्थियों को सौंपे 2.25 लाख के चेक

रांची। खिजरी के विधायक राजेश कच्छप ने मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष के तहत शुक्रवार को अपने आवास लुपुंगटोली में विधानसभा क्षेत्र के छह पीड़ित लाभार्थियों को 2,25,000 रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे। यह राशि विधायक की अनुशंसा पर स्वीकृत हुई थी। इस अवसर पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनता के हर सुख-दुःख में वे और उनकी सरकार साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधानके लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। चेक प्राप्त करने वालों में मोहम्मद इरफान अंसारी (इरबा, ओरमांझी निवासी को) 40,000 रुपये, सोनी देवी (मौसीबाड़ी, धुर्वा निवासी को) 40,000 रुपये, सबा परबीन (सिठियो, नामकुम निवासी को) 40,000 रुपये, अनुराग लकड़ा (कवाली, नामकुम निवासी को) 35,000 रुपये, स्नेहलता सिंह (आनन्द मार्केट, धुर्वा निवासी को) 35,000 रुपये तथा रामा शंकर सिंह (धुर्वा, रांची निवासी को) 35,000 रुपये की सहायता दी गई। चेक वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से रिजवान अंसारी, उप प्रमुख संजीव कुमार सिंह, नईम अंसारी, विधायक प्रतिनिधि (अल्पसंख्यक), मसाउल्ला अंसारी, सदर, कल्याण लिंडा, शिवदास गोस्वामी, अशोक बेदिया, प्रणव कुमार, साकिर अंसारी, छोटेलाल महतो, हरिश गंझू, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक और पंचू तिर्की सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

देवी दर्शन 'तरंग' आध्यात्मिक कला उत्सव में भगवान विष्णु के दशावतार की जीवंत झांकी ने मोहा दर्शकों का मन

भक्ति, आस्था और सनातन संस्कृति की दिव्य प्रस्तुति को दर्शकों से मिली सराहना

राची। श्रीवैष्णवी शिवराम सेवा संस्थान के तत्वावधान में माता वैष्णवी के पावन देवी–दर्शन वैष्णो धाम में शारदीय नवरात्र में 15वें देवी दर्शन महोत्सव–2026 समारोह के छठवे दिवस भी प्रातः 8 बजे से मण्डप पुजन, देवी भागवत परायण पश्चात्संकल्पकर्ताओं द्वारा सामूहिक कलशों की पूजा अर्चना के बाद आरती की गई। देवी दर्शन 'तरंग' आध्यात्मिक कला उत्सव के मंच पर भगवान विष्णु के दशावतार पर आधारित भव्य आध्यात्मिक जीवंत झांकी का शानदार मंचन किया गया। इस दिव्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं से रूबरू कराया। भगवान विष्णु के दशावतार की जीवंत झांकी के माध्यम से धर्म की स्थापना, अधर्म के विनाश और मानव कल्याण का संद. `श प्रस्तुत किया गया। कलाकारों की आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण अभिनय और सजीव प्रस्तुति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम ने दर्शकों के मन में आध्यात्मिक भाव जगाने के साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना को भी प्रबल किया। देवी–दर्शन महायज्ञ महोत्सव समिति के अध्यक्षा डॉ वंदना कुमारी सपतिक डॉ रंजीत कुमार ने सभी संकल्पकर्त्ता श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों को छठवे दिन के पूजा में सहभागी होने के लिए धन्यवाद दिया तथा माता वैष्णवी से समस्त भक्तगणों की मनोकामना पूर्ति के लिए आराधना की। इस समारोह में समिति के अन्य सदस्यों के साथ विनय कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, राहुल कुमार, राजीव कुमार सिंह, प्रवीण भरद्वाज तथा समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थें।

महायज्ञ का शुभारंभ आज– 17 अक्तूबर को माता कालरात्रि के दिव्य स्वरूप का आह्वान के साथ महायज्ञ का शुभारंभ होगा। जहां सामूहिक कलश पूजन, श्रीचण्डी पाठ, प्रवचन एवं रामायण नवाह पाठ, 'तरंग' आध्यात्मिक कला उत्सव मुख्य आकषर्ण के रूप में होगा। विदित हो कि सामूहिक सहस्त्राधिक कलश–स्थापन एवं समस्त धार्मिक–अनुष्ठान तथा कलश–पंजिकरण, दान एवं सहयोग आदि सभी कार्य ऑफलाईन के साथ–साथ ऑन–लाईन भी किए जाते हैं।

पृष्ठ एक के शेष

यौन शोषण के आरोपी...

देय होगा। प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है। निलंबन की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कोडरमा का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नेमरा स्थित आवास पर मुलाकात कर विगत दिनों ज्ञापन सौपा था। सौपे गए ज्ञापन में बताया गया था कि हजारीबाग जिले की गरीब और बेबस आदिवासी नाबालिग लड़की द्वारा सिविल सर्जन पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। इसके पूर्व भी उन पर यौन शोषण के कई आरोप लगे हैं जिसे वह पैसों और दबदबा की बदौलत दबा दिया करते थे। विगत 10 अक्टूबर दिन शनिवार रात्रि को गिरफ्तार कर कोडरमा जेल भेज दिए जाने के बाबत 5 दिनों के बाद भी उनका निलंबन स्वास्थ्य विभाग द्वारा नहीं किया गया है। जिससे कोडरमा की आम जनमानस में झारखंड सरकार की लोकप्रियता पर सवाल उठ रहे है। वही पीड़िता पर अभियुक्त पक्ष के द्वारा लगातार दवाब दिया जा रहा है जिससे पीड़िता एवं उसके माता-पिता चिकित्सकीय जांच के लिए भयभीत हैं। पीड़िता को सुरक्षा प्रदान करते हुए उसकी जांच कोडरमा जिला के अलावे अन्य स्थानों पर कराने की बात कही गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस दिनांक 10 अक्टूबर 2026 दिन शनिवार रात्रि को डॉ. अनिल कुमार के उरवां स्थित उनके फार्म हाउस पहुंची. जहां से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वहां से उन्हें पूछताछ के लिए तिलैया डैम थाना ले जाया गया. पुलिस ने पीड़िता से भी पूछताछ की. जिसने घटना के संबंध में कई अहम जानकारी दी है।

सीजेपी का 'लहरा दो तिरंगा'...

में दीपके को नोटिस जारी किया था। पुलिस ने चेतावनी दी थी कि बिना अनुमति कनॉट प्लेस में तिरंगा मार्च निकालने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। शुक्रवार दोपहर दिए गए नोटिस पर दीपके के हस्ताक्षर भी कराए गए थे।

दिवंगत मां के श्राद्धकर्म...

निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन भी प्रत्येक रस्म में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागी बन रही हैं और पारंपरिक विधि के अनुसार भोजन एवं प्रसाद परोसने सहित अन्य कार्यों में अपनी भूमिका निभा रही हैं। यह दृश्य केवल एक पारिवारिक संस्कार नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, मिट्टी और पूर्वजों की परंपराओं के प्रति अटूट जुड़ाव का भावुक उदाहरण है। राज्य के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने के बावजूद मुख्यमंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाजों को उसी श्रद्धा से निभाना समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। ग्रामीण परिवेश में मिट्टी के चूल्हे पर भोजन बनाना और पारंपरिक बर्तनों में उसे तैयार करना पीढ़ियों से चली आ रही जीवनशैली का हिस्सा रहा है। झारखंड के आदिवासी एवं ग्रामीण समाज में मृत्यु के बाद किए जाने वाले संस्कारों का विशेष सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है। इन परंपराओं के माध्यम से दिवंगत परिजन के प्रति सम्मान और पारिवारिक जुड़ाव व्यक्त किया जाता है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन की सहभागिता यह दर्शाती है कि आधुनिकता, विकास और प्रतिष्ठा के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा जा सकता है। मां से जुड़ी स्मृतियों और परंपराओं को सम्मानपूर्वक निभाने का यह भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है। यह संदेश देता है कि अपनी मिट्टी, परिवार और सामाजिक संस्कारों से जुड़ाव ही हमारी वास्तविक पहचान है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड...

अपने पत्र में नेता प्रतिपक्ष ने उल्लेख किया कि 19 वर्षीय अंकिता भंडारी की सितंबर 2022 में वनंतारा रिसॉर्ट में विशेष सेवाएं देने से इनकार करने पर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि चार साल बीत जाने के बाद भी उस वीआईपी की पहचान नहीं हो पाई है, जिसके लिए अंकिता पर दबाव बनाया जा रहा था। राहुल गांधी ने दावा किया कि अंकिता के माता-पिता और उत्तराखंड की जनता का आरोप है कि इस अपराध के तार भाजपा नेता दुष्यंत गौतम से जुड़े हैं। उन्होंने संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए चिंता जताई कि राज्यपाल का पद संभालने के बाद गौतम को कानूनी कार्यवाहियों से पूर्ण संरक्षण मिल जाएगा, जिससे सीबीआई की जांच बेअसर हो जाएगी। विपक्ष के नेता ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा की पूरी तरह अनदेखी करते हुए इस नियुक्ति की सिफारिश की है। उन्होंने राष्ट्रपति से अनुच्छेद 74(1) के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करने और इस नियुक्ति पर पुनर्विचार करने के लिए सरकार को निर्देश देने का आग्रह किया। पत्र के अंत में राहुल गांधी ने दिल्ली के इंडिया गेट पर न्याय की मांग कर रहे अंकिता के माता-पिता की पुलिस हिरासत और उनके संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने राष्ट्रपति से भावुक अपील की कि वे देश के एक गरिमामयी पद की शुचिता की रक्षा करें और पीड़ित माता-पिता की न्याय की आखिरी उम्मीद को टूटने से बचाएं।

आखिर ये चल क्या...

एक्स पर लिखा, मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई बुलाया है। मोदी जी, विदेश मंत्रालय में आपके अधिकारी उलझन में हैं कि आखिर चल क्या रहा है। बेहतर होगा कि आप ही समझा दें। या फिर, अगर आप चाहें तो मैं भी समझा सकता हूं।ۧ राहुल गांधी की यह टिप्पणी भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मुंबई में भारत सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। गोर ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी वहां मौजूद रहेंगे और दिल्ली से अन्य अधिकारी भी मुंबई पहुंचेंगे। अमेरिकी राजदूत ने रुबियो के इस दौरे को श्अधिक पेशेवराना केंद्रितश बताया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से अब तक इस मुद्दे या राहुल गांधी की टिप्पणी पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया था कि भारत के विदेश मंत्री की देश के भीतर होने वाली संभावित बैठकों की जानकारी विदेश मंत्रालय या उसके आधिका. रिक प्रवक्ता की बजाय अमेरिकी राजदूत क्यों दे रहे हैं। उन्होंने इसे असामान्य बताते हुए विदेश मंत्रालय की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत और उज्बेकिस्तान के दौरे पर रहेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार वह पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और उसके बाद भारत में मुंबई और जामनगर का दौरा करेंगे। उनके आधिकारिक कार्यक्रम में नई दिल्ली का कोई पड़ाव शामिल नहीं है। इस वर्ष यह उनकी दूसरी भारत यात्रा होगी। इससे पहले मई में वह क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने नई दिल्ली आए थे।

बच्चों के सोशल मीडिया...

मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाना ही एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है। याचिकाकर्ताओं ने बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल से उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर गहरी चिंता जताई है। याचिका में कहा गया है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित इस्तेमाल बच्चों में डिप्रेशन, घबराहट, चिंता, भावनात्मक परेशानी और कम आत्मसम्मान जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके अलावा, याचिका में बच्चों के व्यवहार से जुड़ा डेटा इकट्ठा करने और ऐसे प्लेटफॉर्म डिजाइन का इस्तेमाल करने का मुद्दा भी उठाया गया है, जिनका मकसद बच्चों को लंबे समय तक प्लेटफॉर्म पर उलझाए रखना होता है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इनमें से कुछ खतरे तुरंत सामने नहीं आते और अक्सर माता-पिता या शिक्षकों को इनका पता तब तक नहीं चलता, जब तक कि काफी नुकसान न हो चुका हो। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है और इसी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का यह नोटिस अहम माना जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि करीब 37 प्रतिशत बच्चे डिप्रेशन, एंग्जायटी (चिंता) और साइबर बुलिंग (ऑनलाइन उत्पीड़न) से पीड़ित हैं। करीब 12 से 13 वर्ष की उम्र के बच्चों में सोशल मीडिया के कारण चिंता और अवसाद का खतरा दोगुना हो जाता है।

झारखंड में संयुक्त चिकित्सकों...

बिहार के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। सामान्य, दंत एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों को इसका लाभ देने और वित्त विभाग के साथ चर्चा कर समाधान निकालने पर भी सहमति बनी। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए डीएसपी स्तर के अधिकारी को नोडल पदाधिकारी नामित करने की पुरानी व्यवस्था फिर लागू होगी। चिकित्सा संस्थानों के पंजीकरण एवं प्रमाणन के लिए एकल खिड़की व्यवस्था तथा इंटर्न और रेजिडेंट चिकित्सकों की प्रोत्साहन राशि के नियमित भुगतान पर भी सहमति बनी है। बैठक में विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला सहित आईएमए, झासा और एचबीआई के प्रतिनिधि मौजूद थे।

अमित शाह ने पंजाब में...

और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि परविंदर के पिता ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार और उसके विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय भी इन दोनों घटनाओं पर पंजाब सरकार से जवाब मांगेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है, संगठित अपराध का खतरा बढ़ रहा है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शाह ने मुख्यमंत्रीभगवंत मान से कहा कि पंजाब की जनता को प्रचार नहीं, जवाब और घोषणाएं नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए। उन्होंने नशे के नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई करने और अपराधियों को मिलने वाले किसी भी राजनीतिक संरक्षण की निष्पक्ष जांच की मांग की। गृहमंत्री ने पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर राज्य को नशामुक्त, गैंगस्टरमुक्त और सुरक्षित बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य नशे के कारोबार पर प्रहार करना, युवाओं के भविष्य की रक्षा करना, अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना और कानून का ऐसा राज स्थापित करना है, जिसमें कोई भी नागरिक भय के साये में जीने को मजबूर न हो।

विदेशी मुद्रा की कमी से जूझ रहे देशों के लिए रुपये में भुगतान को बढ़ावा देना चाहता है भारत : सीतारमण

बैंकॉक। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत उन साझेदार देशों की मदद के लिए रुपए में व्यापार भुगतान को बढ़ावा देना चाहता है, जो विदेशी मुद्राओं की कमी का सामना कर रहे हैं। इससे वे जरूरी वस्तुओं का आयात जारी रख सकेंगे। उन्होंने थाईलैंड के बैंकॉक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान श्अटलांटिक काउंसिलश् के साथ अलग से बातचीत में कहा कि प्रमुख विदेशी मुद्राओं तक पहुंच में कठिनाई का सामना करने वाले देशों को अपनी जरूरत के बावजूद वस्तुओं का आयात जारी रखने में परेशानी होती है। स्थानीय मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था इस समस्या को दूर करने में मदद कर सकती है। सीतारमण ने कहा, श्भारत चाहता है कि उससे सामान आयात करने वाले देश भुगतान रुपए में करें और हम इस काम करने को इच्छुक हैं।श् मंत्री ने कहा कि भारत उन देशों के साथ व्यापार जारी रखने के लिए रुपए और स्थानीय मुद्राओं में भुगतान की सुविधा देने की दिशा में काम कर रहा है, जो विदेशी मुद्रा की कमी का सामना कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा, श्रुपए और स्थानीय मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था हम उन देशों के लाभ के लिए करना चाहते हैं, जिनके पास प्रमुख विदेशी मुद्राओं की कमी है लेकिन उन्हें कुछ वस्तुओं का आयात करना जरूरी है। इसलिए, रुपए में व्यापार के जरिये स्थानीय मुद्राओं में भुगतान संभव बनाने की को. शिश की जा रही है, ताकि व्यापार जारी रह सके।श् उन्होंने कहा, श्यह एक ऐसा तरीका है, जिसे हम समझ चुके हैं और जिस पर काम कर रहे हैं।श्वित्त मंत्री ने कहा कि युद्ध समेत बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण कई देश कर्ज के जाल और भुगतान संतुलन के संकट में फंस गए। बहुपक्षीय विकास संस्थानों को इन समस्याओं

से निपटने में तीन से चार साल तक लग जाते थे लेकिन अब इस तरह की कमियों को दूर किया जा रहा है। बहुपक्षीय सहयोग की व्यवस्था में भारत अधिक सार्थक द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर भी जोर दे रहा है। सीतारमण ने कहा कि भारत कई व्यापार समझौतों पर आगे बढ़ रहा है, जिससे साझेदारियों को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ व्यापार समझौता भारत के पक्ष में नहीं है। सीतारमण ने कहा, श्आसियान देशों के साथ हमारे व्यापार समझौते से उन्हें लाभ मिलने के हम खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह भारत के प्रतिकूल है।श् उन्होंने कहा, श्अगर इस समझौते से आसियान को फायदा होता है, तो हमें खुशी है। लेकिन हम उन चिंताओं का भी समाधान चाहते हैं, जिनका सामना हमें आयातक के तौर पर करना पड़ रहा है और जिनसे हमारे बाजार और विनिर्माता प्रभावित हो रहे हैं।श् उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस समझौते की समीक्षा कर रहे हैं। भारत इसे श्थोड़े बदले हुए स्वरूपश् में जारी रखना चाहता है। सीतारमण ने कहा कि भारत ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र की 16 अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुए क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते से जानबूझकर दूरी बनाए रखी, क्योंकि इसमें भारत के लिए कुछ खास नहीं था। उन्होंने कहा कि भारत इन सदस्य देशों के साथ व्यापार जारी रखे हुए है लेकिन इस समझौते में शामिल होना भारत के हित में नहीं होगा। भारत ने खासकर चीन से होने वाले सस्ते आयात, बढ़ते व्यापार घाटे और घरेलू उद्योगों तथा .षि क्षेत्र के लिए पर्याप्त सुरक्षा के अभाव की आशंकाओं के कारण नवंबर 2019 में क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) से हटने का फैसला किया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने की जरूरत : निर्मला सीतारमण

बैंकॉक।केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि वैश्विक व्यापार और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में भारत -अमेरिका व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीतारमण ने बैंकॉक (थाईलैंड) में अयोजित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान (साउथ एशिया) के रेजिडेंट सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, ۧ दोनों देश के बीच बातचीत अभी चल रही है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक व्यापार और दोनों साझेदारों, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार के हित में, यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा हो जाएगा।ۧ सीतारमण ने कहा कि बीजिंग के साथ कई सालों की बातचीत के बावजूद, बढ़ता व्यापार असंतुलन और चीन में भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच पर लगातार लगी पाबंदियां अभी भी बड़ी चिंता का विषय बनी हुई हैं। केंद्रयी वित्तमंत्री ने बताया कि भारत, तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपनी विकास दर को बनाए रखने में कामयाब रहा है।

केंद्र ने पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, डीजल पर घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर (शुक्रवार) से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए निर्यात होने वाले पेट्रोल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर में कटौती की गई है। एटीएफ के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 10.5 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार रखा गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि इस पखवाड़े के लिए डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर को घटा दिया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क बढ़ाया गया है। वहीं, एविएशन टर्बाइन यूल (एटीएफ) के निर्यात पर शुल्क को 10.5 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि शुल्क में ये बदलाव 16 अक्टूबर से लागू हो गए हैं। अधिसू. चना के मुताबिक डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर कुल मिलाकर अब ये शुल्क 8.5 रुपये प्रति लीटर लगेगा। पहले यह शुल्क 16 रुपये प्रति लीटर था। इसी तरह अगले पखवाड़े के लिए पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 0.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि कि शुल्क में बदलाव 16 अक्टूबर से लागू होंगे। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में संशोधन किया जाता रहा है। वहीं, 16 मई से पेट्रोल के निर्यात पर ये शुल्क लगाया गया था। मंत्रालय नेकहा कि घरेलू खपत के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू स्तर पर ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। इसका उद्देश्य निर्यातकों को अनुचित लाभ उठाने से रोकना भी था, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई थीं।

एलन मस्क के आरोपों पर रिलायंस का जवाब, कहा-

सैटेलाइट कम्युनिकेशन में प्रतिस्पर्धा का स्वागत है, भारत के कानून सभी पर समान रूप से लागू

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि भारत में सैटेलाइट संचार क्षेत्र के लिए बनाए गए नियम घरेलू और विदेशी सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं। कंपनी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब एलन मस्क ने स्टारलिंक को भारत में मंजूरी मिलने में आ रही नियामकीय बाधाओं को लेकर सवाल उठाए हैं। एक बयान में रिलायंस ने कहा, हम सैटेलाइट कम्युनिक. ेशन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का स्वागत करते हैं, जिसमें स्टारलिंक भी शामिल है। कंपनी ने कहा, जियो सहित हर कंपनी को भारत के लोगों की सेवा करनी है और देश के कानूनों तथा नीतियों का पालन करना है।

रिलायंस ने अपने बयान में कहा, हाल के दिनों में रिलायंस और भारतीय बाजार को लेकर की गई टिप्पणियों के मद्देनजर हम तथ्यों को स्पष्ट करना चाहते हैं। हर भारतीय कंपनी की तरह रिलायंस भी ऐसे भारत में विकसित हुआ है, जो निवेश और नवाचार का स्वागत करता है, चाहे वह देश में विकसित हो या विदेश से आए, बशर्ते उससे लोगों के जीवन में सुधार हो। कंपनी ने आगे कहा कि यह खुलापन कानून के शासन पर आधारित है। भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह भारतीय और विदेशी, सभी आवेदकों के लिए समान प्रक्रिया अपनाती है। जियो की अपनी सैटेलाइट सेवाएं भी अभी विभिन्न मंजूरियों का इंतजार कर रही हैं। रिलायंस ने कहा कि उसने कभी प्रतिस्पर्धा से डर महसूस नहीं किया है। उसने कहा, हम इसे इस बात की सबसे बड़ी परीक्षा मानते हैं कि ग्राहकों की बेहतर सेवा कौन दे सकता है। जियो ने भी वर्ष 2016 में भारत के अत्यंत प्रतिस्पर्धी दूरसंचार बाजार में एक नए खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया था, जब उसके पास एक भी ग्राहक नहीं था। कंपनी ने आगे बताया कि केवल 10 वर्षों में जियो ने 53 करोड़ से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीता है और भारतीयों को दुनिया के सबसे बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सबसे किफायती डेटा सेवाओं में से एक उपलब्ध कराई हैं।

बाजार में लौटी रौनक, लगातार दूसरे दिन बढ़ा सेंसेक्स, निफ्टी 23,100 के पार

आईटी और बैंकिंग सेक्टर में हुई खरीदारी से निवेशकों की झोली में आये 82,560 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। वैल्यू बाइंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार लिवाली के दम पर शुरुआती गिरावट से उबरते हुए घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शानदार बढ़त के साथ बंद हुआ। आजके कारोबार की शुरुआत बढ़त के सात हरे निशान में हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि पहले बीस मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांक निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी करने में सफल रहे। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 765 अंक से अधिक ऊपर चढ़ गया। इसी तरह निफ्टी भी निचले स्तर से 235 अंक से अधिक की छलांग लगा कर करीब तीन सप्ताह बाद एक बार फिर 23,100 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार बंद होने में कामयाब रहा। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.56 प्रतिशत और निफ्टी 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार में आज आई इस रौनक की वजह से शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में लगभग 82 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई का सेंसेक्स आज 25.47 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74,341.08 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से बिकवाली का दबाव बढ़ गया। लगातार हो रहीबिकवाली के दबाव की वजह से यह सूचकांक अपनी शुरुआती बढ़त खोकर कुछ ही देर में लाल निशान में गिर गया। कमजोरी के इस दौर में सेंसेक्स 302.62 अंक यानी 0.41 प्रतिशत टूट कर 74,012.99 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। हालांकि यह गिरावट ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने निचले स्तर पर लिवाली का ऐसा

जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स ने न केवल अपनी पूरी गिरावट की भरपाई कर ली, बल्कि दिन के निचले स्तर से 765.79 अंक की शानदार छलांग लगाने में भी सफल रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 463.17 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,778.78 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली की वजह से सेंसेक्स दिन के अपने ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 413.66 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,729.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 67.75 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,065.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवालों के हावी होने से निफ्टी भी अपनी बढ़त गंवाकर कुछ ही देर में लाल निशान में पहुंच गया।लगातार हो रही शेयरों की बिक्री के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 151.30 अंक फिसल कर 83.55 अंक की कमजोरी के साथ 22,913.80 अंक के निचले स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार को आईटी और हैवीवेट बैंकिंग शेयरों का मजबूत सहारा मिला, जिससे निफ्टी तेज रिकवरी करने में सफल रहा। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले घंटे का कारोबार होने के कुछ देर बाद ही ये सूचकांक दिन के निचले स्तर से 236.05 अंक उछल कर 152.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,149.85 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 148.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,146.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों की लगातार खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 3.92 प्रतिशत की जबरदस्त मजबूती हासिल करने में सफल रहा।

स्वामी ज्ञानमण्डल प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक **अमित कुमार अग्रवाल** एवं मुद्रक **नागेन्द्र सिंह** द्वारा आज हिन्दी दैनिक (बिहार समाचार पत्र प्रा.लि.), प्लाट नं. 15, 16 नामकुम इंडिस्ट्रियल एरिया, नामकुम रांची से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक : शार्दूल विक्रम गुप्त

कार्यकारी स्थानीय सम्पादक-व्यवस्थापक:
अमित कुमार अग्रवाल

वाराणसी: संत कबीर मार्ग, **गोरखपुर:** बैंक रोड, **प्रयागराज:** 3, लीडर रोड, **कानपुर:** बासमंडी, **झांसी:** झोंकनबाग, **लखनऊ:** 1, जांपलिंग रोड, **आगरा:** महात्मा गांधी रोड, **बरेली:** रोड नं. 3, परसाखेड़ा, **पटना:** मजहरूल हक पथ, **जमशेदपुर:** न्यू काली माटी रोड, साकची, **धनबाद:** कतरास रोड

वर्ष 43 (सं. 15173)
रजिस्ट्रेशन सं. आर.एन.सी.: 44305/85
आर.एन.सी. 73

सम्पादकीय: 9102994322-23
प्रसार : 9102994324
विज्ञापन : 9102994324
ajranchi.city@gmail.com
aj_ranchi@rediffmail.com
ranchi_aj@yahoo.com

पी.आर.बी. अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद रांची न्यायालय के अधीन होगा।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल — शनिवार, 17 अक्टूबर 2026

मेष-	परिवार में खुशी, अपेक्षित सहयोग, पुरातन विवाद हल, वातावरण अनुकूल, हर्ष भी।
वृषभ-	स्वास्थ्य की चिन्ता, संकल्प-विकल्प, मानसिक बेचैनी, समस्याएं उत्पन्न, सुख में कमी।
मिथुन-	निराशा का समापन, अनुकूल घटनाएं, मंगल आयोजन, धन निवेश, क्षमता में वृद्धि।
कर्क-	आरोग्यसुख, मित्रों से सहयोग, धनसंचय में प्रवृत्ति, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम।
सिंह-	आर्थिक पक्ष बेहतर, मान-सम्मान की प्राप्ति, धर्म में आस्था, मनोरंजन में रुचि।
कन्या-	उलझनें प्रभावी, शत्रु सक्रिय, राजकीय कष्ट, मान-सम्मान की चिंता, मानसिक तनाव।
तुला-	परिस्थितियों में सुधार, जिम्मेदारियों की पूर्ति, घरेलू वातावरण सुखद, धर्म में आस्था।
वृश्चिक-	साहसिक प्रयास प्रगति पर, वाद-विवाद की निवृत्ति, आश्वासनों से राहत, हर्ष भी।
धनु-	व्यवसाय में विस्तार, प्रगति का प्रयास, कर्ज की अदायगी, आत्मविश्वास में वृद्धि।
मकर-	कार्यों में उदासीनता, कटुवचन से कष्ट, मनोबल में कमी, सुख का अभाव, हानि भी।
कुम्भ-	व्यक्तित्व का विकास, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, वातावरण मनोनुकूल, नौकरी में पदोन्नति।
मीन-	अभीष्टसिद्धि, निराशा का समापन, जनसम्पर्क का सुयोग, धनागम का लाभ, प्रसन्नता।

आज है जिनका जन्मदिन — 17 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 17 का मूलांक 8 का स्वामी ग्रह शनि एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। सूक्ष्मदर्शिता विशेष गुण होगा। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ होगी। बहुत जल्दी क्रोधित हो जायेंगे। आपके जीवन में अनेकों बार उतार-चढ़ाव के क्षण आयेंगे। आपकी महत्वकांक्षाएँ बहुत ऊँची रहेगी। मैं ईर्ष्या भावना अधिक रहेगी। आपके कार्यों में नवीनता की झलक मिलेगी। धार्मिक अध्यात्मिक कृत्यों में झुकाव अधिक रहेगा। क्रोध की स्थिति में अपना ही नुकसान कर लेंगे। सहज ही कुछ भी प्राप्त नहीं कर पायेंगे इसके लिए कठिनाईयों के दौर से गुजरना पड़ेगा। जनकल्याम की ओर रुझान रहेगा। छोटे एवं तुच्छ कार्यों से संतुष्ट नहीं होंगे। कोई भी कार्य जल्दबाजी में नहीं करेंगे। ये व्यक्ति हानि पहुँचाने की दिशा में गुप्त षडयंत्र करेंगे। देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें। दैनिक जीवन में हरा एवं नीला रंग का प्रयोग अधिकतम करें। शनिवार के दिन शनि ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें। शुद्ध शाकाहार जीवन अपनाएँ। सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ शं शनैश्चराय नमः	मास	: जनवरी, अक्टूबर एवं दिसम्बर
व्रत	: शनिवार	वर्ष	: 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	: सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	: हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	: 8, 17, 26	जन्मरत्न	: नीलम उपरत्न : नीली
अंक	: 2, 4, 6, 7	जड़ी	: लाल चन्दन की जड़

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 जनवरी से 20 फरवरी, 20 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

सुडोकू ४०८६

		4						1
	1			6		5		
8			4					
		2	9					
	5					3	6	
			2					4
	3				5			
								9

हल ४०८५ सुडोकू

6	2	1	7	8	4	3	9	5
7	9	8	5	6	3	4	1	2
3	5	4	9	1	2	7	6	8
4	6	2	1	3	5	9	8	7
8	3	9	2	4	7	1	5	6
5	1	7	6	9	8	2	4	3
1	4	5	3	2	6	8	7	9
9	7	3	8	5	1	6	2	4
2	8	6	4	7	9	5	3	1

भारत वापसी की कोशिश में, वेस्टइंडीज की नजर टी–20 सीरीज को जीतने पर

भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में एंट्री, अर्शदीप सिंह को लगी चोट, पांचवें टी20 मैच के दौरान भारी बारिश के साथ तूफान का अलर्ट

बेंगलुरु। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी टी20 सीरीज का आखिरी और निर्णायक मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 17 अक्टूबर को खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें सीरीज जीतने के लिए पूरी ताकत लगाती हुई नजर आएंगी। लेकिन इस रोमांचक मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि बेंगलुरु का मौसम बहुत खराब है और आशंका है कि बारिश की वजह से यह मैच रद्द भी हो सकता है। रात 8 से 9 बजे के बीच तो बारिश की आशंका सबसे ज्यादा यानी करीब 70: तक रहेगी। लगातार 66: से 70: तक बारिश का अलर्ट होने की वजह से टॉस में देरी होने, ओवर कम होने या मैच पूरी तरह रद्द होने का बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

इस मैच से पहले टीम इंडिया के स्क्वॉड में एक बड़ा बदलाव हुआ है। सीरीज के पां. चवें और आखिरी मुकाबले के लिए टीम इंडिया में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी हो गई है। अर्शदीप के चोटिल होने के बाद भुवी को टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई की तरफ से जारी आधिकारिक मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक, अर्शदीप सिंह को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले के दौरान गेंदबा. जी करते वक्त कंधे पर चोट लग गई थी। उनके चोट को ध्यान में रखते हुए भुवी को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, आखिरी टी20 मैच में उनके खेलने या न खेलने को लेकर अंतिम फैसला मैच से ठीक पहले उनकी फिटनेस और रिकवरी को देखकर लिया जाएगा। अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के जुड़ने से टीम के गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूती मिलेगी। भुवनेश्वर अपनी स्विंग गेंदबाजी और डेथ ओवर्स में कसी हुई गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। बेंगलुरु की पिच अमूमन बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, ऐसे में भुवी का अनुभव टीम के बहुत काम आ सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज इस समय 2–2 की बराबरी पर हैं। शाई होप के पास एक टी20 अंत. रराष्ट्रीय सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी मौका है। भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज के चार मैचों में वह 261 रन बना चुके हैं। पहले टी20 में उन्होंने 52 रन बनाए थे। दूसरे मैच में उन्होंने शतक जड़कर वेस्टइंडीज को 250 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। तीसरे मैच में वह पांच रन बनाकर आउट हुए, लेकिन चौथे मुकाबले में फिर शतक जड़ दिया। पांचवें मैच में 71 रन बनाते ही होप इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के 331 रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इसे तोड़ने के लिए उन्हें 71 से अधिक रन, यानी कम से कम 72 रन बनाने होंगे। हालांकि, 331 रन के रिकॉर्ड को पार करने के लिए उन्हें कुल 332 रन तक पहुंचना होगा। इस सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ के एकाना स्टेडियम में हुआ था, जिसमें भारत ने 8 विकेट से जीत हासिल करके 1–0 की बढ़त बनाई थी। इसके बाद रांची में खेले गए दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने 250 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर सीरीज बराबर कर ली। तीसरा मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में हुआ, जहां भारत ने 14 रन से बाजी मारी। इसके बाद हैदराबाद में हुए चौथे मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हरा दिया, जिससे सीरीज अब 2–2 की बराबरी पर आ गई है। अब तीसरे मैच में दोनों टीमें सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत और वेस्टइंडीज की टीमें पहली बार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टी20 मैच खेलती हुई नजर आएंगी।

इस मैदान पर भारत ने अब तक कुल 8 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम इंडिया को 4 में जीत और 3 में हार मिली है, जबकि 1 मैच का कोई नतीजा नहीं निकला था। वहीं दूसरी तरफ, वेस्टइंडीज ने इस मैदान पर सिर्फ 1 ही टी20 मैच खेला है और उनकी टीम को उस मुकाबले में जीत मिली थी। अब इस मैच का नतीजा क्या रहता है ये देखने वाली बात होगी। आखिरी टी20 मैच के लिए टीम इंडिया रू श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप–कप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव, नमन धीर और भुवनेश्वर कुमार।

स्मृति मंधाना के पास 133 रन बना कर इतिहास रचने का मौका

रायपुर। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 सीरीज में स्मृति के पास एक ऐसा ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जो आज तक मेंस या वुमेंस क्रिकेट में दुनिया का कोई भी खिलाड़ी अपने नाम नहीं कर पाया है।

स्मृति मंधाना टी20 इंटरनेशनल में रन बनाने के मामले में मेंस खिलाड़ियों से भी आगे निकल गई हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मेंस क्रिकेटर जैसे बाबर आजम, जोस बटलर, रो. हित शर्मा और विराट कोहली के रन भी स्मृति से कम हैं। अब वह टी20 क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बनने के बेहद करीब हैं। क्रिकेट के इतिहास में आज तक मेंस या वुमेंस क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी टी20 इंटरनेशनल में 5,000 रन नहीं बना पाया है। लेकिन भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना इस मुकाम को हासिल करने के बेहद करीब हैं। उन्होंने अब तक 179 मैचों की 172 पारियों में 2 शतक और 37 अर्धशतकों की मदद से 4867 रन बनाए हैं। अब उन्हें यह ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए सिर्फ 133 रनों की जरूरत है, जिसे वह जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी सीरीज में पूरा कर सकती हैं।

सुहास यथिराज ने जीत से किया आगाज, बांग्लादेश के जॉयतू धर को हराया

नई दिल्ली। पैरालम्पिक रजत पदक विजेता और गत चौम्पियन सुहास एल वाई ने एशियाई पैरा खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में जीत के साथ आगाज करते हुए पुरूषों के एकल एसएल4 ग्रुप ई मैच में बांग्लादेश के जॉयतू धर को सीधे गेम में हराया। प्रशासनिक अधिकारी सुहास ने तोक्यो और पेरिस पैरालम्पिक में रजत पदक जीता था जबकि पिछले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। उन्होंने यह मुकाबला 21 . 8, 21 . 11 से जीता। पुरूषों के एकल एसएल4 वर्ग में अभिजीत सखुजा ने चीनी ताइपै एन चुआन येह को 21 . 17, 21 . 12 से मात दी।

तोक्यो पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता और एशियाई पैरा खेलों के रजत पदक विजेता . ष्णा नागर ने चीनी ताइपै के जिया सियांग लिंग को 21 . 5, 21 . 4 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। एसएच6 वर्ग में एक और भारतीय सिवराजन सोलाइमलाइ ने ग्रुप डी में फिलीपींस के जॉन साइरस मेकलांग को 21 . 7, 21 . 6 से हराया। मिश्रित युगल एसएल3 और एसयू5 ग्रुप ए के मैच में भारत की मनीषा रामदास और प्रमोद भगत ने चीन के लिचुआन शियोंग और टोंगटोंग को 21–16 19–21 21–16 से मात दी।

मानसी जोशी और रूत्विक रघुपति हालांकि अपना मुकाबला हार गए। महिला एकल एसएल3 वर्ग में पूर्व विश्व चौम्पियन मानसी जोशी को चीन की यूमेइ लियू ने 21 . 15, 14 . 21, 21 . 15 से हराया।

डेनमार्क ओपन: त्रीसा–गायत्री की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओडेंस। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त रेचल अलेस्स्या रोज और फेबी सेटियानिंगरम को सीधे गेमों में 21–16, 21–17 से हराया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में कड़े मुक. ाबले के बाद नियंत्रण हासिल किया। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन त्रीसा और गायत्री ने संयम बनाए रखते हुए मुक. ाबला अपने नाम कर लिया। त्रीसा ने पिछले कोर्ट से आक्रामक खेल दिखाया, जबकि गायत्री ने नेट पर मजबूती से मोर्चा संभाला। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती संघर्ष के बाद अपनी रक्षापंक्ति को बेहतर किया और गलतियों पर अंकुश लगाते हुए पहला गेम 21–16 से जीता। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को बरकरार रखा और 21–17 से जीत दर्ज की। त्रीसा और गायत्री ने राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे की चेन यान फेई और ह्सिएह पेई शान को 22–20, 21–14 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मलेशिया की एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन तथा हांगकांग की न्गा टिंग युंग और पुई लाम युंग के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

दोहरे शतक से चूके वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर

विशाखापत्तनम। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपने बल्ले से धमाल मचा दिया। दिल्ली अंडर–19 टीम के कप्तान आर्यवीर ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को चंडीगढ़ अंडर–19 के खिलाफ 143 गेंदों में 173 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी में 19 चौके और आठ छक्के शामिल रहे। यानी उन्होंने अपने 173 में से 124 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए। हालांकि, आर्यवीर दोहरे शतक से 27 रन दूर रह गए। विशाखापत्तनम के एसीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में आर्यवीर ने अपने पिता की तरह पारी की शुरुआत की और चंडीगढ़ के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने सलामी जोड़ीदार अर्नव बुग्गा के साथ 13.2 ओवर में 98 रन की साझेदारी की। बुग्गा ने 39 गेंदों में 47 रन बनाए। दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन आर्यवीर ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। वह पारी के 46वें ओवर में आउट हुए। उनकी शानदार पारी के बावजूद दिल्ली की टीम 50 ओवर में 289 रन ही बना सकी। बुग्गा के अलावा अभिराज गगन सिंह ने 18 और शांतनु यादव ने नाबाद 27 रन बनाए। दिल्ली की ओर से बाकी बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे।

एशियन पैरा खेल तीरंदाजी दल को जापान में अनुभव का मिला मौका

नई दिल्ली। एशियन पैरा खेल के लिए 168 सदस्यों (112 पुरुष, 56 महिला) वाले भारतीय दल को भारत सरकार से भरपूर समर्थन मिला है, ताकि टीम आइची–नागोया से शानदार सफलता के साथ वापस लौटे। टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर, घरेलू प्रशिक्षण, जरूरी उपकरण और विदेश में प्रशिक्षण जैसी कई सुविधाएं दी गई हैं। भारतीय पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के साथ–साथ नेत्रहीन फुटबॉल (ब्लाइंड फुटबॉल) की पुरुष टीम ने इस शुक्रवार को एशियन पैरा खेल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की।

इस दल में शामिल 47 भारतीय एथलीट श्टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीमश (टॉप्स) का हिस्सा हैं, 33 श्खेलो इंडिया एथलीटश हैं, और 61 खिलाड़ी पहली बार इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। इस दल को मुख्य रूप से श्एनुअल कैलेंडर फॉर ट्रेनिंग एंड कॉम्पिटिशनश (एसीटीसी) और टॉप्स के तहत सहायता प्रदान की गई है। एसीटीसी के तहत कुल 80.22 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि टॉप्स के तहत 18.34 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। 11 खेलों के एथलीटों की तैयारियों के लिए, अलग–अलग केंद्रों पर श्नेशनल कोचिंग कैंपश आयोजित किए गए। वहीं, पैरा–तीरंदाजी दल के लिए सितंबर और अक्टूबर के बीच जापान के कुरोबे आर्चरी सेंटर में एक अंतरराष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया गया।

घरेलू स्तर पर, पैरा–तीरंदा. जों ने सोनीपत स्थित श्स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडियाश (साई) के क्षेत्रीय केंद्र में प्रशिक्षण लिया। इसी दौरान, पैरा–तैराकों और पैरा–पावरलिटरों के लिए गांधीनगर स्थित साई क्षेत्रीय केंद्र में शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा, पैरा–एथलीटों ने सितंबर से अक्टूबर के बीच नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, साई सोनीपत और बेंगलुरु स्थित साई क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिवि. रों में हिस्सा लिया। डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में पैरा शूटर्स के लिए कैंप आयोजित किए गए, जबकि ब्लाइंड फुटबॉल खिलाड़ियों ने कोच्चि में प्रशिक्षण लिया। वहीं, इस अक्टूबर में लखनऊ स्थित इंडियन पैरा जूडो अकादमी में ब्लाइंड जूडो एथलीटों के लिए एक कैंप लगाया गया।

नई दिल्ली के साई इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्थित साइकि. लिंग वेलोड्रोम पैरा साइकिलिंग के लिए प्रशिक्षण स्थल रहा। पैरा एथलेटिक्स, पैरा–आर्चरी, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस, बोकिया, ब्लाइंड फुटबॉल, पैरा साइकिलिंग, ब्लाइंड जूडो, पैरा पावरलिटिंग, पैरा शूटिंग और पैरा स्विमिंग। उद्घाटन समारोह 18 अक्टूबर को होना है, जिसमें शटलर प्रमोद भगत और पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल भारत के ध्वजवाहक होंगे। पदक के लिए मुकाबले 19 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे।

डेनमार्क ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा, विश्व के नंबर एक आन से यंग से होगा मुकाबला

ओडेंस। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने डेनमार्क ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने गुरुवार देर रात खेले गए राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में जर्मनी की यवोन ली को 21–17, 21–19 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पहली बार विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से होगा। तन्वी ने यवोन ली के खिलाफ केवल 39 मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सीधे गेमा. ें में मुकाबला अपने नाम किया। तन्वी ने पहले गेम की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। यवोन ली लगातार पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 21–17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जर्मनी की खिलाड़ी ने अधिक चुनौती पेश की। मुक. ाबला अंक–दर–अंक आगे बढ़ा और कई मौकों पर यवोन ने बढ़त भी हासिल की। हालांकि, 16–16 की बराबरी के बाद तन्वी ने लगातार चार अंक जुटाकर निर्णायक बढ़त बना ली। यवोन ने फिर संघर्ष करते हुए स्कोर 19 तक पहुंचाया, लेकिन तन्वी ने लगातार दो अंक हासिल कर 21–19 से गेम और मैच जीत लिया। इससे पहले महिला युगल में भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपी. चंद की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में खेलेगी। भारतीय जोड़ी का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन से होगा।

श्री जानकी रमण मंदिर के दुर्गापूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन, मां के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

विधि–विधान से पूजन के बाद खुला पंडाल का पट, जयकारे से गूंजा मंदिर परिसर

छाया : मनोज

खलारी। श्री जानकी रमण मंदिर खलारी के भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का शुक्रवार शाम विधिवत उद्घाटन किया गया। सीसीएल एनके एरिया के जीएम अमिताभ कुमार तिवारी, उनकी धर्मपत्नी मीनाक्षी तिवारी, मुखिया पारस उरांव सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीएवी के प्राचार्य डॉ. कमलेश कुमार, अरविंद सिंह, राजन सिंह राजा, बीएन पांडेय, अमरभूषण सिंह, राजेश सिंह मिंटू रतन लाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इसके पूर्व बंगाल से आए पुजारी पं. विष्वरूप गोस्वामी के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया गया। उद्घाटन के बाद जयकारे के बीच मां दुर्गा का पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया। पुजारियों ने बोधन और कल्पारंभ का विधान पूरा किया। विधि–विधान से पूजा के बाद आरती की गई और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। अतिथियों का पूजा समिति के सदस्यों ने चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। पट खुलते ही मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। शनिवार सुबह नवपत्रिका प्रवेश के साथ सप्तमी पूजा शुरू होगी। श्री जानकी रमण मंदिर में इस वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव का 78वां वर्ष मनाया जा रहा है। पूजा पंडाल को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। इसकी भव्य सजावट श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मंदिर परिसर में मंत्रोच्चारण और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। पंडाल उद्घाटन के मौके पर पुजारी सर्वानंद दूबे, पूजा समिति के अध्यक्ष रंजन सिंह बिट्टू, सचिव अवधेश यादव, धीरेन्द्र प्रसाद, दिनेश पांडेय, संजय कामत, सोनू सिंह, कुमुद सिंह, अजीत सिंह, पवन राज सिंह, अंबुज कर्मकार, समर सेन, उमाशंकर पांडेय, नगेन्द्र प्रसाद सिन्हा, अरूण चौरसिया, मनोज प्रसाद, .ष्णा नायक, सत्येंद्र सिंह, जोगेष्वर वर्मा, बबलू सिंह, नवीन ठाकुर, राजेश वर्मा, अजय वर्मा, संजय विष्वकर्मा, सुनील कश्यप, अशोक, सूरज, संतोष सिंह, टीएन सिंह, सत्येंद्र खरवार सहित पूजा समिति के अन्य सदस्य और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

श्री जानकी रमण मंदिर खलारी में गरबा–डांडिया से भक्तिमय हुआ माहौल

खलारी। श्री जानकी रमण मंदिर प्रांगण में नवरात्र के अवसर पर गरबा और डांडिया नृत्य का आयोजन जारी है। शुक्रवार को षष्ठी पूजन के साथ महिलाओं और बच्चियों ने उत्साहपूर्वक गरबा और डांडिया नृत्य किया। इस दौरान महिलाओं और बच्चियों ने नृत्य के माध्यम से नवरात्र की खुशियां मनाईं। वहीं मंदिर परिसर में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम में रिद्धि कुमारी, खुशी कुमारी, नैन्सी कुमारी, पिही कुमारी, पिहू उपाध्याय, सोना कुमारी, स्वाति सिंह, कायरा कुमारी, अनन्या सिंह, दिव्या कुमारी, आद्या कुमारी, सोनू कुमारी, तमन्ना कुमारी, एंजल कुमारी और हेमा कुमारी सहित अन्य ने भाग लिया।

चूरी दुर्गापूजा पंडाल का उद्घाटन, श्रद्धालुओं ने किया मां दुर्गा का दर्शन

खलारी। चूरी में शुक्रवार की रात भक्ति और उत्साह के माहौल में दुर्गा पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद मां दुर्गा के पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही पंडाल में मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। पूजा पंडाल का उद्घाटन एनके एरिया के महाप्रबंधक अमिताभ कुमार तिवारी, उनकी पत्नी मीनाक्षी तिवारी, खलारी थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा, इंटक के सीसीएल अध्यक्ष बीएन पांडेय, चूरी परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार और इंदिरा देवी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने मां दुर्गा की विधिवत पूजा–अर्चना की और क्षेत्र की सुख–समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। दुर्गा पूजा को लेकर चूरी क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना हुआ है। पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।कार्यक्रम में कुबेरनाथ सिंह, दिनेश कुमार, आरके सिंह, सीताराम शाही, सुनील सिंह, सोनू पांडेय, विशाल पासवान, कुलदीप कुमार, पवन केशरी, अजय कुमार, राम प्रताप सिंह और शिवप्रसाद चौहान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में दुर्गा पूजा पर भव्य कार्यक्रम, गरबा नृत्य ने मोहा मन

खलारी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, डकरा में दुर्गा पूजा के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की पूजा–अर्चना एवं वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने गरबा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विष्वकर्मा ने कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस और नारी सम्मान की प्रतीक हैं। दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से साहस, अनुशासन और सेवा भाव अपनाने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्.ति, परंपरा और नैतिक मूल्यों से जोड़ना था। आयोजन में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। अंत में सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई।

ग्रामीणों ने बिजली बहाली की मांग को लेकर डकरा बिजली घर का घेराव किया

खलारी। डेंबुआ, कुसुम टोला, बरसरिया और झोलंडीहा समेत आसपास के गांवों में जारी बिजली संकट से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह डकरा विद्युत सबस्टेशन का घेराव किया। ग्रामीणों ने सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि कई दिनों से गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित है, लेकिन बार–बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार संबंधित गांव सीसीएल के उत्खनन क्षेत्र में आते हैं। इसके बावजूद यहां के लोगों को लंबे समय से बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार सीसीएल अधिकारियों से वार्ता कर चुके हैं, लेकिन हर बार मामला अनसुलझा रह गया। ग्रामीणों ने बताया कि आठ दिन पूर्व लिखित आवेदन देकर भी शिकायत की गई थी, लेकिन इसके बावजूद बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। लगातार हो रही उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को डकरा विद्युत सबस्टेशन का घेराव कर अपना विरोध दर्ज कराया।ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए एनके एरिया के एसओ ईएंडएम राजेश कुमार ने उन्हें वार्ता के लिए महाप्रबंधक कार्यालय बुलाया। वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि चोरों द्वारा बिजली कंडक्टर की चोरी किए जाने के कारण गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की ओर से इस मामले में जिम्मेदारी नहीं लेने के कारण बिजली व्यवस्था बहाल करने में परेशानी हो रही थी। वार्ता के बाद राजेश कुमार ने आश्वासन दिया कि सीसीएल के विद्युत कर्मियों द्वारा आवश्यक मरम्मत कर शुक्रवार को ही गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। हालांकि, लंबे समय से बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों के लिए अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रबंधन का आष्वासन कितनी जल्दी धरातल पर उतरता है।

केडी मुख्य मार्ग पर जाम से बढ़ी परेशानी, भारी वाहनों की नो एंट्री सख्ती से लागू कराने की मांग

खलारी। खलारी के केडी मुख्य मार्ग पर जाम की समस्या से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। शुक्रवार सुबह से ही मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगने से आवागमन प्रभावित रहा। दुर्गा पूजा और दहषरा को लेकर बाजार में खरीदारी करने पहुंच रहे लोग अपने चार पहिया और दो पहिया वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर दे रहे हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जा रही है और जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। इसके कारण आम राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्व के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए प्रषासन के द्वारा पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्व के समय बाजार में भीड़ बढ़ने की संभावना पहले से रहती है। इसके बावजूद यातायात नियंत्रण के लिए समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए। सड़क पर बेतरतीब ढंग से वाहनों की पार्किंग के कारण जाम की स्थिति और गंभीर हो रही है। ऐसे में प्रमुख स्थानों पर पुलिस की तैनाती कर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की जरूरत है। स्थानीय लोगों ने पर्व के दौरान केडी मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन पर नो एंट्री की समय सीमा सख्ती से लागु कराने की मांग की है। इसके अलावा बाजार क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान तय करने, सड़क पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े करने पर रोक लगाने और यातायात पुलिस की सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता जताई है। लोगों का कहना है कि पर्व के दौरान आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को जाम की समस्या से जूझना न पड़े।

भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो ने किया दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

मांडर। मांडर स्थित दुर्गा–शिव मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा के अवसर पर बनाए गए भव्य पंडाल का उद्घाटन भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो ने फीता काटकर किया। मौके पर मुखिया प्रकाश खलखो, जिला परिषद प्रतिनिधि राहुल अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद सन्नी टोप्पो ने मां दुर्गा से क्षेत्रवासियों की सुख–शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, आपसी सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। नवरात्र के पहले दिन से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। षष्ठी के दिन भी श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ मां दुर्गा की पूजा–अर्चना की। मां के जयकारों और भिक्त गीतों से पूरा क्षेत्र भिक्तमय हो गया। माता रानी के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मुख्य रूप से अध्यक्ष रमेश केशरी, शैलवान कुमार , ब्रह्मानन्द सेन गुप्ता, छेदी प्रसाद साहू, पंकज प्रकाश ,शंकर आचार्य, बंसी प्रसाद, चंद्रशेखरमिश्रा, संतोष सेन गुप्ता, रामकिशोर सिंह, शिवप्रसाद साहू , प्रकाश खलखो, शिव साहू, अशोक अग्रवाल, रामप्रकाश साहू, मनकु महतो, पिंटू तिवारी, सुबोध साहा, मनोज गुप्ता , मनोज सोनी, संतोष पाठक, विनोद साहू,बजरंग लोहरा, बजरंग साहू, सहित काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे ।

आदिवासी 22 पड़हा समिति सदमा ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला, बांटी जर्सी

छाया : मुन्ना

ओरमांझी। आदिवासी 22 पड़हा समिति सदमा ने क्षेत्र के फुटबॉल खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रोत्साहित करने के लिये अपना हाथ आगे बढ़ाया है। शुक्रवार को समिति के द्वारा खिलाड़ियों के बीच जर्सी का वितरण किया गया। क्षेत्र के खिलाड़ी अब 'आदिवासी 22 पड़हा वाईएससी सदमा' नाम की नई जर्सी और नई जोश के साथ मैदान में उतरेंगे। प्रोजेक्ट +2 हाई स्कूल सदमा के मैदान में एक समारोह आयोजित कर समिति के अध्यक्ष बाबूलाल महली के सौजन्य से खिलाड़ियों को जर्सी प्रदान की गई।

खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिये सकारात्मक कदमः– समिति के संरक्षक समेत सक्रिय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर दिखा। नई जर्सी पाकर खिलाड़ियों में हौसला और उमंग साफ झलक रही थी। अध्यक्ष श्री महली ने कहा समिति की इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देष्य स्थानीय प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाना और खेल के प्रति अधिक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करना है। वहीं संरक्षक रमेष चंद्र उरांव ने कहा उन्हें उम्मीद है कि खेल के मैदान में अपना सर्वश्रेश्ठ प्रदर्षन से खिलाड़ी जर्सी और क्षेत्र का मान बढ़ायेंगे। इसके अलावा क्षेत्र के लोगों ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिषा में समिति की इस पहल को साकारात्मक कदम बतलाया है। मौके पर समिति के पदाधिकारी कुलदीप उरांव, डिस्को मुंडा, रामकुमार तिर्की, रवि मुंडा, खुदन मुंडा, सुनिल लोहरा, सनु मुंडा समेत सदस्य दिलीप मुंडा, रितेश मुंडा, संदीप पाहन, रविंद्र मुंडा, शिबु उरांव, टिंकू उरांव, सुमित मुंडा, अमित मुंडा व राहुल उरांव मौजूद रहे।

झारखंड पब्लिक स्कूल में दुर्गा पूजा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, छात्राओं ने मां दुर्गा के नौ रूपों को प्रस्तुत कर मन मोहा

खलारी। झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा में शारदीय दुर्गा पूजा भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्राचार्य अभिषेक कुमार चौहान ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा शक्ति की उपासना का पर्व है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर यह सिद्ध किया कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंत में जीत सत्य और अच्छाई की ही होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मां दुर्गा के आदर्शों को अपनाने तथा जीवन में सत्य, साहस और नारी शक्ति का सम्मान करने का आह्वान किया। प्राचार्य अभिषेक कुमार चौहान ने सभी को शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। वहीं कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्र–छात्राओं की सांस्.तिक प्रस्तुतियां रहीं। छात्राओं ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री के रूप में मंच पर मनमोहक प्रस्तुति दी। साथ ही छात्रों ने महिषासुर वध की झांकी प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं नेवल कुमार दास, किरण देवी, पूजा, प्रिया, पल्लवी, शिखा, फरीदा, नाजिया, साजिया, आरती, विकास, रामलाल और रमेश सहित अन्य शिक्षकों की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक–शिक्षिकाएं, छात्र–छात्राएं और अभिभावक उपस्थित थे।

मैकलुस्कीगंज में बेलवरण पूजा के साथ खुले पंडाल, श्रद्धालुओं ने किये मां के दर्शन

मैकलुस्कीगंज। बेलवरण पूजा के साथ मैकलुस्कीगंज क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों के पट शुक्रवार को दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए गए। इस अवसर पर धुर्वा मोड़, लपरा शिव मंदिर, हेसालौंग और नावाडीह में पूरे भक्तिभाव के साथ बेलवरण पूजा का आयोजन किया गया। पट खुलते ही मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे। धुर्वा मोड़ स्थित पूजा पंडाल का उद्घाटन मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा और कोनका पंचायत की मुखिया पुष्पा खलखो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वहीं, लपरा शिव मंदिर स्थित पूजा पंडाल का उद्घाटन मुखिया पुतुल देवी ने फीता काटकर किया। पूजा के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की।

प्रेम और सम्मान

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

प्रेम और सम्मान की भावना तथा अनुभूति आपके भीतर ही निवास करती हैं। जब आपके हृदय में निर्मलता और मन में स्पष्टता होती है, तब ये भावनाएँ स्वाभाविक रूप से प्रकट होती हैं। प्रेम और सम्मान अपने आप घटित होते हैं। यदि आप प्रयास करके अपने भीतर सम्मान या प्रेम लाना चाहेंगे, तो यह प्रयास असफल होगा। आप स्वयं को तनाव से मुक्त रखें और मन में ज्ञान धारण करें। ज्ञान का अर्थ है - संसार को व्यापक दृष्टिकोण से देखना तथा स्थायी और अस्थायी के अंतर को समझना। लोगों की राय और उनके विचार - ये सब अस्थायी हैं। यह सब परिवर्तनशील है; यह स्मरण रखना चाहिए। सम्मान की लालसा न रखें। कोई आपको सम्मान देता है या नहीं देता, यह उसकी पसंद है; लेकिन यदि आपका जीवन दूसरों के सम्मान पर निर्भर है, तो आप दुर्बल हो जाते हैं। जितनी अधिक निर्भरता होगी, उतना ही आप अधिक कमजोर होते जाएँगे और अधिक दुःखी भी होंगे। आपको यह जानना चाहिए कि मुझे किसी के सम्मान की आवश्यकता नहीं है -मेरा सम्मान मेरे भीतर है। इसका अर्थ यह नहीं कि आप असम्मानजनक व्यवहार करें। आप सभी को सम्मान दें, किंतु बदले में सम्मान की अपेक्षा न रखें। यदि कोई आपको सम्मान नहीं देता, तो स्वाभाविक बने रहें। यह उनकी संस्कृति और उनके विकास के स्तर को दर्शाता है। यदि आप अधिक विकसित और परिपक्व हैं, तो आप हर किसी का सम्मान करेंगे - चाहे वह समझदार हो या पागल। आप एक पागल व्यक्ति का भी सम्मान करेंगे, क्योंकि यह आपका स्वभाव है। वे भी सृष्टि का ही एक भाग हैं; वे भी उसी दिव्यता से जुड़े हैं। आप सभी का सम्मान करें। यह दर्शाता है कि आप कितने बुद्धिमान हैं। सम्मान की अपेक्षा करना हमारी कमजोरी को प्रकट करता है, जबकि बिना किसी भेदभाव के सभी को सम्मान देना हमारी बुद्धिमत्ता को दर्शाता है। प्रेम इस सृष्टि का मूल आधार है। वह कभी समाप्त नहीं होता; वह सदैव विद्यमान रहता है। प्रेम दीजिए - वह कई गुना होकर आपके पास लौटेगा। प्रेम से विरह उत्पन्न होता है, और विरह ही भगवान है; प्रेम ही भगवान है। विरह के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। विरह उत्पन्न करना गुरु का कार्य है। लोग संसार के लिए दुःखी होते हैं, किंतु यदि संसार के दुःख से ऊपर उठकर भगवान के लिए विरह उत्पन्न हो जाए, तब जीवन का उद्देश्य पूर्ण हो जाता है। इसलिए विरह का जन्म होना अत्यंत शुभ है। प्रेम और विरह, ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। उसकी खोज करो, उसके लिए तड़पो, उसे पाने की आकांक्षा रखो और यह खोज स्वयं में ही सुंदर है। दिव्यता के लिए तड़पना, सर्वोच्च सत्य के लिए लालायित होना, अपने आप में अत्यंत सुंदर है। इसीलिए तड़प को राधा कहा गया है। राधा का अर्थ है - लालसा, तड़प; और श्याम का अर्थ है - प्रेम। तड़प और प्रेम साथ-साथ चलते हैं। यदि तड़प नहीं है, तो प्रेम भी नहीं हो सकता; और जहाँ प्रेम है, वहाँ तड़प अवश्य होती है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन करना चाहती है कांग्रेस : राजनाथ

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार बोला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता बदलने की बात की जा रही है, जो भी आंदोलन हो रहा है वो देश के युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए नहीं.. बल्कि देश में सत्ता परिवर्तन की कोशिश की जा रही है। ये सत्ता हासिल करने की साजिश है, सरकार को खुलेआम गिराने की बात की जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, षदिल्ली में पिछले दिनों जो घटनाक्रम हुए, वो कई गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस और उनके राजनीतिक सहयोगी प्रत्यक्ष रूप से और अपने समर्थक संगठनों के माध्यम से युवाओं की उर्जा को रचनात्मक कार्यों और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में लाने की जगह राजनीतिक टकराव और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। देश के नौजवानों को अराजकता की राजनीत का मोहरा बनाने की कोशिश की जा रही है। बांग्लादेश की तर्ज पर शासन बदलना चाहते हैं और एक प्रेस वार्ता में खुलकर कहते हैं कि उसने शासन बदलने की प्रेरणा बांग्लादेश से ली है। तो दूसरा डंके की चोट पर सरकार गिराने की बात करता है। यह साफ करता है कि इनका इकलौता एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को ध्वस्त करना और देश में आग लगाना है। शासन बदलने जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है, इससे पता चलता है कि उनकी लड़ाई चुनाव सुधार, ज्ञानेश कुमार, देश के नौजवानों के उज्जवल भविष्य के लिए नहीं है। उनकी लड़ाई देश में अराजकता पैदा करके सत्ता हासिल करने की उनकी साजिश है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि राहुल गांधी और उनके सहयोगियों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र अराजकता फैलाना, संवैधानिक संस्थाओं की साख पर चोट करने या भारत की विकास यात्रा में बाधा डालने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के कल की टिप्पणी भी मैं समझता हूं कि इसी ओर एक संकेत है। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कानून का सम्मान करना भी आवश्यक है। राहुल गांधी को लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर व्यवधान की राजनीति करने के बजाय जनमत का सम्मान करते हुए अपनी राजनीतिक भूमिका पर आत्ममंथन करना चाहिएय यह मेरा राहुल गांधी को सलाह है। राजनाथ सिंह ने कहा, मैं मानता हूं कि कांग्रेस के संरक्षण और शासन काल में तीन सबसे बड़े अक्षम्य अपराध हुए हैं। उनका पहला अक्षम्य अपराध 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया अपातकाल था। दूसरा अक्षम्य अपराध 1984 में कांग्रेस के संरक्षण में सिख भाई–बहनों का नरसंहार था। तीसरा अक्षम्य अपराध 1990 में राम भक्त कारसेवकों की खून की गंगा बहाने वाले लोगों को समर्थन देकर उनकी सरकार को बचाना था। चौथा, आज कांग्रेस द्वारा संविधान, संवैधानिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं को चोट पहुंचाकर किया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 37 सालों से सत्ता से बाहर है...मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या समाजवादी पार्टी के बगैर आप अपनी रायबरेली की सीट भी जीतने का सामर्थ्य रखते हैं या नहीं? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आपने देखा होगा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी को हाइड्रोजन बम बताकर पूरे देश में शोर मचाया था मगर सच्चाई यह है कि उनका यह तथाकथित हाइड्रोजन बम दिवाली का पटाखा भी साबित नहीं हुई। हमने कभी भी संवैधानिक संस्थाओं पर शक नहीं किया है। यह हमारा चरित्र है।

एक ही दिन में है महाअष्टमी व महानवमी

शारदीय नवरात्रि में भक्तजन नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग–अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस बार अष्टमी और नवमी तिथि, दोनों ही 19 अक्तूबर को पड़ रही है। जिसको लेकर भक्तों के बीच भ्रम की स्थिति बनी है। हिंदू पंच. ांग के अनुसार, ये दोनों त्योहार सोमवार, 19 अक्तूबर 2026 को मनाए जाएंगे। वैदिक पंचांग के अनुसार, 19 अक्तूबर को लोग महा–अष्टमी का त्योहार मनाएंगे, जिसे दुर्गा अष्टमी भी कहा जाता है। 19 अक्तूबर को ही यह पर्व मनाया जाएगा, क्योंकि अष्टमी तिथि 18 अक्तूबर को शुरु होने के बावजूद, उस दिन सूर्योदय के समय मौजूद रहेगी। द्रिंक पंचांग के अनुसार, 19 अक्तूबर को महानवमी तिथि है, जिसे दुर्गा नवमी भी कहा जाता है। अष्टमी समाप्त होने के ठीक बाद नवमी तिथि प्रारंभ होती है। बंगाली दुर्गा पूजा कैलेंडर के अनुसार, महानवमी 20 अक्तूबर को पड़ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवमी तिथि 20 अक्तूबर को दोपहर तक रहती है और बंगाली परंपरा में पूजा–पाठ के अलग–अलग नियम माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार महाअष्टमी और महानवमी की तिथि दोनों ही 19 अक्तूबर को पड़ रही है। वहीं, अष्टमी तिथि सुबह 10रू18 बजे समाप्त होगी और इसके तुरंत बाद नवमी शुरु हो जाएगी। जो लोग दिल्ली के पंचांग को मानने वाले है, वे सभी लोग इसी दिन पर्व मनाएंगे। जबकि बंगाल पूजा कैलेंडर का पालन करने वाले लोग 20 अक्तूबर को नवमी मनाएंगे। ऐसे में कन्या पूजन 19 अक्तूबर को की जाएगी। अष्टमी तिथि का शुभ मुहूर्त सुबह 8 बजकर 29 मिनट से लेकर 10 बजकर 16 मिनट तक रहने वाला है। नवमी के लिए अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक है।

महा अष्टमी की सही तिथि और समय

अष्टमी तिथि प्रारम्भ– रविवार, 18 अक्टूबर प्रातः 8:27 बजे
अष्टमी तिथि समाप्त– सोमवार, 19 अक्टूबर सुबह 10:51 बजे

महानवमी की सही तिथि और समय

नवमी तिथि प्रारंभ– सोमवार, 19 अक्टूबर सुबह 10:51 बजे
नवमी तिथि समाप्त– मंगलवार, 20 अक्टूबर दोपहर 12:50 बजे

मोदी दिसंबर में जायेंगे कनाडा

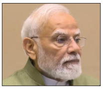

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष के अंत में 11–12 दिसंबर को कनाडा की यात्रा करेंगे। कैलगरी में आयोजति एक कार्यक्रम के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया क ियह दौरा टोरंटो और ओटावा में होगा। उन्होंने कहा क िहम इस दिसंबर प्रधानमंत्री मोदी के कनाडा दौरे का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। कनाडा में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट में इस यात्रा की जानक. ारी साझा की। दूतावास ने पोस्ट में लिखा, श्हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत–कनाडा संबंधों में बन रही सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने यह भी तय किया कि दोनों देश व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी), सुरक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस और व्यावहारिक नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

दुश्मन को एक बार माफ करो, दोस्त को दो बार, गद्दार को कभी नहीं : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रिजीम चेंज की वकालत करने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे गद्दारों को कभी माफ न करें। यह बयान वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के सरकार बदलने वाले बयान पर छिड़े सियासी विवाद के बीच आया है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, प्यारे देशभक्त भारतीयों, याद रखें, श्अपने दुश्मनों को एक बार माफ करो, दोस्तों को दो बार, लेकिन गद्दारों को कभी नहीं। केंद्रीय मंत्री का यह बयान तब आया, जब उन्होंने प्रशांत भूषण की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने खुलेआम 'रिजीम चेंज' की मांग को स्वीकार किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूषण ने कहा था, हां, हम रिजीम चेंज चाहते हैं। इससे पहले रिजिजू ने भूषण के 2011 के कश्मीर वाले बयान का वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था, अगर कश्मीरी लोग अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें अलग होने दें। एक अन्य पोस्ट में रिजिजू ने इस सियासी लड़ाई को तीखे शब्दों में बताया और संविधान का समर्थन करने वालों और अराजकता फैलाने वालों के बीच फर्क बताया। रिजिजू ने एक्स पोस्ट में लिखा था, ष्लड़ाई की रेखा खिंच गई है। यह दिमागी नक्सल बनाम देशभक्त भारतीय है।ष इस पूरे मामले ने रिजीम चेंज की मांग के अर्थ और असर को लेकर सियासी बहस छेड़ दी है। सत्ताधारी पार्टी के नेताआ. ें ने विपक्ष और प्रदर्शन के आयोजकों पर सरकार को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाया है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस मुद्दे पर विपक्ष को घेरा।

आरएसएस के तंत्र वाली व्यवस्था बदल कर रहेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी चुनाव के जरिए मौजूदा व्यवस्था को बदलकर रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान चला रही है और देशभर में लोग इस मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खेड़ा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग से सवाल पूछे जाने पर भाजपा जवाब देने लगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रभाव वाली व्यवस्था को बदलना चाहती है। उनके मुताबिक, विश्वविद्यालयों, चुनाव आयोग और नौकरशाही सहित विभिन्न संस्थानों में संघ का प्रभाव बढ़ा है। खेड़ा ने छात्र नेता नेहा बोरा का समर्थन करते हुए कहा कि वामपंथी होने में क्या गलत है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले किसी भी संगठन के साथ कांग्रेस खड़ी है। राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की कथित फटकार से जुड़े सवाल पर खेड़ा ने कहा कि अदालत के आदेश को सही संदर्भ में समझा जाना चाहिए। उन्होंने मीडिया और भाजपा पर अदालत की टिप्पणी को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। खेड़ा ने यह भी कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग में सुधार की मांग कर रही है, लेकिन अब पार्टी का जोर व्यवस्था बदलने पर है।

संसद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने पर खड़गे ने मोदी को घेरा

नयी दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर संसद के मानसून सत्र को लंबे समय तक स्थगित रखने और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम सहमति न बनाने को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। 16 अक्टूबर 2026 को लिखे इस पत्र में खड़गे ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि 13 अगस्त 2026 को संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। आज इस बात को 64 दिन बीत चुके हैं, लेकिन दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं किया गया है। उन्होंने इस स्थिति को अभूतपूर्व और संसदीय परंपराओं के विपरीत बताया है। खड़गे ने पत्र में पूर्व के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 11 अप्रैल 2026 को भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर परिस. ीमन पर संवैधानिक संशोधन विधेयक लाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद 14 अप्रैल की देर शाम बिल को सार्वजनिक किया गया और 16 अप्रैल को विशेष सत्र बुला लिया गया। हालांकि, आम सहमति न होने के कारण 17 अप्रैल 2026 को यह विधेयक लोकसभा में दो–तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह इसके बाद भी 16 जुलाई और 27 अगस्त को पत्र लिख चुके हैं, और अब यह चौथी बार है जब वह सर्वदलीय बैठक की मांग दोहरा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की है कि नए प्रस्तावों को संसद में लाने से पहले सभी राजनीतिक दलों और हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की जाए, ताकि उन्हें विचार–विमर्श के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने सरकार को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वे पिछली बार की तरह किसी भी दूरगामी संवैधानिक संशोधन विधेयक को बिना चर्चा के जबरन पास कराने की कोशिश न करें।

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक एंटरटेनर 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर

एक संयोग भरी मुलाकात, अनपेक्षित प्यार और दिल की ख्वाहिशों व परिवार की जिम्मेदारियों के बीच एक मुश्किल फैसला। इन्हीं के इर्द गिर्द घूमती है 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' की कहानी। रोमांस, हँसी मज़ाक, पारिवारिक जज़्बातों और प्यार में पड़ने की खुशी से सजी यह फिल्म दिखाती है कि क्या दो लोग अपने परिवार की उम्मीदों और जिम्मेदारियों के बीच अपने रिश्ते को निभा पाते हैं। देखिए 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का प्रीमियर, ज़ी सिनेमा पर, रविवार, 18 अक्टूबर, दोपहर 12 बजे। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन रेहान 'रे' मेहरा के किरदार में हैं, जो अमेरिका में रहने वाला एक आत्मविश्वासी और बेफिक्र वेडिंग प्लानर है। वहीं, अनन्या पांडे रूमी वर्धन सिंह के किरदार में हैं, जो एक ऐसे प्यार की तलाश में है, जिसमें सच्चाई हो और रिश्ता दिल से जुड़ा हो। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जिनकी सोच और व्यक्तित्व एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन फिर भी वो अनजाने में एक दूसरे की तरफ खिंचे चले आते हैं। हँसी-मज़ाक भरी नोकझोंक, दिल छू लेने वाले पल और अपने परिवारों से गहरे जुड़ाव के बीच उनका रिश्ता धीरे धीरे मजबूत होने लगता है। लेकिन, तभी उन्हें एक मुश्किल हकीकत का सामना करना पड़ता है। अपने परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियाँ उन्हें साथ भविष्य बनाने से रोक सकते हैं। रोमांस, जज़्बातों और पारिवारिक ड्रामे से सजी यह फिल्म प्यार और फर्ज के बीच संतुलन बनाने की चुनौती को सामने लाती है। यह सवाल भी उठाती है कि क्या रे और रूमी परिवार की उम्मीदों और ज़िंदगी में जरूरी समझौतों के बीच अपने रिश्ते को निभा पाएँगे? फिल्म में जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और कई अन्य कलाकार भी अहम् सहायक भूमिकाओं में नज़र आएँगे। दिलकश अदाकारी, हल्की फुल्की कॉमेडी, खूबसूरत लोकेशन्स और परिवार के साथ बिताए दिल छू लेने वाले पलों से सजी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' एक ऐसी एंटरटेनर है, जो प्यार, रिश्तों और हमारी ज़िंदगी को आकार देने वाले लोगों की अहमियत का जश्न मनाती है।

राहुल पर महिला पत्रकार को धक्का देने के आरोप की 26 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दल्लिी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वकील गौरव भाटिया ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर महिला पत्रकार को धक्का देने के आरा. ेप का मामला रखा। उन्होंने कोर्ट से इस आवेदन पर सुनवाई की तारीख तय करने और यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया कि मामले में नोटिस जारी किया गया है या नहीं। इस पर सीजेआई ने कहा कि कल हमारे सामने जो भी याचिकाएं रखी गई थीं, उन सभी में हम पहले ही नोटिस जारी कर चुके हैं। हम 26 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे। इसी से जुड़े एक अन्य मामले में वकील जय अनंत देहाद्राई की ओर से भी सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला रखा गया। उन्होंने आशंका जताई कि इस प्रदर्शन के कारण कनॉट प्लेस के दुकानदारों और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी लोग समझदारी से काम लेंगे। छोटी दुकानें चलाने वाले लोग त्योहार के मौसम में कमाई करते हैं। अगर उनका कारोबार प्रभावित हुआ, तो उनके पूरे परिवार को आर्थिक परेशानी हो सकती है। जस्टिस बागची ने कहा कि प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों के साथ–साथ छोटे व्यापारियों की रोजी–रोटी का भी ध्यान रखना जरूरी है। अगर प्रदर्शन के कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान होता है, तो सुप्रीम कोर्ट अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है। फिलहाल, पहले देखते हैं कि आगे क्या होता है। बता दें कि दिल्ली में 12 अक्टूबर को इंडिया ब्लॉक के सुप्रीम कोर्ट मार्च के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर एक महिला पत्रकार के साथ बदसलूकी और धक्का–मुक्की का आरोप लगा है। आरोप लगाने वाली पत्रकार ने दावा किया है कि वह तीन महीने की गर्भवती हैं। इस मामले में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

संजय राउत और पत्रकार निखिल वागले को अवमानना मामले में नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत और वरिष्ठ पत्रकार निखिल वागले को नोटिस जारी किया। यह नोटिस सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा दायर एक आपराधिक अवमानना याचिका के संबंध में है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के खिलाफ उनके कथित बयानों से जुड़ी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने राउत और वागले को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। हालांकि, फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब सीजेआई को लेकर राउत की टिप्पणियों पर विवाद चल रहा है। दरअसल, सीजेआई ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने से इनकार कर दिया था, जो उन्हें मतदाता सूची के श्विशेष गहन पुनरीक्षणश (एसआईआर) के संबंध में एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सीजेआई ने कहा था कि लंबित मामलों पर चर्चा के लिए बैठक बुलाना श्शक्तियों के पृथक्करणश के संवैधानिक सिद्धांत के खिलाफ होगा, जो श्संविधान के मूल ढांचेश का एक अहम हिस्सा है। वहीं, 12 अक्टूबर को मीडिया से बातचीत के दौरान राउत ने दावा किया था कि उन्होंने सीजेआई सहित 60 से 70 जजों को लंदन में भाजपा नेताओं के साथ बैडमिंटन खेलते देखा था। पत्रकार वागले ने 11 अक्टूबर को अपने एक्स हैंडल पर सीजेआई के खिलाफ एक आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की थी।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रदीप राय ने शीर्ष अदालत के सामने कहा कि वकीलों का संगठन अवमानना की कार्यवाही शुरू करने को लेकर दुखी है, लेकिन उन्हें लगा कि ऐसी टिप्पणियों को नजरअंदाज करने से दूसरों को भी इसी तरह के बयान देने का बढ़ावा मिल सकता है। सुनवाई के दौरान सीजेआई कांत ने कहा कि लोग अक्सर यह नहीं समझ पाते कि उन्हें उकसाने वाले लोग उन्हें जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में अदालतें कभी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने अफसोस जताया कि इसके बावजूद आलोचना जारी है और उम्मीद जताई कि लोगों को सही बात समझ आएगी। इस बीच वागले ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्होंने वह पोस्ट हटा दी है और सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। वागले ने बताया कि वह पोस्ट सिस्टम से उपजे दुख और हताशा के कारण एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। उन्होंने अपनी भाषा के लिए खेद जताया और कहा कि वह अपनी टिप्पणी को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। एक अन्य घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राउत से उनके आचरण पर स्पष्टीकरण मांगा। यह तब हुआ जब कोर्ट ने राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के अन्य नेताओं द्वारा दायर उस याचिका के हिस्से के रूप में राउत की याचिका को अस्थायी रूप से स्वीकार किया, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया (एसआईआर) को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने निर्देश दिया कि राउत की ओर से दायर याचिका को अस्थायी आधार पर स्वीकार किया जाए, बशर्ते वह अपने आचरण के बारे में स्पष्टीकरण दें।